जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने के कारण खपत में आई तेजी - 12

कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा : ट्रंप - 13

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध - 13

दीप्ति शर्मा तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटी - 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष अष्टमी 12:15 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 278, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

विश्व विजेता बेटियों को सम्मान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हाल ही में पहला टी-20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम की सदस्यों से मिले। इस दौरान मोदी ने उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके लिए एक गेंद पर हस्ताक्षर भी किए।

अंतरिक्ष क्षेत्र में उम्मीदें जगा रहे हैं 300 से ज्यादा स्टार्टअप

मोदी ने स्काईरूट के रॉकेट का अनावरण किया, नई प्रौद्योगिकी तैयार करने के लिए जेन जी को सराहा

हैदराबाद, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट के पहले ऑर्बिटल रॉकेट का अनावरण किया और नई प्रौद्योगिकियां तैयार करने के लिए जेन जी पेशेवरों की तारीफ की। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हैदराबाद में 'स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस' का उद्घाटन किया। कंपनी का 'आर्बिटल रॉकेट विक्रम-1' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जेन जी इंजीनियर, डिजाइनर, कोडर और वैज्ञानिक नई प्रौद्योगिकियां तैयार कर रहे हैं। मोदी ने अपने संबोधन में सरकार के ऐतिहासिक अंतरिक्ष सुधारों को रेखांकित करते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के परिणामस्वरूप स्काईरूट और अन्य इकाइयां इस तरह के नवाचारों के साथ सामने आई हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र तेजी से उभर रहा है। 300 से ज्यादा अंतरिक्ष स्टार्टअप इस क्षेत्र को नई उम्मीदें दे रहे हैं। उन्होंने कहा, इन्फिनिटी कैंपस भारत की नई सोच, नवाचार और विशाल युवा शक्ति का प्रतिबिंब है। युवाओं का नवाचार, जोखिम उठाने की क्षमता और उद्यमिता नई ऊंचाइयों को छू रही है।

मोदी ने कहा, भारत की निजी अंतरिक्ष प्रतिभा दुनिया में अलग पहचान बना रही है। भारत का अंतरिक्ष क्षेत्र वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण बन रहा है। दुनिया में छोटे उपग्रहों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि साइकिल पर रॉकेट के पुर्जे ढोने से लेकर दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्रक्षेपण यान विकसित करने तक भारत ने साबित किया है कि सपनों की ऊंचाई संसाधनों से नहीं बल्कि दृढ़ संकल्प से तय होती है।

अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी है स्काईरूट

स्काईरूट इन्फिनिटी कैंपस एक अत्याधुनिक केंद्र है, जिसमें लगभग 2,00,000 वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र है और बहु-प्रक्षेपण यान के डिजाइन, विकास, एकीकरण और परीक्षण के लिए हर महीने एक आर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम है। स्काईरूट भारत की अग्रणी निजी अंतरिक्ष कंपनी है, जिसकी स्थापना पवन चंदना और भरत ढाका ने की है, जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) के पूर्व-छात्र, इसरो के पूर्व वैज्ञानिक और अब उद्यमी हैं। नवंबर 2022 में, स्काईरूट ने अपना सब-ऑर्बिटल रॉकेट, विक्रम-एस का प्रक्षेपण किया, जिससे वह अंतरिक्ष में रॉकेट लॉन्च करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी बन गई।

ब्रीफ न्यूज

वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर पुलिस का छापा

श्रीनगर। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े सदस्यों और संगठनों के खिलाफ गुरुवार को की गई कार्रवाई के तहत हंदवारा पुलिस ने वारपोरा में जामिया इस्लामिया इंस्टीट्यूट पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, दस्तावेज और रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं। ऑपरेशन का मकसद संस्थान के कार्यों की जांच करना और प्रतिबंधित जमात से इसके संभावित जुड़ाव की पुष्टि करना है। पुलिस ने कहा, आतंकवाद के तंत्र को तोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

दिल्ली विस्फोट: मुख्य आरोपी बिलाल वानी 7 दिन की रिमांड पर

श्रीनगर। एनआईए ने गुरुवार को दिल्ली कार बम विस्फोट के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को सात दिन की रिमांड पर ले लिया। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने वानी को सात दिन की हिरासत में भेजने का फैसला किया। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए ड्रोन में टेक्निकल बदलाव किए और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की ताकि उनका इस्तेमाल हमलों में किया जा सके।

दिव्यांगों का अपमान रोकने को एससी-एसटी जैसा सख्त कानून बनाने पर विचार करे केंद्र

शीर्ष कोर्ट ने दिया निर्देश, सूचना प्रसारण मंत्रालय ने दिया जल्द ही नियम बनाने का आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने दिव्यांगजनों की गरिमा की रक्षा के लिए एक सख्त कानून की आवश्यकता पर जोर दिया और बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह दिव्यांगजनों के खिलाफ उनका मजाक उड़ाने वाले और अपमानजनक बयान देने वालों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट जैसा दंडनीय कानून बनाने पर विचार करे।

एससी/एसटी एक्ट, 1989 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के लोगों के खिलाफ किए जाने वाले जातिसूचक अपशब्दों, भेदभाव, अपमान और हिंसा को अपराध मानता है तथा इस कानून के तहत ऐसे मामले गैरजमानती होते हैं। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा, एससी-एसटी अधिनियम में जातिसूचक टिप्पणियों को अपराध माना गया है और सजा का प्रावधान है, उसी तरह का कठोर कानून आप दिव्यांग लोगों के लिए क्यों नहीं ला सकते। मेहता ने भी कोर्ट की इस टिप्पणी की सराहना की।

पीठ को सूचना प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि दिव्यांगों के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों और उनका मजाक उड़ाने जैसे मामलों से निपटने के लिए कुछ दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। पीठ ने मंत्रालय से कहा कि वह इन्हें चर्चा के लिए सार्वजनिक करे। अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट दुर्लभ 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' रोग से पीड़ितों के लिए काम करने वाले 'मेसर्स एसएमए क्योर फाउंडेशन' की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें 'इंडियाज गॉट लेटेंट' के होस्ट समय रैना और उसके सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर साथियों की ओर से किए गए मजाकिया बयानों को उठाया गया है।

दंड : दिव्यांगों की सफलता पर करने होंगे प्रोग्राम

पीठ ने हास्य कलाकार रैना और अन्य को भविष्य में आचरण के प्रति सावधान रहने का निर्देश देते हुए दिव्यांगजनों की सफलता की कहानियों के बारे में हर महीने दो कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि दिव्यांगों, विशेषकर एसएमए से पीड़ित लोगों के उपचार के लिए धन जुटाया जा सके। पीठ ने कहा कि यह सामाजिक दंड का हिस्सा है और उन्हें अन्य दंडात्मक उपायों से छूट दी गई है। उन्हें दिव्यांगों के बारे में उनके असंवेदनशील चुटकुलों के लिए क्षतिपूर्ति के रूप में ऐसा करने के लिए कहा गया है। सीजेआई ने कहा कि इन्फ्लुएंसर्स एसएमए जैसी दुर्लभ बीमारियों के पीड़ितों को समय पर उपचार प्रदान करने के मकसद से धन जुटाने के लिए अपने मंचों पर सक्षम व्यक्तियों को आमंत्रित कर सकते हैं।

एसआईआर पर कोर्ट ने पूछा सवाल...

क्या आधार रखने वाले घुसपैठियों को भी वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को पूछा, क्या ऐसे लोग जो गैरकानूनी तरीके से भारत में आए हैं और जिनके पास कल्याणकारी योजनाओं के लाभों को लेने के लिए आधार कार्ड हैं, उन्हें भी वोट देने का हक होना चाहिए। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह बात कही।

यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल और केरल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के इस तर्क के बाद आई कि आधार कार्ड होने के बावजूद मतदाताओं को बाहर रखा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने साफ किया कि आधार का मकसद इसे बनाने वाले कानून के तहत योजनाओं का लाभ पाने तक सीमित है। उन्होंने पूछा, मान लीजिए कि पड़ोसी देशों से लोग यहां आते हैं और यहां रिक्शा चलाने या मजदूरी करने लगते हैं। अगर आप आधार कार्ड इसलिए जारी करते हैं ताकि उन्हें सब्सिडी वाला राशन मिल सके, तो यह हमारे संवैधानिक मूल्यों के हिसाब से है। लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि क्योंकि उन्हें यह फायदा दिया गया है तो अब उन्हें वोटर भी बना देना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर जताई गई चिंताओं पर सीजेआई ने कहा कि बड़े पैमाने पर मीडिया कवरेज ने एसआईआर प्रक्रिया को पूरे राज्य में मशहूर कर दिया है। अगर दूरदराज के इलाकों के लोगों को जानकारी थी कि नई लिस्ट आ रही है तो क्या कोई कह सकता है कि उन्हें पता नहीं था। अधिवक्ता सिब्बल की इस बात पर कि एसआईआर प्रक्रिया का बोझ मतदाताओं पर नहीं पड़ना चाहिए और सॉफ्टवेयर फर्जी मतदाताओं का असरदार तरीके से पता लगा सकता है, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि तकनीकी उपकरण मृत मतदाताओं की पहचान नहीं कर सकते।

ऋषिकेश में हाथी ने 12 साल के बालक को पटककर मार डाला

संवाददाता, ऋषिकेश

- थानो रेंज में हुई घटना, माता पिता ने भागकर बचाई जान

अमृत विचार : मंदिर की ओर जा रहे एक परिवार पर गुरुवार शाम गम का पहाड़ टूट पड़ा। अचानक सामने आए हाथी ने 12 साल के बालक को सूंड से उठाकर पटककर मार डाला जबकि माता-पिता ने किसी तरह भागकर जान बचाई।

उत्तराखंड में मानव-वन्यजीव संघर्ष का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जंगलों में बढ़ते मानव हस्तक्षेप का परिणाम यह है कि जंगली जानवर अब आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे हैं, जिससे मानव जीवन लगातार खतरे में है। इसी कड़ी में गुरुवार शाम ऋषिकेश के थानो वन रेंज में एक दिल दहला देने वाली घटना हुई, जहां हाथी के हमले में छठवीं कक्षा के छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शाम करीब 4:15 बजे की है। जौलीग्रांट के कोठारी मोहल्ला निवासी कमल थापा अपनी पत्नी नीलम और 12 वर्षीय पुत्र कुणाल थापा के साथ स्कूटी से कालू सिद्ध मंदिर की ओर जा रहे थे। मंदिर से कुछ दूर पहले ही थानो वन रेंज के जंगल में अचानक एक हाथी ने उनका रास्ता रोक लिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथी ने स्कूटी पर बैठे कुणाल को सूंड से पकड़कर नीचे खींच लिया और पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना इतनी अचानक हुई कि माता-पिता संभल भी नहीं पाए, हालांकि उन्होंने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। हाथी काफी देर तक वहीं खड़ा रहा।

हिम्मत जुटाकर कमल थापा ने आसपास लकड़ियां इकट्ठा कर आग जलाकर हाथी को किसी तरह भगाया और घायल बेटे को लेकर जौलीग्रांट अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने कुणाल को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत से माता-पिता सहित पूरे इलाके में शोक और आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय लोग वन विभाग से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी मामले में 10 राज्यों में ईडी के छापे

नई दिल्ली, एजेंसी

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों पर हैं रिश्वतखोरी के आरोप

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार को देश के कुछ मेडिकल कॉलेजों से जुड़े रिश्वतखोरी और नियामक ढांचे में हेरफेर के मामले में धनशोधन जांच के तहत दस राज्यों में एक साथ छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक जिन स्थानों पर छापे मारे गए हैं, उनमें मेडिकल कॉलेजों के सात परिसर और कुछ निजी लोगों के ठिकानें शामिल हैं। मामला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय समेत कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के आरोपों से संबंधित है।

ईडी की टीमों ने बृहस्पतिवार को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली में लगभग 15 स्थानों पर एक साथ छापे मारे और तलाशी लेना शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है। इसी मामले में सीबीआई ने 30 जून को प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसमें आरोप था कि मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण से संबंधित गोपनीय जानकारी मेडिकल कॉलेजों से संबंधित प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्तियों और बिचौलियों को देने के बदले में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के अधिकारियों सहित कई सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी। इससे उन्हें मापदंडों में हेरफेर करने और मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाने के लिए अनुमोदन प्राप्त करने में मदद मिली।

विंजो के दो संस्थापकों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने ऑनलाइन गेमिंग मंच विंजो की संस्थापक सौम्या सिंह राठौर और पावन नंदा को धनशोधन के आरोप में गिरफ्तार किया है। एजेंसी के जोनल कार्यालय में बुधवार को पूछताछ के बाद उन्हें बेंगलुरु में गिरफ्तार किया गया। उन्हें उसी रात बेंगलुरु की एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें एक दिन की हिरासत में भेज दिया गया। ईडी की ओर से सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया था कि कंपनी ने 43 करोड़ रुपये अपने पास रखे थे, जिसे आदर्श रूप से 'गेमर्स' को वापस किया जाना चाहिए था क्योंकि भारत ने हाल ही में वास्तविक धन वाले गेमिंग (आरएमजी) पर प्रतिबंध लगा दिया था।

असम में बहुविवाह पर प्रतिबंध का रास्ता साफ

गुवाहाटी, एजेंसी

- विधानसभा में पारित हुआ विधेयक, एसटी व छठी अनुसूची में आने वाले क्षेत्र दायरे में नहीं

असम विधानसभा ने बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक विधेयक बृहस्पतिवार को पारित किया, जिसके तहत इसे अपराध माना जाएगा और कुछ अपवादों को छोड़कर इसके लिए अधिकतम 10 वर्ष की कैद हो सकती है। विधेयक में अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी के लोगों और छठी अनुसूची के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है।

असम बहुविवाह निषेध विधेयक, 2025 के पारित किए जाने के दौरान मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह कानून धर्म से परे है और इस्लाम के खिलाफ नहीं है जैसा कि एक वर्ग द्वारा माना जा रहा है। शर्मा के पास गृह और राजनीतिक विभागों का भी प्रभार है। उन्होंने कहा, हिंदू भी बहुविवाह से मुक्त नहीं हैं। यह हमारी भी जिम्मेदारी है। इस विधेयक के दायरे में हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और सभी अन्य समाजों के लोग आएंगे। मुख्यमंत्री द्वारा सभी विपक्षी सदस्यों से अपने-अपने संशोधन वापस लेने का अनुरोध किया गया ताकि सदन में यह संदेश जाए कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया है। शर्मा के अनुरोध के बावजूद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने अपने संशोधन सुझाव आगे बढ़ाए, जिन्हें ध्वनि मत से खारिज कर दिया गया।

86,000 पर पहली बार सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

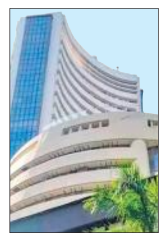

- निफ्टी भी पहली बार 26,300 के अंक तक पहुंचने में कामयाब
- आखिर में सेंसेक्स 85,720 और निफ्टी 26,215 पर हुआ बंद

आईटी, निजी बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। इस दौरान बीएसई के सेंसेक्स पहली बार 86,000 अंक के अपने शिखर तक पहुंचा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक पहली बार 26,300 अंक तक पहुंचने में कामयाब रहा।

बाजार की शुरुआत गुरुवार को बढ़त के साथ हुई और बीच कारोबार में एक समय सेंसेक्स 446 अंक उछलकर 86,055.86 अंक पर पहुंच गया था। अंत में यह 110.87 अंक की बढ़त में 85,720.38 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 सूचकांक भी बीच 105 अंक चढ़कर 26,310.45 अंक पर पहुंचा, लेकिन अंत में 10.25 अंक ऊपर 26,215.55 अंक पर बंद हुआ।

- दोनों सूचकांकों के लिए ये दूसरे सबसे ऊंचे बंद स्तर हैं। इससे पहले इनका ऐतिहासिक उच्चतम स्तर 24 सितंबर 2024 को दर्ज किया गया था।

सात सौ किलो दूषित पनीर किया नष्ट

हरिद्वार। यूपी-उत्तराखंड बॉर्डर पर मंगलौर पुलिस ने गुरुवार करीब 700 किलो दूषित पनीर बरामद कर उसे नष्ट कर दिया। पुलिस के अनुसार, यह पनीर देहरादून में विवाह-समारोहों के लिए सप्लाई किया जा रहा था। यह पनीर बिना नंबर प्लेट वाले वाहन में ले जाया जा रहा था।

परिवहन करने वालों के पास न तो कोई बिल मौजूद था और न ही फूड सेफ्टी सर्टिफिकेट। संदेह होने पर पुलिस ने वाहन को रोककर खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई प्राथमिक जांच में पनीर को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इसके बाद पुलिस और विभागीय टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए पूरे पनीर को स्वास्थ्य मानकों के तहत नष्ट कर दिया।

सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री धामी ने लोक सेवा आयोग से चयनित 178 अभ्यर्थियों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

सरकार ने दिए रोजगार-स्वरोजगार के व्यापक अवसर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, नई स्टार्टअप एवं उद्यमिता नीति, नई पर्यटन नीति, कृषि एवं फल उत्पादन तथा होम-स्टे जैसी योजनाओं के माध्यम से राज्य में रोजगार एवं स्वरोजगार के व्यापक अवसर सृजित हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में रिवर्स माइग्रेशन के आंकड़ों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

गुरुवार को मुख्य सेवक सदन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित अर्थ एवं संख्या, कृषि एवं उद्यान तथा महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के 178 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इनमें अर्थ एवं संख्या विभाग के 117, कृषि विभाग के 12, उद्यान विभाग के 30 तथा महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के 19 अभ्यर्थी शामिल हैं।

एक अधिकारी को नियुक्ति पत्र प्रदान करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

26500 से ज्यादा को सरकारी सेवा के अवसर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान 26500 से अधिक युवाओं को पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सरकारी सेवा में अवसर प्रदान किए गए हैं, जो राज्य के गठन के बाद पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। सरकार ने नकल माफियाओं पर कड़ा प्रहार करते हुए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है, जिससे भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, गति और विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है।

सीएम ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण, विश्वसनीय एवं समयबद्ध आंकड़े ही योजनाओं की प्रभावी रूपरेखा, क्रियान्वयन और मूल्यांकन का आधार हैं तथा अर्थ एवं संख्या विभाग राज्य में डेटा संग्रह एवं विश्लेषण का नोडल विभाग होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सहायक सांख्यिकी अधिकारी सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों के प्रभाव का आकलन कर तंत्र को तथ्यपरक फीडबैक उपलब्ध कराएं, ताकि आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कदम समय पर उठाए जा सकें।

स्टेट ब्रीफ

सीएससी सेंटर पर ताला जड़ा

देहरादून : डीएम सविन बंसल के निर्देश पर एसडीएम कुमकुम जोशी और तहसीलदार सदर सुरेंद्र देव की टीम ने गुरुवार को माजरा स्थित देवभूमि सीएससी सेंटर का औचक निरीक्षण किया। अनियमितता पाए जाने पर सेंटर को सील कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, निरीक्षण के दौरान सेंटर पर भारी अनियमिताएं पाई गई थी। निर्वाचन संबंधी दस्तावेज पाए गए लेकिन संचालक अब्दुल वसीम और आसिफ कोई जानकारी नहीं दे पाए। रेट लिस्ट नहीं पाई गई और न ही प्रमाण पत्रों की पंजिका का विवरण उपलब्ध था। जिला प्रशासन ने अग्रिम आदेशों तक केंद्र का संचालन बंद कर दिया है।

बैंकर्स समिति की बैठक में ऋण पोषण पर जोर

देहरादून : वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने गुरुवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 94वीं बैठक में बैंकों से राज्य में ऋण जमा अनुपात को 60 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर काम करने को कहा। साथ ही, स्वरोजगार संबंधित योजनाओं में लंबित ऋण आवेदनों को भी तेजी से निस्तारित करने के निर्देश दिए। बैठक में वित्त सचिव ने कहा कि जिन जिलों में ऋण जमा अनुपात कम है, वहां अग्रणी जिला प्रबंधक विशेष रणनीति के साथ प्रयास करें। खासकर पर्वतीय जिलों में होटल, पर्यटन, पावर प्रोजेक्ट्स की वित्तीय गतिविधियों को स्थानीय बैंकों से जोड़ने के प्रयास किए जाएं।

हिमालय की जीवंत ऊष्मा दर्शाती है कैसे तैयार हुआ एक 'पुष्कर': राज्यपाल सिंह

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने किया मुख्यमंत्री धामी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित दो पुस्तकों का विमोचन

मुख्य संवाददाता, देहरादून

पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी।

अमृत विचारः राज्यपाल गुरमीत सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित पुस्तकों 'पुष्कर धामीः हिमालय की जीवंत ऊष्मा' और 'पुष्कर धामीः द वाइब्रेंट हीट ऑफ द हिमालयस' पुस्तक का गुरुवार को राजभवन में विमोचन किया।

राज्यपाल ने पुस्तक की लेखिका संभावना पंत को साधुवाद देते हुए कहा कि बेटियां भगवान का स्वरूप होती हैं। उनके लेखन कला की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने अपने नाम संभावना के अनुरूप काम भी किया है। कहा कि किस तरह से इन पुस्तकों में लेखिका ने प्रशंसनीय काम किया है कि पहाड़ के संघर्षों से जूझता बालप न, दादा खेम सिंह के आदर्शों को आत्मसात करता हुआ एक युवक, माता की विनम्रता व शालीनता की शिक्षा और एक सैनिक पिता के दृढ़ता, कर्तव्य परायणता और अनुशासन में तपकर कैसे तैयार हुआ एक पुष्कर। राज्यपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में बड़े-बड़े ऐतिहासिक काम हुए हैं। उत्तराखंड राज्य आज प्रत्येक क्षेत्र में अग्रिम पंक्ति में खड़ा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विकसित भारत विजन के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में राज्य में विकास कार्यों के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। अपने कार्यों से मुख्यमंत्री ने प्रदर्शित किया है कि वे एक फ्रंटलाइन लीडर हैं। राज्य में बड़ी-बड़ी आपदाओं चाहे सिलक्यारा हो, जोशीमठ हो या धराली से थराली, सभी जगह उन्होंने सबसे पहले प्रभावित लोगों के बीच में पहुंचकर उनकी पीड़ा पर मरहम लगाने का काम किया। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई ऐतिहासिक और दृढ़ निर्णय लिए हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बड़े आयोजन सफलतापूर्वक संपादित हुए हैं। उनके अंदर अनुशासन भी है, विनम्रता भी और करुणा भी। लेखिका द्वारा लिखित यह पुस्तक उनके इन कीर्तियों का सम्मान करती है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने संबोधन में अपने बचपन के पगडंडियों और गाड़-गदेरों के अनुभवों को संक्षिप्त रूप में साझा किया। उन्होंने भावुक होकर अपनी माता जी के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि एक सैनिक की पत्नी होने के नाते किस तरह से उन्होंने पहाड़ के जीवन को जिया। कहा कि मैंने जीवन में यह कभी नहीं सोचा था कि मैं कुछ बड़ा बनूंगा, लेकिन मेरे जीवन में ये जीवन्त ऊष्मा जरूर थी कि मैं समाज के लिए कुछ अच्छा करूंगा। इस अवसर पर आचार्य प्रमोद कृष्णम, स्वामी चिदानंद सरस्वती, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी विशेष रूप से मौजूद रहे।

- सीएम धामी ने कहा-मेरे जीवन में यह जीवंत ऊष्मा जरूर थी कि मैं कुछ करूंगा

लेखिका ने बताया पुस्तक का सार

पुस्तक की लेखिका संभावना पंत ने पुस्तक के सार को संक्षिप्त रूप में व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुस्तक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के व्यक्तिगत गुणों, उनके आचरण और दूरदर्शी सोच को प्रतिबिंबित करती है। इस पुस्तक में मुख्यमंत्री के दादा, पिता और माता के उन संघर्षों को भी बयां किया गया है जिनके सानिध्य में पुष्कर सिंह धामी पले-बढ़े। पुस्तक में मुख्यमंत्री के युवा अवस्था से लेकर राज्य के मुख्य सेवक के शीर्ष पद तक पहुंचने की गाथा भी है तथा उनकी नेतृत्वशीलता, दृढ़ता, विनम्रता और कर्मठता का भी समावेश है।

हाईकोर्ट बार एसो. चुनाव कराने के लिए नियुक्त सीआरओ पूर्व सचिव कुर्बान अली।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के जल्द होंगे चुनाव

विधि संवाददाता, नैनीताल

- आम सभा में कुर्बान अली बनाए गए सीआरओ

अमृत विचारः उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की गुरुवार को उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में आहूत आम सभा में जल्द चुनाव कराने का फैसला लेने के साथ ही पूर्व सचिव कुर्बान अली को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीआरओ) नियुक्त किया गया।

आम सभा में वक्ताओं ने कहा कि, उत्तराखंड बार काउंसिल द्वारा समस्त बार एसोसिएशनों को पत्र जारी कर आदेशित किया गया है कि बार काउंसिल के चुनाव सम्पन्न होने तक राज्य की समस्त बार एसोसिएशन के चुनाव सम्पन्न न कराए जाएं। इसके अलावा, बार एसोसिएशन चुनाव की अधिसूचना जारी न करने के विरोध में उत्तराखंड हाईकोर्ट बार एसोसिएशन सभागार में यह आम सभा बुलाई गई। आम सभा में हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं ने उत्तराखंड बार काउंसिल अध्यक्ष के बार एसोसिएशन के चुनाव न कराए जाने का विरोध करते हुए बार एसोसिएशन चुनाव के लिए सीआरओ नियुक्त करते हुए जल्द चुनाव कराने का फैसला लिया है। सीआरओ कुर्बान अली ने कहा कि, जल्द ही हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव की तिथियां घोषित कर दी जाएंगी।

अल्मोड़ा विस्फोटक मामले में पार्टनर धरा

संवाददाता, अल्मोड़ा

- स्कूल के पास झाड़ियों से मिली थी जिलेटिन की 161 छड़ें

अमृत विचारः अल्मोड़ा पुलिस ने जिलेटिन छड़ों के मामले में गुरुवार को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी देवेन्द्र पींचा के अनुसार आरोपी ललित सिंह पाटनी उर्फ लवी निवासी पाटी, चम्पावत को भिकियासैंण से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने बताया कि उसने और उसके पार्टनर प्रशांत कुमार बिष्ट ने वर्ष 2016-17 में सल्ट क्षेत्र में सड़क निर्माण का कार्य किया। पहाड़ी को काटने के लिए उसने ठेकेदारी का कार्य करने वाले अपने पिता दीवान सिंह से जिलेटिन की छड़ें प्राप्त की थी। उसने आगे बताया कि उसके पिता का निधन हो गया है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है। बता दें कि अल्मोड़ा के सल्ट तहसील के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डबरा के पास झाड़ियों से 20 नवम्बर को 161 जिलेटिन की छड़ें बरामद हुई थीं। विद्यालय के छात्रों ने इसकी सूचना विद्यालय के प्रधानाचार्य को दी थी, जिसके बाद सल्ट पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विगत 25 नवम्बर को पुलिस ने इस मामले में आरोपी ठेकेदार प्रशांत कुमार बिष्ट निवासी गरसारी थाना पाटी, चम्पावत को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी सड़क निर्माण के दौरान सल्ट क्षेत्र में किराये पर रहते थे। इसी बीच आरोपी चले गये और कमरे में रखी छड़ों को मकान मालिक ने कमरे की सफाई करते वक्त मजदूरों से अनजाने में स्कूल के पास झाड़ियों में फिंकवा दी थी।

खेल विभाग पदक विजेताओं के लिए भेजेगा विशेष प्रस्ताव

- खेल मंत्री रेखा आर्या ने विभागीय समीक्षा बैठक में कई निर्देश दिए

मुख्य संवाददाता, देहरादून

कांस्य पदक जीतने वालीं प्रज्ञा जोशी का उत्साह बढ़ातीं खेल मंत्री रेखा आर्या।

अमृत विचारः खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि, खेल विभाग अब पदक विजेताओं को आउट ऑफ टर्न जॉब देने के लिए यह प्रस्ताव शासन को भेजेगा कि सारे अधिसंख्य पद खेल विभाग में ही सृजित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि खेल विभाग में ही अधिसंख्य पद सृजित करते हुए हम अपने खिलाड़ी को विभाग में ही सेवारत करेंगे ताकि वह भविष्य में कंपटीशन के लिए जा सके तथा भविष्य में वह खिलाड़ी कोच के रूप में भी कार्य कर सके।

गुरुवार को खेल विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने कहा कि खेल विवि के लिए भूमि हस्तांतरण करने के संबंध में सैद्धांतिक सहमति बन गयी है। जल्द ही भूमि हस्तांतरण की कार्यवाही पूरी हो जाएगी।

खेल मंत्री ने कहा कि, हमारा लक्ष्य साल 2026 के शैक्षणिक सत्र से पहले खेल विवि का भूमि पूजन करना है। कहा कि, चंपावत में महिला स्पोर्ट्स कॉलेज का कार्य प्रगति पर है। खेल मंत्री ने आबकारी विभाग से एक रुपया प्रति बोतल अतिरिक्त शुल्क के रूप में मिलने वाली धनराशि स्पोर्ट्स डिवलेपमेन्ट हेड में न मिलने पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि गम्भीरता के साथ उन सभी कारणों का जल्द से जल्द निष्तारण किया जाए।

कांस्य विजेता प्रज्ञा को किया सम्मानित

देहरादून : विश्व सीनियर जुजित्सु चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता प्रज्ञा जोशी को खेल मंत्री रेखा आर्य ने सम्मानित करते हुए इस उपलब्धि को राज्य के लिए गौरव बताया। कहा कि उत्तराखंड की बेटी ने विश्व के इतने बड़े प्लेटफार्म पर पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है इसलिए प्रज्ञा को खेल विभाग द्वारा पूरा सम्मान एवं सहयोग दिया जाएगा। कांस्य पदक विजेता प्रज्ञा ने कहा कि प्रतियोगिता से खेल मंत्री ने उनको आशीर्वाद देकर रवाना किया था, जिससे वह काफ़ी प्रफुल्लित थीं जिस कारण उन्होंने पदक जीतने के लिए अपना बेस्ट दिया और वह देश के लिए पदक जीत सकीं। उन्होंने इस सम्मान के लिए खेल मंत्री का आभार जताया। इस दौरान प्रज्ञा के साथ जुजित्सु एसो. ऑफ इंडिया के निदेशक प्रशासन एवं प्रज्ञा के चीफ कोच सतीश जोशी, क्रीड़ा भारती के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व राज्य मंत्री अरुण कुमार सूद, उप निदेशक खेल संजीव पौरी, राष्ट्रीय रेफरी दीपक नौटियाल भी मौजूद रहे।

डंपर की चपेट में आने से दो भाइयों की मौत

संवाददाता, हरिद्वार

- पासपोर्ट संबंधी कार्य के लिए निकले थे घर से

अमृत विचारः कनखल थाना क्षेत्र के लक्सर-हरिद्वार रोड पर गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार दो सहोदर भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मृतकों की पहचान कटारपुर निवासी 21 वर्षीय साकिब और 19 वर्षीय वासिक के रूप में की है। दोनों पासपोर्ट संबंधी कार्य के लिए घर से निकले थे।

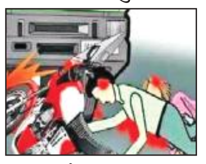

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जियापोता गांव के पास उनकी मोटरसाइकिल सामने से आ रही दूसरी मोटरसाइकिल से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गये। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक डंपर ने दोनों को कुचल दिया। दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने पर कनखल पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। एसएसआई सतेंद्र भंडारी ने बताया कि फरार आरोपी चालक की तलाश की जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। अचानक हुए इस हादसे से मृतकों के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिवारजन का कहना है कि दोनों सहोदर भाई पासपोर्ट संबंधी कार्य के लिए घर से निकले। दोनों की मौत ने सभी को गहरा सदमा पहुंचाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आदि कैलाश व ओम पर्वत यात्रा 1 दिसंबर से बंद

संवाददाता, पिथौरागढ़

- तापमान में आयी भारी गिरावट और बर्फबारी बनी कारण

अमृत विचारः चीन सीमा से सटे उच्च हिमालयी क्षेत्र में तापमान में आयी भारी गिरावट और बर्फबारी के चलते पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने प्रसिद्ध आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा मार्ग को पर्यटकों के लिये बंद करने का निर्णय लिया है।

धारचूला के उप जिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा की ओर से गुरुवार को जारी आदेश में कहा गया है कि उनके संज्ञान में आया है कि आदि कैलाश क्षेत्र में तापमान गिरने के कारण पार्वती ताल में बर्फ जमना प्रारंभ हो गया है।

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से भी अपनी रिपोर्ट में कहा गया है कि आदि कैलाश और ओम पर्वत मार्ग यात्रा के लिये सुगम नहीं है। उच्च हिमालयी क्षेत्र में रह रहे ग्रामीणों ने निचले क्षेत्रों के लिये प्रवास (माइग्रेशन) करना शुरू कर दिया है।

वर्मा ने आगे कहा है कि इसलिए उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए आगामी एक दिसंबर से आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा दर्शन को तत्काल प्रभाव से बंद करने का निर्णय लिया जाता है। उन्होंने एक दिसंबर से पर्यटकों के लिये इनर लाइन परमिट जारी नहीं करने के निर्देश दिये हैं। कहा कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश में यह भी कहा गया है कि पिछले साल इस यात्रा मार्ग को 15 नवम्बर, 2024 को बंद कर दिया गया था।

विश्व आपदा प्रबंधन शिखर सम्मेलन आज से

मुख्य संवाददाता, देहरादून

प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते यूकास्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत।

अमृत विचारः राजधानी देहरादून में शुक्रवार से 30 नवंबर तक यूकॉस्ट द्वारा ग्राफिक एरा विवि में विश्व आपदा प्रबंधन शिखर सम्मेलन और 20 वां उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है।

गुरुवार को पत्रकार वार्ता में यूकास्ट के महानिदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने बताया कि यह आयोजन हिमालय क्षेत्र की पारिस्थितिकी, संवेदनशीलता को देखते हुए वैश्विक विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, वैज्ञानिक संस्थाओं, आपदा प्रतिक्रिया एजेंसियों को एक मंच पर लाने के उद्देश्य से किया जा रहा है, और इसमें भारत के वैज्ञानिक और आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अध्यक्ष होंगे, जिनके नेतृत्व में राज्य में आपदा प्रबंधन की तैयारी, जलवायु परिवर्तन व समुदाय आधारित वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा दिया जाएगा जबकि उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह होंगे।

30 नवंबर को सम्मेलन के समापन सत्र के मुख्य अतिथि राज्यपाल गुरमीत सिंह होंगे। सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों की भी शुरुआत होगी, जिनमें प्रमुख रूप से उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा प्रसार सम्मान, भागीरथ पुरस्कार और उत्तराखंड युवा महिला वैज्ञानिक पुरस्कार शामिल हैं। उत्तराखंड के प्रथम राज्य स्तरीय साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रीमियर लीग 2025 भी इस अवसर पर आयोजित होगी, जिसका उद्देश्य विज्ञान जागरूकता, जलवायु साक्षरता, आपदा की तैयारी को राज्य के हर गांव तक पहुंचाना है। इसमें राज्य के सभी 13 जिलों से टीमें वैज्ञानिक क्विज, आपदा प्रतिक्रिया चुनौतियों और जलवायु समस्या समाधान प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि, सम्मेलन का मुख्य विषय समुदायों के निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने पर आधारित रहेगा।

रोमांच

नैनीताल की ऊंची चोटियों पर अभी भी अपार संभावनाएं एडवेंचर टूरिज्म की

खूब फलफूल रहा सरोवर नगरी का एडवेंचर टूरिज्म

संवाददाता, नैनीताल

जिप लाइनिंग का आनंद लेते पर्यटक (फाइल)

अमृत विचारः सरोवर नगरी में एडवेंचर टूरिज्म का पर्यटन फलफूल रहा है जिसके चलते इस पर्यटन का आनंद उठाने के लिए सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचने लगे हैं। विशाल झूले, ज़िप लाइनिंग, गो कार्टिंग व 360 डिग्री जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद होने के बावजूद इसके विस्तार की अपार संभावनाएं हैं।

नगर में एडवेंचर पर्यटन का इतिहास करीब दो दशक पुराना है जिनमें केव गार्डन, माउंटेन मैजिक एडवेंचर पार्क, माउंटेन मैजिक व रॉक क्लाइमिंग की सुविधाएं मौजूद हैं। माउंटेन मैजिक नगर से छह किमी की दूरी पर चारखेत में स्थित है, जबकि माउंटेन मैजिक एडवेंचर पार्क स्नोव्यू में स्थित है। केव गार्डन सूखाताल में है तो बारा पत्थर में रॉक क्लाइमिंग करवाई जाती है। एडवेंचर पार्कों में गगनचुंबी झूले, ज़िप-लाइनिंग और गो-कार्टिंग समेत बच्चों के लिए कई अन्य गतिविधिया की जाती हैं जिन्हें लेकर देश के विभिन्न राज्यों से एडवेंचर के शौकीन सैलानी हजारों की संख्या में प्रति वर्ष पहुंचने लगे हैं। स्नोव्यू स्थित करीब 100 मीटर की ऊंचाई से 360 डिग्री का अलग आकर्षण है। यह सुविधा देश के कुछ ही हिस्सों में उपलब्ध है।

अच्छी संख्या में पहुंचने लगे हैं एडवेंचर के शौकीन

नैनीताल : एडवेंचर टूरिज्म के विशेषज्ञ अश्विन चौधरी कहते हैं कि इसमें दो राय नहीं कि एडवेंचर टूरिज्म का लुत्फ उठाने के लिए बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचने लगे है। इस पर्यटन के जरिए नगर के पर्यटन का विस्तार भी हुआ है। मगर इसके बावजूद एजेंचर की संभावनाएं बनी हुई हैं। इसके लिए पर्यटन विभाग को पहल करनी होगी।

एडवेंचर की तमाम सुविधाओं के मौजूद होने के बावजूद एडवेंचर विशेषज्ञों का कहना है कि इस हिल स्टेशन में अभी भी एडवेंचर टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं क्योंकि यहां की सबसे ऊंची चोटी नयनापीक में ट्रैकिंग के साथ जिप लाइनिंग और पैराग्लाइडिंग जैसे एडवेंचर की संभावनाएं हैं। इसके लिए शासन व प्रशासन स्तर पर पहल की जरूरत है। इसके अलावा कैमल बैक की पहाड़ी में लंबी दूरी वाली जिप लाइनिंग की संभावनाएं बनती हैं। टिफिन टॉप की पहाड़ी भी एडवेंचर की संभावनाएं हैं। नगर की ऊंची चोटियों पर एडवेंचर की गतिविधि के लिए विशेषज्ञों की जरूरत है। पर्यटन विभाग की इच्छाशक्ति से नगर के एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ाया जा सकता है।

रेलवे टनल ब्लास्टिंग से मकानों में फिर दरारें, विस्थापन की मांग

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन के निर्माण में हो रहे विस्फोट का असर एक बार फिर बल्दियाखान गांव में दिख रहा है। गांव के कई मकानों में फिर से दरारें उभर आई हैं।

इस सम्बन्ध में गुरुवार को ग्रामीण और प्रशासन के बीच चर्चा हुई। ग्रामीणों का कहना है कि विस्फोट (ब्लास्टिंग) से उनके घरों को दोबारा नुकसान हो रहा है। एक तरफ मकान कमजोर होते जा रहे हैं और दूसरी तरफ टनल के ऊपर बने मकानों के धंसने का भय सता रहा है। उल्लेखनीय है कि करीब 3-4 साल पहले भी टनल निर्माण के दौरान मकानों पर दरारें पड़ी थीं। उस समय ग्रामीणों ने तीन सूत्रीय मांगों के साथ आंदोलन किया था। उनकी मुख्य मांग विस्थापन थी। कई दौर की वार्ताओं के बाद रेलवे और स्थानीय प्रशासन ने ग्रामीणों को मरम्मत के लिए धनराशि दी थी। ग्रामीणों ने अपने सामने मकानों की मरम्मत करवाई थी, लेकिन दो-ढाई साल बाद दरारें फिर बढ़ने लगीं। ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल मरम्मत से समस्या हल नहीं होगी इसलिए वे लगातार विस्थापन की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने 25 नवंबर से गूलर में रेलवे टनल के मुहाने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन करने की चेतावनी दी थी। ग्रामीणों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम आशीष घिल्डियाल ने ग्रामीणों को बातचीत के लिए बुलाया। सामाजिक कार्यकर्ता विमला रयाल के नेतृत्व में ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल एसडीएम से मिला। ग्रामीणों ने कहा कि मरम्मत के बाद भी मकानों में गहरी दरारें आ रही हैं। भविष्य में जब टनल से ट्रेनें गुज़रेंगी तो कंपन बढ़ेगा और मकान और ज्यादा प्रभावित होंगे इसलिए विस्थापन ही सुरक्षित विकल्प है। एसडीएम ने आश्वासन दिया कि 10 दिन में गांव में जियोलॉजी विभाग, लोक निर्माण विभाग, राजस्व विभाग और रेलवे विकास निगम का संयुक्त सर्वे कराया जाएगा।

उत्तराखंड में भी बड़ी संख्या में घुसपैठिये मौजूद: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री धामी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा-सरकार चला रही है अभियान, नैनीताल में सुबह की सैर पर लोगों से लिया फीडबैक

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कहा कि उत्तराखंड में भी घुसपैठियों की बड़ी संख्या मौजूद है और उनकी सरकार घुसपैठियों की पहचान के लिए बड़े स्तर पर अभियान चला रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने यह बात गुरुवार को अपने नैनीताल दौरे में पत्रकारों से बातचीत में कही। मुख्यमंत्री बुधवार शाम को दो दिवसीय दौरे पर नैनीताल पहुंचे थे। गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री सरोवर नगरी की सैर पर निकले। उन्होंने लोगों से मुलाकात की और फीडबैक भी लिया। इस दौरान उन्होंने बिहार चुनाव को अप्रत्याशित बताते हुए कहा कि जहां-जहां भी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बन रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लंबे समय से तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति करते आए हैं और चुनाव के लिए झूठी कहानी गढ़ रहे हैं। जनता विपक्षी दलों की इस राजनीति को समझ चुकी है और विकास के मॉडल पर अपनी मुहर लगा रही है। मुख्यमंत्री ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर अपनी सहमति देते हुए कहा कि उत्तराखंड में भी घुसपैठियों की बड़ी संख्या मौजूद है और यहां की डेमोग्राफी के लिए खतरा बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने आधार कार्ड, वोटर कार्ड के साथ ही अन्य दस्तावेज भी बना लिए हैं। कहा कि घुसपैठियों की पहचान के लिए उनकी सरकार बड़े स्तर पर अभियान चला रही है। पिछले कई साल के रिकॉर्ड को खंगाला जा रहा है और जांच कर इनकी पहचान की जा रही है। कहा कि सभी जिलों में जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। प्रदेश सरकार गंभीर है और यही कारण है कि अभी तक 10 हजार एकड़ भूमि भी अतिक्रमणकारियों से खाली करवायी जा चुकी है। यह अभियान

नैनीताल में सब्जी मंडी में चाय पीते सीएम पुष्कर धामी, साथ में जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, मनोज जोशी व अन्य। ● अमृत विचार

सीएम धामी को ज्ञापन सौंपते ग्रामीण, साथ में मौजूद विधायक सरिता आर्या। ● अमृत विचार

जनता अब काम करने वालों को देती है मौका

नैनीताल: बिहार चुनाव के दौरान उठे 'वोट चोरी' विवाद पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आज देश की जनता केवल उन सरकारों को चुन रही है जो धरातल पर काम करती हैं। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में काम करने की संस्कृति बदली है। डबल इंजन की सरकार आज विकास और सुशासन का सफल मॉडल है। बिहार और हरियाणा के चुनाव परिणाम इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो दल नकारात्मक राजनीति, भ्रम फैलाने और समाज को बांटने का काम कर रहे थे, जनता ने उन्हें स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया है। अवैध घुसपैठ और वोट बैंक की राजनीति पर बोलते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि देश और राज्यों में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाभ लेने वालों की संख्या बढ़ना गंभीर चुनौती है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, निवास प्रमाणपत्र, वोटर आईडी आदि बनवा लिए। ऐसे सभी मामलों की पहचान के लिए राज्य में व्यापक वेरिफिकेशन ड्राइव चल रही है। जो गलत मिल रहे हैं, उनके प्रमाण पत्र निरस्त किए जा रहे हैं। साथ ही, आरोपियों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो रही है। सीएम ने इस दौरान कहा कि राज्य की डेमोग्राफी से छेड़छाड़ करना और सरकारी योजनाओं का गलत लाभ उठाना देवभूमि उत्तराखंड की शांति और पहचान के लिए खतरा है। राज्य सरकार इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं करेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने फड़ पर चाय बनाई, खुद पी और साथ में लोगों को भी पिलाई

नैनीताल: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार सुबह की सैर पर सब्जी मंडी पहुंचे और वहां लोगों से मुलाकात की। इसके बाद मुख्यमंत्री शहर की माल रोड की तरफ पहुंचे और वहां पर्यटकों के साथ बातचीत कर उनका हाल-चाल जाना। वहीं चाय की दुकान पर पहुंचकर चाय बनाई और खुद पीने के साथ ही साथ मौजूद लोगों को भी पिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में वर्ष भर देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'विरासत और विकास' के मंत्र को आधार बनाते हुए प्रदेश में धार्मिक सर्किटों का विस्तार किया जा रहा है। उत्तराखंड में वर्षभर देश और दुनिया के श्रद्धालु पर्यटक भक्त आते हैं। सरकार द्वारा केदारखंड और मानसखंड दोनों स्थानों पर स्थित सभी धार्मिक स्थलों का सौंदर्यीकरण और नव निर्माण का कार्य किया जा रहा है। सीएम ने अधिकारियों से विकास कार्यों व भूस्खलन सुरक्षा कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, डीएम ललित मोहन रयाल, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, मुख्य स्थी अधिवक्ता चंद्रशेखर रावत, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, नितिन कार्की, दया किशन पोखरिया, हरीश राणा आदि मौजूद रहे।

समस्याओं के निस्तारण के लिए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

नैनीताल: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को प्रशासनिक अकादमी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनकर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। सौड़ से आए ग्रामीणों ने पंगोट-देचौड़ी सड़क के स्वीकृत होने पर सीएम का आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से वे इस मार्ग के निर्माण की मांग कर रहे थे, जो अब पूरी हो गई है। सड़क निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। ग्रामीणों ने राजकीय इंटर कॉलेज सौड़ में शिक्षकों की तैनाती और भवन निर्माण का मुद्दा भी मुख्यमंत्री के सामने उठाया। इस पर मुख्यमंत्री धामी ने जिलाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक सरिता आर्या, आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी कुमाऊं रिद्धिमा अग्रवाल मौजूद रहीं।

सीएम से नियमितीकरण की मांग की, ज्ञापन दिया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन प्रेषित कर राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग की। साथ ही कुमाऊं विश्वविद्यालय के संविदा शिक्षकों का वेतन 57700 प्रतिमाह करने और शिक्षकों को 10 वर्ष प्रोफेसर पूर्ण करने पर चयन वेतनमान देने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया है कि राज्य के विभिन्न विभागों शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत, प्रशासन और विकास में बड़ी संख्या में संविदा और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी वर्षों से कार्यरत हैं। इनमें से अनेक कर्मचारी 2025 तक 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके हैं, लेकिन अभी तक उन्हें नियमितीकरण का लाभ नहीं मिला है। कूटा और यूटा ने सरकार से मांग की है कि नियमितीकरण की कट-ऑफ तिथि 2025 निर्धारित की जाए और 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके सभी पात्र कर्मचारियों को इसका लाभ दिया जाए।

उन्होंने कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत के तहत संविदा और नियमित कर्मचारियों में भेदभाव नहीं होना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि पूर्व में भी 10 वर्ष की सेवा पूर्ण करने वाले कर्मचारियों को नियमित किया गया था, सरकार को इस बार भी यही कदम उठाना चाहिए। कूटा ने स्पष्ट किया कि यह निर्णय न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि राज्य की प्रगति को भी गति देगा।

सिटी ब्रीफ

सड़क किनारे पड़ा मिला युवक, अस्पताल पहुंचने तक मौत

हल्द्वानी : लगभग भोर में लोगों को एक युवक बरेली रोड हाईवे किनारे पड़ा मिला। उसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक, गुरुवार की रात 3 से सुबह 4 बजे के बीच लोगों ने युवक को सड़क किनारे पड़े देखा। आनन-फानन में लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। फौरन एंबुलेंस युवक को लेकर डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय पहुंची। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृत युवक की उम्र 30 साल के करीब बताई जा रही है और पहनावे से युवक किसी सभ्रांत परिवार का नजर आता है। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि शव की अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

लाइन मेंटेनेंस के लिए दिनभर ठप रही बिजली

हल्द्वानी : लाइन मेंटेनेंस कार्यों के चलते गुरुवार को यूपीसीएल ने टीपी नगर बिजलीघर से पूरे दिन बिजली आपूर्ति बंद रखी। सुबह से ही सप्लाई ठप होने के कारण क्षेत्र के लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ट्यूबवेल बंद रहने के कारण कई इलाकों में पेयजल संकट भी गहराया। कई परिवारों ने टैंकरों के सहारे पानी की व्यवस्था की, जबकि दुकानदारों और छोटे व्यापारियों को भी नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्र के ईई एसके गुप्ता ने बताया कि लाइन मेंटेनेंस का काम आवश्यक था, जिसके चलते सुबह से आपूर्ति बाधित रखी गई। उन्होंने कहा कि निर्धारित कार्य पूरा होते ही बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई।

पार्किंग को लेकर झगड़ा

हल्द्वानी : मेन बाजार में पार्किंग को लेकर दो बाइक सवार युवक आपस में भिड़ गए। दोनों में गाली-गलौज हुई और बात मारपीट तक पहुंच गई। बाद में लोग इकट्ठा हो गए तो उन्होंने किसी तरह से समझाबुझाकर मामला शांत कराया। बाजार में वाहनों की पार्किंग सड़क पर होने से आए दिन विवाद होते हैं।

बेस अस्पताल के 'बीमार' आईसीयू का इलाज शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बेस अस्पताल में नौ बेड का आईसीयू अब जल्द ही शुरू हो सकता है। चार साल से आईसीयू बंद है।

बेस अस्पताल में कोविड-19 महामारी के समय बनाया गया नौ बेड का आईसीयू बंद ही चल रहा है। इस वजह से बेस अस्पताल में गंभीर मरीजों को भर्ती नहीं किया जाता है, उन्हें एसटीएच रेफर करना पड़ता है। यहां पहले से ही मरीजों का भार है और बेस अस्पताल से रेफर किये जा रहे मरीजों की वजह से वहां भार बढ़ रहा है।

बीतेमंगलवार को हल्द्वानी पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को पत्रकारों को बताया था कि आईसीयू अभी भी बंद पड़ा है। इस पर उन्होंने सीएमओ डॉ. हरीश चंद्र पंत को 10 दिनों में आईसीयू शुरू करने के निर्देश दिए। मंगलवार की देर रात स्वयं स्वास्थ्य मंत्री ने बेस अस्पताल में जाकर आईसीयू का निरीक्षण भी किया था। इधर अब स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से हरकत में आ गया है।

सीएमओ डॉ. पंत ने बताया कि आईसीयू के लिए जरूरी स्टाफ की व्यवस्था की जा रही है। डॉक्टरों की भी तैनाती की जाएगी। नर्सिंग स्टाफ को भी देखा जा रहा है। स्टाफ की सूची बनाई जा रही है। चार साल से आईसीयू बंद पड़ा है, इसलिए मशीनों को चलाकर दुरुस्त किया जा रहा है। सभी काम तेजी से हो रहे हैं, जल्द ही आईसीयू का संचालन शुरू हो जाएगा।

किसान ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

हल्द्वानी, अमृत विचार : कोटाबाग के नौदा गांव में रहने वाले 59 वर्षीय किसान ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। आनन फानन में किसान को परिजन एसटीएच लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, गुरुवार की सुबह साढ़े आठ बजे नंदलाल घर में अपने कमरे से बाहर नहीं आए। जब परिवार के अन्य लोग उनके कमरे में गए तो वह बेसुध हालत में पड़े थे। जिसके बाद नंदलाल को परिवार वालों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि किस वजह से जहरीला पदार्थ खाकर जान दी, इसकी जांच की जा रही है।

होमगार्ड के खाते पर क्रिमिनल ने ले लिया लोन

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : साइबर क्रिमिनल ने अब की बार एक होमगार्ड को निशाना बनाया। हल्द्वानी कोतवाली में तैनात होमगार्ड को भनक तक नहीं लगी और उसके बैंक खाते का इस्तेमाल कर क्रिमिनल ने लोन ले लिया और लोन की रकम दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दी। हद तो यह है कि क्रिमिनल ने होमगार्ड की एफडी तोड़कर यह रुपया भी हड़प लिया। कोर्ट ने हल्द्वानी कोतवाली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं।

होमगार्ड सुरेंद्र सिंह ने न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को दिए प्रार्थना पत्र में लिखा, उनका खाता दुर्गा सिटी सेंटर स्थित एचडीएफसी बैंक में है। बीती 16 अक्टूबर को एटीएम से रुपए निकालने पहुंचे, लेकिन रुपए नहीं निकले। इस पर वह बैंक पहुंचे और बैंक कर्मी रेखा जलाल ने उन्हें नया एटीएम कार्ड दिया। उन्होंने अपना बैंक खाता चेक कराया तो पता लगा कि 16 अक्टूबर को ही उनके खाते से 245181 रुपए का एक पर्सनल लोन लिया गया है। जिसके बाद खाते से कुल 4.90 लाख रुपए दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। इतना ही नहीं, जालसाजी करने वाले ने सुरेंद्र सिंह की एडी और आरडी भी तोड़ दी, जिसमें 3.11 लाख रुपए थे। बैंक वालों ने सुरेंद्र को बताया कि वह इसमें कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि सब इंटरनेट बैंकिंग के जरिए किया गया है। जबकि इंटरनेट बैंकिंग शुरू करने के लिए सुरेंद्र ने कभी बैंक में आवेदन नहीं किया। कुल मिलाकर सुरेंद्र को 801110 रुपए को जालसाज ने चूना लगा दिया। पूरे मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मीनाक्षी शर्मा ने पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए हैं। कोतवाल अमरचंद्र शर्मा का कहना है कि कोर्ट का आदेश मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

नहीं हुई सुनवाई, अपने ही लोग टहलाते रहे

सुरेंद्र को जब फ्रॉड का पता लगा तो उन्होंने सबसे पहले बैंक प्रबंधक से शिकायत की। 16 अक्टूबर को हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर दी। अगले दिन एसएसपी को शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद राष्ट्रीय साइबर अपराद रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। बावजूद इसके, सुरेंद्र की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। जिसके बाद सुरेंद्र ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

ग्राहकों की शिकायतों का किया समाधान

हल्द्वानी, अमृत विचार : बिजली विभाग ने गुरुवार को कालाढूंगी चौराहा कार्यालय में स्मार्ट मीटर से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए विद्युत सेवा शिविर लगाया। शिविर में उपभोक्ताओं की शंकाओं को दूर करने के साथ ही कई समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। कई उपभोक्ताओं ने शिकायत की कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली का बिल बढ़ रहा है। मौके पर ही पूर्व बिलों और वर्तमान रीडिंग का मिलान किया। शहरी क्षेत्र के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा और जागरूकता को ध्यान में रखते हुए ऐसे शिविर आगे भी विभिन्न क्षेत्रों में लगाए जाएंगे।

सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी करेंगे दूर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: चिकित्सा शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. अजय आर्या ने गुरुवार को डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने ओपीडी, वार्ड, रेडियोलॉजी विभाग, डायलिसिस यूनिट, टीएमटी लैब, मेडिसिन आईसीयू, ट्रॉमा आईसीयू व आपातकालीन विभाग का निरीक्षण किया और मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता की जानकारी ली। डॉ. आर्या ने कहा कि मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना विभाग की प्राथमिकता है। उपकरणों की कमी है, उन्हें भी जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। स्पेशलिस्ट एवं सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए प्रयास जारी हैं, जिससे जल्द ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी। निरीक्षण के समय एमएस डॉ. अरुण जोशी, नर्सिंग सुपरिटेंडेंट जीबीमौलटी मैथ्यू, डॉ. ईला चौधरी आदि रहे।

एसटीएच में वार्डों का निरीक्षण करते चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. अजय आर्या।

जलाएं अलाव, रैन बसेरों में हो व्यवस्था

हल्द्वानी, अमृत विचार: सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बढ़ रही ठंड को देखते हुए रैन बसेरों में आवश्यक सुविधाओं के साथ ही अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी जिलाधिकारियों से कहा कि रैन बसेरों में सभी उचित व्यवस्थाएं की जाएं तथा जरूरतमंदों को ठंड से बचाव को कंबल मिल सकें। हर जिले में टीमों को सक्रिय रखते हुए शहरों, कस्बों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर प्रभावी निगरानी की जाए ताकि असहाय एवं बेघर लोगों को समय पर रहना मुहैया कराई जा सके। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों के साथ ही कस्बों में भी सायंकाल में ठंड अधिक होने पर नियमित रूप से अलाव जलाने के साथ ही नियमित उनकी मॉनिटरिंग के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन से आवश्यक सामग्री की उपलब्धता, वितरण और निगरानी की दैनिक रिपोर्ट उपलब्ध कराने को भी कहा है। तभी सर्दियों में कमजोर वर्ग को राहत मिलेगी।

उपहार

दूल्हे के चाचा ने वर- वधू को दिया चापर में उड़ने का सरप्राइज

हेलीकॉप्टर से पिया के साथ ससुराल के लिए उड़ी दुल्हन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट लैंड स्केप इस बार फिर सुर्खियों में है। इस बार जंगल सफारी या टाइगर दर्शन नहीं, बल्कि विवाह के बाद दुल्हन की विदाई अनोखी तरीके से होना चर्चा का विषय है। रामनगर स्थित एक लग्जरी रिसॉर्ट में विवाह समारोह संपन्न होने के बाद दुल्हन की विदाई चॉपर (हेलीकॉप्टर) से की गई। जो कि कॉर्बेट लैंडस्केप में अपनी तरह का पहला और बेहद खास आयोजन माना जा रहा है।

बता दें कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के आसपास का इलाका लंबे समय से वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में तेजी से उभर रहा है। गर्जिया, ढिकुली, मोहान, छोई, पाटकोट, क्यारी, ढेला, सांवल्दे, पीरूमदारा आदि जैसे क्षेत्रों में 300 से अधिक रिसॉर्ट मौजूद हैं। जिनमें इस समय लगातार शादियां हो रही हैं। भव्य सेटअप, प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और पहाड़ों की पृष्ठभूमि में विवाह आयोजन वर-वधू को बेहद पसंद आता है। ऐसे ही एक शानदार विवाह समारोह में दिल्ली की रहने वाली कनिष्का सिंह और दिल्ली के ही करण सिंह का विवाह गर्जिया में स्थित एक निजी रिसॉर्ट में धूमधाम के साथ संपन्न हुआ, शादी तीन दिनों तक चली और इसमें परिवार व खास मेहमानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हेलीपैड पर दिल्ली जाने को तैयार दूल्हा-दुल्हन। ● अमृत विचार

लेकिन असली सरप्राइज उनकी विदाई के समय सामने आया दूल्हे करण सिंह के चाचा सुधीर सिंह ने नवविवाहित जोड़े को एक यादगार विदाई देने की योजना बनाई। शादी के बाद उन्होंने दूल्हा-दुल्हन के लिए चॉपर का इंतजाम किया, जिसके माध्यम से उनकी विशेष विदाई की गई। चॉपर ने रामनगर महाविद्यालय मैदान से उड़ान भरी और सीधे दिल्ली के लिए रवाना हो गया। इस खास अनुभव को लेकर नवविवाहित कनिष्का और करण बेहद उत्साहित दिखाई दिए। दोनों ने कहा कि उन्हें कॉर्बेट टाइगर रिजर्व का प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण बेहद पसंद आया। शादी जैसे खास मौके को कॉर्बेट जैसे रोमांटिक और खूबसूरत स्थान पर आयोजित करना अपने आप में एक अनूठा अनुभव था। चॉपर विदाई ने इस यादगार दिन को और अधिक खास बना दिया।

दूल्हे के चाचा सुधीर सिंह ने बताया कि यह विदाई बच्चों को एक सरप्राइज देने के लिए थी। उन्होंने कहा कि कॉर्बेट जैसा वेडिंग डेस्टिनेशन अब देशभर में अपनी पहचान तेजी से बना रहा है। यहां की लोकेशन, रिजॉर्ट्स की सुविधाएं और प्राकृतिक सुंदरता इसे किसी भी बड़े शहर के मुकाबले अधिक आकर्षक बनाती है। स्थानीय पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि ऐसी हाई-प्रोफाइल शादियों से कॉर्बेट वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में और भी मजबूत हो रहा है। इससे स्थानीय रोजगार, होटल उद्योग और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है।

एसटीएच में आईसीयू के बाहर बंदर अंदर मरीज, तीमारदार परेशान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल के बाहर और अंदर बंदरों का कब्जा है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जिसमें दिख रहा है कि अस्पताल के अंदर बंदर बैठे हुए हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के अनुसार आईसीयू के बाहर एक बंदर सीढ़ियों के पास बैठा है हालांकि वह आने-जाने वालों को भी कुछ नहीं कह रहा है और लोग सावधानी के साथ उसके पास से गुजर रहे हैं। फिर भी अस्पताल के अंदर और बाहर बंदरों के होने से मरीज और तीमारदारों के साथ ही डॉक्टर व अन्य स्टाफ परेशान है। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि यहां पास में ही जंगल है। जिस वजह से बंदरों का कब्जा रहता है। उन्होंने माना कि कई बार बंदर डॉक्टर व अन्य स्टाफ को नुकसान पहुंचा चुके हैं। बताया कि पहले भी बंदरों को पकड़वाकर बाहर छुड़वाया गया है। अब एक बार फिर से बंदरों को लेकर वन विभाग से कहा जाएगा।

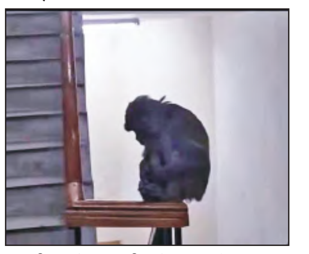

एसटीएच में आईसीयू के बाहर बैठा बंदर।

- कई बार बंदर पहुंचा चुके डॉक्टर व स्टाफ को नुकसान
- अस्पताल प्रशासन भी बंदरों से परेशान, वीडियो वायरल

मेडिकल कॉलेज में कुत्तों का कब्जा है बरकरार

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधीन एसटीएच में जहां बंदरों ने उत्पात मचाया है तो वहीं मेडिकल कॉलेज के अंदर लावारिस कुत्ते घूमते रहते हैं। ये कुत्ते कई बार यहां लोगों को अपना शिकार बना चुके हैं। नगर निगम की टीम एक बार कुत्तों को पकड़कर ले भी गई लेकिन फिर कुत्ते यहां पहुंच ही जाते हैं। कुत्तों को यहां भोजन सुलभता से उपलब्ध हो जाता है, इस वजह से कुत्तों ने मेडिकल कॉलेज परिसर में डेरा डाल रखा है।

सिटी ब्रीफ

बेलवाल के निधन पर शोक जताया

भीमताल : ग्राम पंचायत जंगलिया गांव निवासी शांता कुमार बेलवाल का हृदयाघात से निधन हो गया वह 72 वर्ष के आसपास थे। शांता कुमार बेलवाल ने हिड़बा धाम सातताल में कई वर्षों तक सेवा की उनके निधन पर ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी, जिला पंचायत सदस्य बिपिन सिंह जंतवाल ग्राम प्रधान राधा कुल्याल, महेंद्र सिंह पड़ियार, प्रेम सिंह कुल्याल सुरेन्द्र सिंह कुल्याल, कुंवर सिंह बिष्ट, मोहन सिंह बिष्ट, तोता राम पाटनी सहित अन्य ग्रामीणों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

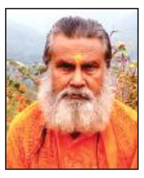

रानीबाग में जंगली सूकरों का भी आतंक

भीमताल : रानीबाग के चौघानपाटा इंदिरा नगर और अक्षय वट क्षेत्र में पिछले कई दिनों से गुलदार का आतंक था लेकिन अब जंगली सूकरों के आतंक से भी गांव वाले काफी डरे हुए हैं । स्थानीय ग्रामीण दीपक नौगांई ने बताया कि 2 दिन पहले सूकरों के झुंड ने दूध लेने जा रही गांव की महिला रश्मि पांडे पर हमला कर दिया था। उन्होंने भाग कर अपनी जान बचाई। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश भंडारी ने बताया कि पहले सूकर गांव में नहीं आते थे। पहली बार शाम होते ही सूकर गांव में नजर आने लगे हैं। इससे लोग डरे हुए हैं। उन्होंने इसकी जानकारी डीएफओ तथा वन क्षेत्र अधिकारी को दूरभाष से दी है । वन विभाग से अनुरोध किया है कि सूकरों से निजात के लिए स्थाई समाधान तलाशें।

वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आज से

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय का 47 वां वार्षिक क्रीड़ा समारोह दिनांक 28 व 29 नवम्बर को महाविद्यालय में क्रीड़ा मैदान में आयोजित होगा। क्रीड़ा प्रभारी डॉ . योगेश चन्द्र ने बताया कि दो दिवसों में ट्रेक एण्ड फील्ड के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं छात्र छात्रा वर्ग के लिए अलग-अलग आयोजित होंगी। प्रतियोगिताओं में दौड़ 100, 200, 400, 800, 1500, 5000 व 10000 मीटर, प्रक्षेपण में तार गोला, चक्का एवं भाला तथा ऊंची कूद, लम्बी कूद एवं त्रिकूद करायी जाएंगी। प्राचार्य प्रो . एम .सी . पाण्डे ने समस्त छात्र छात्राओं से क्रीड़ा प्रतियोगिताओं अधिक से अधिक प्रतिभाग करने की आशा व्यक्त की है।

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने शुरू की परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की तैयारी

2.16 लाख से अधिक विद्यार्थी देंगे बोर्ड परीक्षा

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः उत्तराखंड में इस वर्ष हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी है। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के अनुसार इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 2 लाख 16 हजार 373 परीक्षार्थी शामिल होंगे, बोर्ड ने परीक्षार्थियों के पंजीकरण आंकड़े जारी करने के साथ ही परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

बोर्ड के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि इस वर्ष प्रदेश के 3600 से अधिक विद्यालयों से परीक्षा आवेदन प्राप्त हुए हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार, हाईस्कूल में 1,12,744 तथा इंटरमीडिएट में 1,03,629 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण किया है। हाईस्कूल वर्ग में कुल 56,054 छात्र और 56,690 छात्राएं शामिल होंगी। वहीं इंटरमीडिएट वर्ग में 50,443 छात्र और 53,186 छात्राएं परीक्षा देंगी। आंकड़े बताते हैं कि दोनों कक्षाओं में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक है, जो प्रदेश में बढ़ती शिक्षा जागरूकता और बालिकाओं की बेहतर भागीदारी को दर्शाता है।

सचिव सिमल्टी ने बताया कि पंजीकरण संख्या के आधार पर अब बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। प्रत्येक जिले में परीक्षार्थियों की संख्या, स्कूलों की उपलब्धता और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्रों का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जल्द ही परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी, जिससे स्कूलों और विद्यार्थियों को तैयारी करने में आसानी होगी।

बोर्ड की ओर से यह भी बताया गया कि परीक्षा संचालन के दौरान नकल रोकथाम, सुचारू व्यवस्था और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इस बार अतिरिक्त निरीक्षण दल भी तैनात किए जाएंगे।

फरवरी-मार्च में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह के साथ-साथ तैयारी में तेजी देखने को मिल रही है। बोर्ड प्रशासन ने छात्रों से अपील की है कि वे अपने एडमिट कार्ड, परीक्षा निर्देश और परीक्षा केंद्र जानकारी समय रहते सुनिश्चित करें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

अपने वाहन की आरसी में फोन नंबर अवश्य अपडेट करवा लें

संवाददाता, रामनगर

- 31 दिसंबर तक का समय है वाहन स्वामियों के पास
- परिवहन विभाग ने शुरू किया विशेष अभियान

अमृत विचारः अपने वाहनों की आरसी में अपना मोबाइल नंबर अवश्य अपडेट करवा लें। एआरटीओ सुरेंद्र सिंह कपकोटी ने कहा कि यदि आप ने अपने दोपहिया वह चौपहिया वाहन के रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट आरसी में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं कराया तो जल्द करा ले। परिवहन विभाग में इसके लिए विशेष अभियान शुरू किया है, ऐसा करने पर कई असुविधाओं से बचा जा सकता है।

एआरटीओ कपकोटी ने कहा कि वेबसाइट के अलावा परिवहन विभाग कार्यालय पहुंचकर भी मोबाइल नंबर अपडेट कराया जा सकता है। वाहन स्वामी 31 दिसंबर तक अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकता है।

वाहन स्वामी वेबसाइट पर घर बैठे, के अलावा विभागीय कार्यालय आकर मोबाइल नंबर अपडेट कर सकता है। उन्होंने बताया कि मोबाइल नंबर अपडेट न होने पर आप वाहन का बीमा नहीं कर पाएंगे, क्योंकि बीमा के लिए की रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है, जिसे बताने के बाद ही बीमा मिलेगा।

31 दिसंबर तक ऐसे कराएं अपडेट

यह एरटीओ प्रशासन सुरेंद्र कपकोटी ने बताया कि परिवहन की वेबसाइट parivahan.gov.in के माध्यम से घर बैठे अपना मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं। इसके अलावा हर कार्यालय में एक हेल्पडेस्क बनाई गई है, वहां जाकर भी 31 दिसंबर तक अपडेट कराया जा सकता है।

इसी प्रकार, ''वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र भी ओटीपी से ही जारी होता है। ये दोनों दस्तावेज न होने पर वाहन चलाते पकड़े जाने पर भारी जुर्माना भुगतना पड़ सकता है।

नये लेबर कोड्स की प्रतियां जलाईं, वापस लेने की मांग

इंकलाबी मजदूर केंद्र ने इन्हें मजदूर विरोधी बताया, रोष जताया

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः देशभर में केंद्र सरकार के नए लेबर कोड्स के खिलाफ जारी विरोध के बीच बुधवार को लखनपुर चुंगी में इंकलाबी मजदूर केंद्र द्वारा प्रतियों का दहन कर प्रदर्शन किया गया। संगठन ने इन लेबर कोड्स को 'घोर मजदूर-विरोधी' बताते हुए इन्हें तत्काल वापस लेने की मांग की।

रामनगर में नये लेबर कोड्स की प्रतियां जलाते लोग। ● अमृत विचार

बताते चलें कि संयुक्त किसान मोर्चा तथा केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने 26 नवंबर को ऐतिहासिक किसान आंदोलन के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों का आह्वान किया था। इसी क्रम में इंकलाबी मजदूर केंद्र ने मज़दूर अधिकार संघर्ष अभियान (मासा) के घटक संगठन के रूप में देशव्यापी विरोध में भागीदारी की। मासा एक अखिल भारतीय मोर्चा है, जिसमें संघर्षशील और क्रांतिकारी ट्रेड यूनियन शामिल हैं। विरोध सभा में वक्ताओं ने कहा कि 2021 में दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसानों के उठने के बाद केंद्र सरकार ने जो वादे किए थे, वे आज तक पूरे नहीं हुए हैं। सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की गारंटी आज भी अधर में है। वक्ताओं ने कहा कि अब मज़दूर वर्ग पर हमला करते हुए मोदी सरकार ने चार नए लेबर कोड्स लागू कर दिए हैं। इनके माध्यम से ट्रेड यूनियन के अधिकार, 8 घंटे कार्यदिवस का कानूनी अधिकार, और हड़ताल का संवैधानिक अधिकार कमजोर कर दिया गया है। इन कोड्स में ठेका प्रथा को और बेलगाम किया गया है, जबकि महिला मज़दूरों से रात की पाली में काम लेने का निर्णय पूंजीपतियों के हितों को बढ़ावा देने वाला बताया गया। विरोध प्रदर्शन में रोहित रुहेला, भुवन आर्या, प्रगतिशील महिला एकता केंद्र की तुलसी छिंवाल, गीता आर्या, समाजवादी लोक मंच के मुनीष कुमार, किशन शर्मा, प्रगतिशील जन एकता मंच के लालमणि, किरण आर्या और परिवर्तनकामी छात्र संगठन के राज व प्रीति समेत कई लोग मौजूद रहे।

सांसद अजय भट्ट से मांगों को लेकर मिले

भीमताल : पूर्व विधायक दान सिंह भंडारी ने सांसद अजय भट्ट, लोकसभा क्षेत्र नैनीताल–उधमसिंहनगर से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र में लंबे समय से उपेक्षित एवं बदहाल सड़कों के शीघ्र सुधारीकरण तथा डामरीकरण की अत्यंत आवश्यक मांग को रखा।

इस दौरान उन्होंने विकासखंड भीमताल लामजाला से शेरूवा 5.44 किमी मोटरमार्ग, बानना से पिनसिला 5.5 किमी मोटरमार्ग, विकासखंड ओखलकांडा अमजड़ से तल्ला अमजड़ 11 किमी मोटरमार्ग, ओखलकांडा छिड़ाकान से तल्ली पोखरी 6 किमी मोटरमार्ग, विकासखंड रामगढ़ श्यामखेत से कूड़ 7 किमी मोटरमार्ग, निगराड़ से सूड़ 3.2 किमी मोटरमार्ग और रामगढ़ क्षेत्र ल्वेशाल से आगे दरमोली के पास पुल निर्माण का प्रस्ताव को प्रमुखता से रखा। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधान मदन नौलिया ने भी विकासखंड ओखलकांडा की कई समय से लंबित मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा।

मेहरा गांव की पेयजल समस्या जल्द होगी दूर

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार : भीमताल नगर पालिका के वार्ड नंबर 9 के पॉश कॉलोनी में शुमार मेहरा गांव में पानी की समस्या के निराकरण का प्रयास शुरू हो गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व उपभोक्ताओं की मांग पर जल संस्थान ने जिला योजना से 7 लाख स्वीकृत होने के बाद यहां पर पांच इंच का बोरिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक गर्मियों में और आमतौर पर अन्य समय भी मेहरा गांव के निचले भाग में पानी की समस्या बनी रहती थी। जिसके चलते आए दिन उपभोक्ता पानी नहीं आने की शिकायत दर्ज करते थे। जिसको देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर जिला योजना से धन स्वीकृत होने के बाद इस पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मालूम हो की मेहर गांव में पंप लगाना विभाग के लिए इतना आसान नहीं है। पॉश कॉलोनी में शामिल मेहरा गांव का यह क्षेत्र वर्तमान में सभी लोगों की निजी संपत्ति है ऐसे में यहां पर भूमि मिलना विभाग को काफी कठिन कार्य था।

> अथक प्रयास के बाद जल संस्थान को भूमि उपलब्ध हो पाई है। इस पंप के बन जाने से उन परिवारों को लाभ होगा जहां वर्ष भर पानी की समस्या रहती है। -**नीरज रैकुनी**, सभासद वार्ड नंबर 9

> पानी की बोरिंग और पंप बनने के बाद मेहरा गांव की अधिकांश पानी की समस्या हल हो सकेगी। इतना ही नहीं लोगों को मांग के अनुसार पानी उपलब्ध कराने में विभाग सफल होगा। -**हर्षित कुमार**, अवर अभियंता जल संस्थान

स्थानीय सभासद नीरज रैकुनी के अथक प्रयास से जल संस्थान को यह भूमि उपलब्ध कराई गई जिस पर जल संस्थान वर्तमान में पानी की बोरिंग करा कर स्थानीय जनता को पानी उपलब्ध कराएगा। विभागीय कर्मचारी बताते हैं कि अन्य बोरिंग की तरह इसमें पंप लगाया जाएगा और इसको सीधे डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में जोड़ने का प्रावधान है ताकि मेहरा गांव के निचले स्तर पर पानी की समस्या का समाधान हो सके। इससे लोगों में खुशी है।

ग्रामीणों के विरोध के बावजूद खनन जारी होने से गुस्सा

भीमतालः विकासखंड भीमताल के अंतर्गत डेहरा ग्राम सभा में खनन को लेकर ग्रामीणों का रोष बढ़ते जा रहा है। ग्राम प्रधान मनोज चनोतिया ने बताया कि संकरी सड़क पर स्कूल खुलने व बंद होने के समय खनन न करने को कहने के बाद भी खनन जारी रहा।

अब मोटर मार्ग में डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है। ऐसे में भी खनन बंद नहीं किया गया है जिसके चलते ग्रामीणों में खनन को लेकर खासा रोष है। बताया कि कई वर्षों के बाद डामरीकरण शुरू हुआ है। लेकिन खनन के ट्रक डामरीकरण के दौरान भी सड़क पर चलते रहे जिसके चलते डामरीकरण का कार्य प्रभावित हो रहा है। साथ ही गुणवत्ता भी खराब हो रही है। इधर ग्राम प्रधान समेत अन्य ग्रामीणों ने भी डामरीकरण का कार्य होने तक खनन को पूर्ण रूप से बंद करने की मांग की है।

डीएसबी में संविधान दिवस पर विजेताओं को किया सम्मानित

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः डीएसबी परिसर में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को गुरुवार को सम्मानित किया गया। निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा तथा निदेशक (विजिटिंग) प्रो. ललित तिवारी ने विजेताओं को मेडल एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए।

इस अवसर पर प्रो. नीता बोरा शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्रों में अभिव्यक्ति, नेतृत्व और जनचेतना के भाव को सशक्त करती हैं।कार्यक्रमों में छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विपुल, द्वितीय दीपांशु तथा तृतीय लक्षिता को मिला।

संविधान दिवस पर डीएसबी परिसर में प्रमाण पत्रों के साथ विजेता। ● अमृत विचार

कविता पाठ प्रतियोगिता में हिमांशु सिंह प्रथम, पूजा तिवारी द्वितीय और तनुजा तृतीय रहीं। डिबेट प्रतियोगिता में पक्ष की ओर से नकुल तथा विपक्ष की ओर से मूमशाद विजेता रहे। बेस्ट रिबूटल का पुरस्कार सहज गिल को मिला। निर्णायक मंडल में बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी, अंग्रेजी विभाग की डॉ. दीपिका पंत तथा लॉ विभाग के डॉ. सुरेश पांडे शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन डॉ. दीपिका पंत ने किया।

लेक्स इन्टरनेशनल में मनाया संविधान दिवस

भीमतालः लेक्स इन्टरनेशनल स्कूल, भीमताल में वंदे मातरम् गायन कर भारत का संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बढ़-चढ़कर सविधान में वर्णित अनुसूचियों, धाराओं-उपधाराओं आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कक्षा नवीं के छात्र सागनिक डे, छठी के छात्र सार्थक पान्डे व ओजस्वनी नयाल ने अंग्रेजी में, कार्तिक पटवाल ने हिन्दी में विचार रखते हुए सभी को संविधान की सरचना, उद्देश्य, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति जागरुक किया। कक्षा तीन के विद्यार्थियों दिविशा आर्या ने हिन्दी में तथा मानवी ने अंग्रेजी में कविता प्रस्तुत की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर वन्दे मातरम् का गायन किया गया। प्रधानाचार्य एसएस नेगी ने संविधान की महत्ता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला।

एचएमटी के भवनों का सुधलेवा नहीं

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः तीन साल पहले अक्टूबर 2022 केंद्र सरकार द्वारा रानीबाग एच एम टी की भूमि राज्य सरकार को हस्तांतरित की गई थी । उसके बाद प्रदेश सरकार द्वारा वहां मिनी सिडकुल की स्थापना किए जाने की घोषणा की गई थी, लेकिन तीन साल बीत जाने के बावजूद इस संबंध में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है । बीच में हाई कोर्ट को नैनीताल से यहां स्थांतरित करने की बात भी सामने आई थी । हालांकि यह बात भी केवल चर्चा तक ही रही।

स्थानीय लोगों ने प्रदेश सरकार से एच एम टी की भूमि और भवनों के उचित उपयोग हेतु शीघ्र उचित निर्णय लेने का अनुरोध किया है , ताकि भवनों को खंडर होने से बचाया जा सके, क्षेत्र का विकास हो और लोगों को रोजगार मिल सके। स्थानीय निवासी शिक्षक दीपक नौगाई ने बताया कि 65 करोड़ की लागत से 1982 में कारखाने की स्थापना हुई थी और 1985 में उसका उद्घाटन किया गया था । कई साल से यह कारखाना बंद है । यहां एचएमटी की 90 एकड़ भूमि है, 61 एकड़ भूमि उद्योग मंत्रालय की और 30 एकड़ राज्य सरकार की थी। अब यह पूरी भूमि राज्य सरकार की है ।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय साह ने कहा कि आज भी कारखाने के कई कर्मचारियों का पैसा अटका हुआ है । कारखाना प्रबंधन तथा सरकार को उनके प्रकरण को सुलझाने पर भी निर्णय लेना चाहिए । देखरेख के अभाव में कारखाने के भवन खंडहर में तब्दील हो रहे हैं। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य महेश सिंह भंडारी ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार यहां कोई उद्योग या संस्थान की स्थापना करती है तो स्थानीय लोगों को रोजगार मे प्राथमिकता दी जाए । उन्होंने सरकार से क्षेत्र के हित में उचित निर्णय लेने की अपील की है।

उज्ज्वल का साहसिक शिविर के लिए चयन

रामनगरः डिग्री कालेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सक्रिय स्वयंसेवक उज्ज्वल कुमार का चयन दस दिवसीय साहसिक शिविर में सहभागिता हेतु हुआ है। यह शिविर 30 नवम्बर से 09 दिसम्बर तक अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं सम्बद्ध खेल संस्थान, मनाली (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित किया जा रहा है। प्राचार्य प्रो. एमसी पांडे, जिला समन्वयक प्रो. जेएमएस नेगी, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेश चंद्रा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता जोशी, डॉ. नरेश कुमार, डॉ. दीपक खाती, डॉ. ललित मोहन, एवं डॉ. डीएन जोशी ने उज्ज्वल कुमार को शुभकामनाएं दी हैं।

राहगीर को बचाने में दो टैक्सी वाहन भिड़े

नैनीतालः नैनीताल-हल्द्वानी रोड में अचानक सामने आए राहगीर को बचाने के चक्कर में दो वाहनों में टक्कर हो गई। गनीमत रही कि राहगीर को कोई चोट नहीं आई। दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हुए तो चालक कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस के पास पहुंच गए।

तल्लीताल निवासी रोहित गुरुवार शाम टैक्सी कार में सवारी लेकर हल्द्वानी की ओर जा रहा था। उसने डांठ से वाहन हल्द्वानी की तरफ मोड़ा ही था कि अचानक सामने से एक नेपाली मूल का युवक आ गया। उसने वाहन दूसरी ओर मोड़ा तो सड़क किनारे खड़े दूसरे टैक्सी वाहन से टकरा गया। जिससे दोनों वाहनों के दरवाजे क्षतिग्रस्त हो गए। पार्क वाहन क्षतिग्रस्त देख दूसरे वाहन का चालक कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस चौकी पहुंच गया।

नैनीताल और टिहरी फाइनल में

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः ज्ञान प्रकाश इंटर कॉलेज धमोला में राज्यस्तरीय खो खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन सेमी फाइनल में नैनीताल में पौड़ी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गुरुवार को अंडर14 बालक में टिहरी ने बागेश्वर को 18-13 से नैनीताल ने चंपावत को एक पारी 14 अंकों से पौड़ी ने देहरादून को 6 अंक से हराया। पहले सेमीफाइनल में टिहरी ने उधम सिंह नगर को 13 -12 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अगला सेमीफाइनल नैनीताल व देहरादून के बीच होगा

बालिका वर्ग में उधमसिंह नगर ने अल्मोड़ा को 9-2 से बागेश्वर ने पिथौरागढ़ को एक पारी 15 अंक से हराया।पहले सेमीफाइनल में नैनीताल में पौड़ी को 19-17 से पराजित किया। दूसरा सेमीफाइनल फाइनल देहरादून व बागेश्वर के मध्य खेला जाएगा। अंडर 17 बालक वर्ग में पौड़ी ने चंपावत को एक पारी 7अंक से देहरादून ने उत्तरकाशी को एक पारी 8 अंक से नैनीताल ने उधम सिंह नगर को एक पारी 8 अंक से हराया। नैनीताल, अल्मोड़ा, पौड़ी, देहरादून ने सेमीफाइनल का टिकट कटाया है। बालिका वर्ग में टिहरी नेअल्मोड़ा को 8-4 से बागेश्वर ने चमोली को एक पारी 14 अंक से पौड़ी ने उधम सिंह नगर को 16-0 से, नैनीताल ने टिहरी को एक पारी 6 अंक से हराया। नैनीताल, देहरादून, पौड़ी व बागेश्वर सेमीफाइनल में पहुंचे। सीनियर बालक अंडर-19 बालक वर्ग में पौड़ी ने अल्मोड़ा को एक पारी तीन अंक बागेश्वर ने हरिद्वार को एक पारी 12 अंक से हराया।

खो-खो प्रतियोगिता में अपनी टीम को अंक दिलाने का प्रयास करता खिलाड़ी।

कुलपति ने पुस्तक का विमोचन किया

नैनीतालः कुमाऊं विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के स्किल एन्हांसमेंट कोर्स वर्मीकल्चर से संबंधित पुस्तक ए हैंडबुक ऑफ वर्मीकल्चर एंड वर्मीकम्पोस्टिंग का विमेचन कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने किया। यह पुस्तक नई शिक्षा नीति के अनुरूप है।

पुस्तक के लेखक जंतु विज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. हिमांशु पी. लोहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. दिव्या पांगते तथा सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. बीआर कौशल ने बताया कि यह पुस्तक स्नातक स्तर के विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। लेखकों ने इसका श्रेय विभागाध्यक्ष प्रो. एचसीएस बिष्ट एवं विभाग के सभी शिक्षकों को दिया है। इस उपलब्धि पर विभागाध्यक्ष प्रो. बिष्ट, प्रो. मनोज कुमार आर्या ने बधाई दी है।

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में फ्लावर शो 2025 का आयोजन

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में फ्लावर शो 2025 का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। परिसर निदेशक ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक पौधा भेंट कर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि ने निदेशक एवं संकाय सदस्यों के साथ कैंपस का भ्रमण किया। निदेशक ने उन्हें कैंपस नर्सरी एवं ईको गार्डन के बारे में जानकारी दी, जहां 40 से अधिक प्रकार के फूलों को संरक्षित किया जा रहा है। प्रदर्शनी के दौरान कैंपस का एम्फीथिएटर एक आकर्षक फ्लोरल गार्डन की तरह दिखाई दे रहा था, जिसमें फूलों की परतों, सुव्यवस्थित संयोजन और कलात्मक डिजाइन ने हर कोना जीवंत बना दिया। शो में स्थानीय नर्सरी द्वारा सफ़ेद गेंदे, जेरैनियम, बेगोनिया सहित कई प्रजातियों ने पौधों, उद्यानों एवं ओपन एयर थिएटर को सजाया। साथ ही, स्थानीय नर्सरीज़ द्वारा लगाए गए स्टॉलों से आगंतुक पौधे खरीदकर अपने घर भी ले जा सके। फ्लावर शो केवल पुष्प प्रदर्शनी नहीं रही, बल्कि ग्राफिक एरा भीमताल परिवार के परिश्रम का नतीजा है।

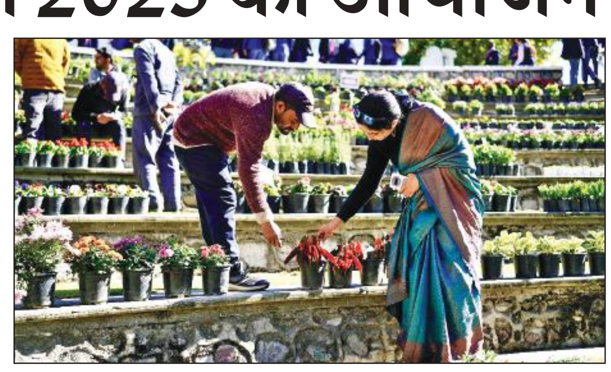

ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी भीमताल में फूलों को देखते लोग। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

बच्चों को दी औषधीय पौधों से रोजगार की जानकारी

हल्द्वानी : सिंथिया सीनियर सेकेंड्री स्कूल के नौवीं कक्षा के सवा सौ छात्र-छात्राओं ने गांधी आश्रम स्थित ग्रो मोर नर्सरी में शैक्षणिक भ्रमण किया। सेवानिवृत्त रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने छात्रों को औषधीय पौधों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए औषधीय वनस्पति का उत्पादन कर रोजगार सृजन करें व क्षेत्रवासियों विशेषकर ग्रामीणों को औषधीय महत्व के जड़ी बूटी रोपित करने के लिए प्रेरित करें। शैक्षणिक भ्रमण दल में शिक्षक त्रिभुवन जोशी, सुंदर सिंह कपकोटी, रीना कार्की, तुलसी शर्मा, कोमल बिष्ट आदि मौजूद रहे।

5 साल में जारी 28 हजार प्रमाण पत्रों की होगी जांच

गदरपुर : तहसील में पिछले पांच वर्षों में जारी 28,020 जाति और स्थायी निवास प्रमाण पत्रों में भारी अनियमितता (गड़बड़ी) पाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है।जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश पर एक स्क्रूटिनी कमेटी ने जांच शुरू कर दी है। हैरानी की बात यह है कि ये प्रमाण पत्र एसडीएम और तहसीलदार की आईडी से जारी हुए थे। प्रारंभिक जांच में लगभग 400 प्रमाण पत्रों में से 9 जाति प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए गए हैं, जिनमें कूटरचित दस्तावेज इस्तेमाल होने का संदेह है। चार संदिग्ध प्रमाण पत्रों को निरस्त करने की संस्तुति की गई है। प्रशासन ने सभी प्रमाण पत्रों की जांच कर फर्जीवाड़ा करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने की तैयारी कर ली है।

आईटीआई के बच्चों ने लहराया परचम

खटीमा : निदेशालय जनजाति कल्याण उत्तराखंड के तत्वावधान में जनजातीय शोध संस्थान देहरादून द्वारा 16 आश्रम पद्धति विद्यालय, तीन आईटीआई और चार जनजाति छात्रावासों के जनजातीय छात्रों के लिए प्रदेश स्तरीय जनजाति खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। 22 से 24 नवंबर तक महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स स्टेडियम देहरादून में महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें 650 बच्चों ने प्रतिभाग किया। बालिका वर्ग भाला फेंक में रोशनी राना ने प्रथम और गोला फेंक में द्वितीय, लंबी कूद में स्टेनो राखी राना ने प्रथम, लंबी कूद में प्रियांशी राना द्वितीय, खो-खो द्वितीय, 400 मीटर रिले दौड़ में तृतीय, बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में नितेश राणा द्वितीय और 200 मीटर में तृतीय, ऊंची कूद में साहिल राना ने प्रथम स्थान, लंबी कूद में नवीश ने तृतीय स्थान, भाला फेंक में नितेश राना द्वितीय और बॉलीबॉल में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विकास योजनाओं को गंभीरता से लें अफसर : भट्ट

सांसद अजय भट्ट ने दिशा की बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश, कहा- केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारें

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

सर्किट हाउस में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते सांसद अजय भट्ट।

अमृत विचार : जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक गुरुवार को काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस सभागार में अध्यक्ष/सांसद अजय भट्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूरा करें ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ मिल सके।

सांसद भट्ट ने केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा दिशा की बैठकों की मॉनीटरिंग केंद्र सरकार से की जाती है इसलिए अधिकारी गंभीरता से कार्ययोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आपसी समन्वय से काम करें। इस दौरान पीएमजीएसवाई, लोनिवि, किसान सम्मान निधि, पीएम आवास योजना, पीएम मातृ वंदना, उज्जवला, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम कृषि सिंचाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, समग्र शिक्षा, रोपवे, पीएम मत्स्य, पीएम सूर्य घर योजनाओं की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। जिले में जल जीवन मिशन की ओर किए जा रहे कार्यों पर सांसद अजय भट्ट ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। भीमताल ब्लॉक प्रमुख हरीश बिष्ट ने बताया कि भीमताल के पर्वतीय क्षेत्रों मे जेजेएम की ओर से नल लगाए हैं लेकिन नलों में पानी नहीं आता है। ग्रामीणों को पेयजल के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर सांसद भट्ट ने जेजेएम की प्रगति के संबंध में डीएम की अध्यक्षता में शीघ्र बैठक की जाए। पर्वतीय क्षेत्रों में जिन स्थानों पर स्रोत ही नहीं थे, वहां पानी का कनेक्शन क्यों लगाया गया। इसकी जांच की जाएगी और इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हल्द्वानी ब्लॉक प्रमुख मंजू गौड़ ने कहा कि हल्द्वानी में जेजेएम योजना के तहत शहर की अधिकांश सड़क को खोद दिया गया है, लोगों को आवागमन के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सांसद भट्ट के पूछे जाने पर नोडल अधिकारी जेजेएम विशाल सक्सेना ने बताया कि सड़क मरम्मत के लिए लोनिवि को 60 प्रतिशत धनराशि दे दी गई है। इस पर लोनिवि ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया गतिमान है, शीघ्र ही सड़क मरम्मत शुरू की जाएगी। वहीं, पर्वतीय क्षेत्रों में डॉक्टर्स की कमी पर सांसद भट्ट ने चिंता जताते हुए सीएमओ को निर्देश दिए कि शीघ्र डाक्टरों की तैनाती एवं टेक्नीकल स्टाफ, उपकरणों का प्रस्ताव शीघ्र भेजे जाए। जिन क्षेत्रों की विशेषज्ञ डाक्टर तैनात हैं उन्हें साप्ताहिक अन्य क्षेत्रों में भी रोटेशन के आधार पर भेजा जाए। डीडीए की समीक्षा करते हुये सांसद भट्ट ने सचिव विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए कि जनसामान्य की सुविधा को भवन मानचित्रों की स्वीकृति के लिए नियमित कैंप लगाकर भवन मानचित्रों का निस्तारण किया जाए।

दिशा की पिछली बैठक में भीमताल ब्लॉक भवन में बारिश में पानी टपकने पर आपत्ति जताई थी। इस पर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने मररम्त की थी लेकिन सत्यापन नहीं कराया। इस पर सांसद ने जांच के निर्देश दिए। बैठक में बीएसएनएल के अधिकारियों ने बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों मे 90 प्रतिशत नेटवर्क की समस्या का समाधान कर लिया गया है जिन क्षेत्रों टावर की आवश्यकता थी वहां टावर लगाए हैं। नए क्षेत्रों में टावर लगाने का सर्वे चल रहा है। सांसद ने ओखलकांडा क्षेत्र में वर्तमान में नेटवर्क की समस्या आ रही है जिसका समाधान अधिकारी क्षेत्रों में जाकर शीघ्र करें।।

शिक्षा विभाग की समीक्षा पर उन्होंने कहा कि डॉनपरेबा में एक स्कूल का ध्वस्तीकरण एक वर्ष पूर्ण हो चुका है लेकिन शिक्षा विभाग ने कोई कार्यवाही नहीं की।इस पर एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने को कहा। खेल विभाग की समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग बताया गया कि अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में 32 करोड़ से मरम्मत व निर्माण किया जा रहा है, आधा काम हो गया है। सांसद ने मोतीनगर एवं हरिपुर बच्ची क्षतिग्रस्त फेंसिंग को ठीक करने के निर्देश डीएफओ को दिए। बैठक में जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, विधायक सरिता आर्या, राम सिंह कैड़ा, ब्लॉक प्रमुख केडी रूवाली, दीप कुमार, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, डीडीओ गोपाल गिरी गोस्वामी, प्राधिकरण सचिव विजय नाथ शुक्ल मौजूद रहे।

पैरा स्विमिंग में चमके सोनू रावत

सोनू को सम्मानित करतीं गीता धामी।

हल्द्वानी, अमृत विचार : नेशनल पैरा स्विमिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर सोनू रावत ने उत्तराखंड का नाम रोशन किया। हाल ही में हैदराबाद में हुई प्रतियोगिता में सोनू ने दो कांस्य और एक रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पत्नी गीता धामी ने सोनू रावत सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि सोनू की उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और उनके जैसे खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। गीता धामी ने सोनू के परिवार और कोच की भी प्रशंसा की, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और सहयोग प्रदान किया। उनकी इस सफलता पर कुमाऊं महिला सहायक खेल निदेशक रशिका सिद्दीकी, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, रणदीप पोखरिया और स्थानीय खेल प्रेमियों ने सोनू को बधाई दी है।

14वीं बार केमू के अध्यक्ष बने सुरेश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं मोटर स्वामी यूनियन (केमू) की नई कार्यकारिणी का चुनाव हुआ है। सुरेश डसीला को फिर से यूनियन का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने जिम्मेदारी फिर से मिलने के साथ कहा कि यूनियन 10 सालों के संघर्ष के बाद कई रूटों पर बसों की सेवा बढ़ाने वाली है।

केमू की काठगोदाम स्थित कार्यालय में बैठक हुई। चुनाव भी कराए गए। सर्वसम्मति से सुरेश डसीला को 14वीं बार अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर हल्द्वानी-टनकपुर, टनकपुर-चंपावत-पिथौरागढ़-कनालीछीना-डीडीहाट-धारचूला के लिए परिवहन सेवाएं देने जा रहे हैं। आठवीं बार अधिशासी निदेशक बनाए गए हिम्मत सिंह नयाल ने कहा कि पिछले 10 सालों के संघर्ष के बाद इन रूटों पर शासन और प्रशासन से केमू की सेवा विस्तार करने की स्वीकृति मिल गई है। साथ ही संस्था के प्रयासों से अल्मोड़ा में तीन करोड़ की लागत से टू व्हीलर की पार्किंग बनकर पूरी होने वाली है। बताया कि वर्तमान में इस संस्था में करीब 350 वाहनों का बेड़ा है। इस दौरान जोन प्रभारी रामनगर मनोज कठायत, सुनील भंडारी, गुंसाई सिंह दौसाद, ललित मोहन सिंह मेहता, धीरेंद्र सिंह खोलिया, हेमंत शाह, अनुराग बिष्ट, मनोज सिंह बिष्ट रहे।

केमू के नवनिर्वाचित हुए पदाधिकारियों के साथ कर्मचारी।। ● अमृत विचार

नहीं बढ़ता है किराया

हल्द्वानी : केमू एक धरोहर है और साथ ही इसकी खासियत है कि निजी सेवा होने के बावजूद चाहें कैसा भी समय हो केमू यात्रियों से वही किराया लेती है जो चल रहा है। आपदा, त्योहार, रोडवेज की हड़ताल या अन्य कोई भी कारण हो, केमू कभी भी यात्रियों से प्रचलित किराए से ज्यादा नहीं वसूलती है।

बीएसएनएल टावर खराब, ग्रामीण परेशान

- मरम्मत व बजट की मांग को लेकर भेजा शिकायत पत्र

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : ओखलकांडा ब्लॉक के ग्राम सभा गौन्यारों में स्थित बीएसएनएल टावर की खराब स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने चिंता व्यक्त की है। क्षेत्र निवासी हेमंत गौनिया व अन्य ने बीएसएनएल कार्यालय हल्द्वानी में शिकायती पत्र भेजा और टावर की मरम्मत, आवश्यक उपकरणों की स्थापना और बजट उपलब्ध कराने की मांग की।

गौन्यारों में लगा बीएसएनएल का टावर। ● अमृत विचार

पत्र में कहा कि वर्षों से टावर के रखरखाव और नेटवर्क सुधार की अनदेखी के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में संचार व्यवस्था चरमरा गई है। इसके चलते स्वास्थ्य, शिक्षा, आपातकालीन सेवाओं और शासन-प्रशासन से जुड़ी आवश्यक जानकारी समय पर नहीं पहुंच पाती। खराब नेटवर्क की वजह से ग्रामीणों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मांग की गई कि टावर की मरम्मत कर आवश्यक उपकरण लगाने की व्यवस्था की जाए, बजट स्वीकृत कर मरम्मत कार्यों को पूरा किया जाए। पत्र भेजने वालों में होशियार गौनिया, नरेंद्र, प्रेम गौनिया, कुंदन, दिनेश, नारायण, पान सिंह, कुशल सिंह, गणेश, लक्ष्मण गौनिया, सचिन सिंह, मयंक गौनिया, दिवान सिंह आदि रहे।

कैंसर जागरुकता कैंप के दौरान उपस्थित संस्था की महिलाएं। ● अमृत विचार

माहवारी व कैंसर पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

हल्द्वानी, अमृत विचार : नेशनल चाइल्ड एंड वूमेन डेवलपमेंट काउंसिल एवं इंटरनेशनल वुमन एंपावरमेंट के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को हाइडियल गेट के पास महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिलाओं ने भाग लेकर माहवारी स्वच्छता, महिला स्वास्थ्य और कैंसर से संबंधित जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सौरभ नंदी ने महिलाओं को माहवारी के दौरान स्वच्छता, गर्भाशय व स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव और समय पर जांच की महत्ता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि समय पर जागरूकता और जांच कैंसर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र दवे, डिंपल पांडे, पृथ्वी पाल, शरीफ भाई रहे। बैणी सेना को सम्मानित भी किया गया।

गांवों को योग व आयुर्वेद का केन्द्र बनाने पर जोर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष पर दून योगपीठ देहरादून के तत्वावधान में इंदिरा प्रियदर्शनी गर्ल्स कॉमर्स पीजी कॉलेज में एक गोष्ठी ओर योग आसनों का प्रदर्शन किया गया। सभी ने एक स्वर से देवभूमि के गांवों को योग और आयुर्वेद गांवों के रूप में विकसित करने का आह्वान किया।

गुरुवार को कॉलेज सभागार में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और मां सरस्वती वंदना के साथ हुआ। छात्राओं ने एक से बढ़कर एक योग आसनों का प्रस्तुतीकरण किया। अभियान के सूत्रधार और दून योगपीठ देहरादून के संस्थापक योगाचार्य डॉ. विपिन जोशी ने कि यदि प्रदेश के गांवों को योग और आयुर्वेद केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए तो राज्य की तकदीर को तस्वीर दोनों ही बदल सकती है। योग शिक्षिका डॉ. ज्योति उपाध्याय चुफाल ने सरकार, स्थानीय लोगों , योग, आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों के बीच समन्वय पर जोर दिया। इस अवसर पर योग आसनों का प्रस्तुतीकरण करने वाली छात्राओं और महाविद्यालय के प्रोफेसरों को अंगवस्त्र व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस दौरान प्राचार्य प्रो. आभा शर्मा, प्रभारी प्राचार्य प्रो. टीबी सिंह, योग शिक्षिका डॉ. ज्योति उपाध्याय चुफाल, डॉ. शरद मिश्रा, डॉ. चंद्र प्रकाश, डॉ. स्वाति रहे।

अंडर-14 लीग में कोल्ट्स एकेडमी की जीत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग का गुरुवार को पहला मैच कोल्ट्स क्रिकेट ग्राउंड में एकलव्य क्रिकेट अकादमी और कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने निर्धारित 50 ओवरों में कार्तिक रावत के 122, कुनाल हलसी के 88, जयवर्धन के 74, अंश पाल के 64, वंश रावत के 45 और कार्तिक नेगी के 37 रनों की बदौलत 447 रनों का स्कोर बनाया। एकलव्य क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज भावेश और दीक्षित ने 2-2 विकेट लिए। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी एकलव्य क्रिकेट अकादमी की टीम 37वें ओवर 166 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। वहीं कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी ने 281 रनों से मैच जीता।

विजेता कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी की टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

विवेक ने 46, उत्कर्ष ने 22 और दीपांशु 21रनों का योगदान दिया। कोल्ट्स क्रिकेट अकादमी के गेंदबाज वंश ने 5, उत्कर्ष और हरमन ने 2-2 विकेट लिए । मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार वंश रावत को दिया गया।

वहीं दूसरा मैच जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में तन्मय क्रिकेट अकादमी और काठगोदाम क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। तन्मय क्रिकेट अकादमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और पूरी टीम 31वें ओवर में 140 रनों पर ढेर हो गई। अर्जुन मोहन ने 55, हर्षित और चंद्रभान ने 16-16 रनों का योगदान दिया।

आर्डन ने इंस्पिरेशन को 29 रनों से हराया

हल्द्वानी : आर्डन प्रोग्रेसिव स्कूल में पब्लिक स्कूल एसोसिएशन की ओर से चल रही अंडर-14 इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के सातवें दिन गुरुवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में मेजबान आर्डन प्रोग्रेसिव स्कूल ने इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल को 29 रनों से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आर्डन प्रोग्रेसिव स्कूल की टीम ने 134 रन बनाए। जवाब में इंस्पिरेशन पब्लिक स्कूल की टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर केवल 105 रन ही बना सकी। दूसरे मुकाबले में एवरग्रीन ने बीएलएम के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 62 रन का स्कोर बनाया। बीएलएम ने 6 विकेट से मैच जीत कर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

सिटी ब्रीफ

उज्ज्वला उपभोक्ताओं से ई-केवाईसी कराने की अपील

गदरपुर : इंडियन गैस सर्विस द्वारा उज्ज्वला योजना के सभी उपभोक्ताओं को अपना ई-केवाईसी समय पर पूरा कराने की अपील की गई है। गैस सर्विस के मैनेजर गणेश आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी रिफिल उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनकी ई-केवाईसी पूरी हो चुकी होगी। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं करवाई है, वे जल्द से जल्द गदरपुर गैस सर्विस के कार्यालय में संपर्क कर इसे पूर्ण करवा लें। कार्यालय में उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। वही जिन उपभोक्ताओं ने ई केवाईसी करानी है वह स्वयं अपना आधार कार्ड और गैस बुक लेकर कार्यालय स्टाफ से संपर्क करें। ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर है।

अग्निशमन संयंत्रों के संचालन का प्रशिक्षण दिया

बाजपुर : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सेमिनार हाल में गुरुवार को विद्यार्थियों एवं समस्त कार्मिकों के लिए अग्निशमन उपकरणों के उपयोग तथा आग से सुरक्षा एवं बचाव विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अग्निशमन विशेषज्ञ अमित शर्मा ने आग के प्रकार, आग लगने की स्थिति में बरती जाने वाली सावधानियों तथा प्रारंभिक तौर पर की जाने वाली कार्रवाइयों के बारे में जानकारी दी।

प्रहलाद पल्सिया क्षेत्र में प्रभावित परिवारों को मिलेगा पक्का आवास

आंदोलन का 16 वें दिन हुआ पटाक्षेप, परिवार के एक सदस्य को दी जाएगी नौकरी

- प्रशासन एवं आंदोलनकारियों के मध्य तीसरे दौर की वार्ता में हुई सुलह

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : प्रहलाद पल्सिया में निर्माणाधीन एक्वा पार्क के जद में आए प्रभावित परिवारों को पुनर्वास की मांग को लेकर लगातार चल रहे आंदोलन का आखिर 16 वें दिन पटाक्षेप हुआ। प्रशासन के साथ चले तीसरे दौर के वार्ता में प्रभावित परिवारों को मत्स्य विभाग द्वारा, पक्का आवास एवं परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दिए जाने पर सहमति बनी।

राजस्व विभाग ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत, वर्ष 2022 में राज्य स्तरीय इंटीग्रेटेड एक्वा पार्क एवं फिश मार्केट निर्माण के लिए, करीब 40 एकड़ भूमि मत्स्य विभाग को हस्तांतरित की थी। विभाग ने पहले तो भूमि को अपने कब्जे में लिया। अब उक्त भूमि पर बने घरों को भी हटाने की कार्रवाई शुरू की गई थी जो कि भारी विरोध के पश्चात विभाग को कार्यवाही रोकनी पड़ी थी। पीड़ित परिवारों का कहना है कि वह सभी परिवार विगत 45 वर्षों से निवास कर रहे हैं। उन्हें बिजली, पानी समेत तमाम सरकारी सुविधाएं भी मिलती रही हैं वे उद्योग के विरोध में नहीं है, लेकिन पीड़ित परिवारों को हटाने से पहले उनका पुनर्वास किया जाए। मामले में लगातार 16 वें दिन तक धरना प्रदर्शन जारी रहा। इस दौरान मत्स्य विभाग एवं प्रशासन द्वारा लगातार वार्ता किया जा रहा था, परंतु गुरुवार को सुबह से आंदोलनकारियो, प्रभावित परिवारों, उप जिलाधिकारी रविंद्र जुवांठा, मत्स्य विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर संजय छिमबाल, एवं कोतवाल सुंदरम शर्मा के मध्य चली कई दौर के वार्ता के पश्चात, तय हुआ कि प्रभावित परिवारों को मत्स्य विभाग द्वारा करीब चौदह सौ स्क्वायर फीट में, टू बी एच के का पक्का आवास बनाकर दिया जाएगा, साथ ही प्रभावित परिवारों में से किसी एक व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी। यह भी तय हुआ कि आवास एक वर्ष के भीतर प्रभावित परिवारों के सुपुर्द किया जाएगा। शासन द्वारा एक हफ्ते के भीतर प्रभावित परिवारों को पक्का भवन का आदेश मुहैय्या कराने के पश्चात ही, प्रभावित परिवार स्वयं ही कब्जा मुक्त कर देंगे। इस मौके पर पूर्व विधायक नारायण पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल, बंगाली कल्याण समिति अध्यक्ष दिलीप अधिकारी, नवतेज पाल सिंह, पूर्व चेयरमैन हरीश दुबे, उत्तम आचार्य, रामचंद्र राय, भवतोष आचार्य, हसनैन मलिक, करन जंग, सुब्रत विश्वास, समेत तमाम लोग मौजूद थे।

अधिकारियों संग वार्ता करते आंदोलनकारी। ● अमृत विचार

कुर्सी छोड़ फर्श पर ही बैठ गए तमाम प्रतिनिधि

शक्तिफार्म : प्रशासन के साथ आंदोलनकारियों एवं प्रभावित परिवारों की सुबह से दोपहर तक चली वार्ता के पश्चात भी जब कोई निष्कर्ष नहीं निकला तो पूर्व विधायक नारायण पाल आक्रोशित हो उठे एवं कुर्सी छोड़कर वार्ता कक्ष के फर्श पर ही बैठ गए। उनके साथ अन्य लोग भी फर्श पर ही बैठकर जमकर नाराजगी जाहिर की। आंदोलनकारियों का कहना था कि अधिकारी हठधर्मिता अपना रहे हैं। जब वह फर्श पर बैठे तो, सभी अधिकारी भी वार्ता कक्षा से बाहर चल दिए।

पत्रकार ओमप्रकाश मौर्य को पितृशोक

खटीमा: वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश मौर्य के पिता बसंत राम मौर्य (92) का निधन हो गया है। वह कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार मेलाघाट में जगबूड़ा नदी के तट पर किया गया। चिता को मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र ओम प्रकाश मौर्य ने दी। स्वर्गीय मौर्य वरिष्ठ कृषक एवं व्यवसायी ही नहीं एक समाजसेवी भी थे। वह अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए। उनके निधन पर राजनैतिक सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों, जन प्रतिनिधियों एवं पत्रकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शव यात्रा में विधायक भुवन कापड़ी, राजेंद्र भंडारी राजू, डॉ नवीन भट्ट, फूल चंद मौर्या, सूरज नाथ मौर्या, सच्चिदानंद मौर्य, परमानंद मौर्य, छेन्द्रपाल सिंह, सुखदेव सिंह, दीपक कुमार, सुखराज सिंह, कुलदीप सिंह, जगजीत सिंह, मनोज शाही, जगजीत सिंह मल्ली, तेजेंद्र पाल पाली, सतनाम सिंह, चरणजीत सिंह, हयात सिंह बुंगला, बलदेव सिंह, अमरजीत कुशवाहा, संजय कुशवाहा, नीतीश कुमार आदि मौजूद थे।

बसंतराम (फाइल)।

सीडीओ ने अस्पताल का निरीक्षण किया

काशीपुर में सरकारी अस्पताल में चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक लेते सीडीओ।

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एलडी भट्ट सरकारी अस्पताल का सीडीओ ने निरीक्षण किया। इस दौरान हुई चिकित्सा प्रबंधन की बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही अस्पताल में आ रही कमियों को दूर करने पर विचार विमर्श किया गया।

बृहस्पतिवार की शाम मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) दिवेश शाशनी ने एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने अस्पताल की इमरजेंसी, महिला-पुरुष वार्ड, ट्रामा सेंटर, औषधी वितरण काउंटर, प्रसव कक्ष, एसएनसीयू कक्ष और छत का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने सीएमएस कक्ष में चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक ली। इस दौरान सीएमएस डॉ. संदीप दीक्षित ने अस्पताल में सीसीटीवी कैमरे लगवाने, सफाई कार्य के लिए टेंडर निकलवाने, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए प्रोजेक्टर उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मियों की नियुक्तियां कराने, पोस्टमार्टम हाउस के लिए स्वच्छक उपलब्ध कराने, ऑक्सीजन प्लांट के लिए ऑपरेटर रखने, आउटसोर्सिंग के माध्यम से एक लैब तकनीशियन की भर्ती करने, पैथोलॉजी लैब में एसएफआरआई मशीन क्रय कराने, अस्पताल में पानी की निकासी कराने आदि प्रस्ताव की अनुमति देने की मांग की है। सीडीओ शाशनी ने बताया कि अस्पताल में मनोचिकित्सक, रेडियोलॉजिस्ट, चर्म रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, हृदय रोग विशेषज्ञ आदि के पद रिक्त चल रहे हैं। इन्हें भरने के लिए प्रयास किया जा रहा है।

नवनिर्वाचित बरहैनी समिति अध्यक्ष सतवंत कौर को पुष्प गुच्छ भेंट करते कर्मचारी।

बरहैनी दीर्घाकार सहकारी में संचालकों ने ली शपथ

बाजपुर : बरहैनी बहुउद्देशीय दीर्घाकार सहकारी समिति लिमिटेड में शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह से संपन्न हुआ। नवनिर्वाचित प्रबंध कमेटी की अध्यक्षा सतवंत कौर सहित सभी संचालकों को समिति सचिव सरफराज हुसैन ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। समिति के नवनिर्वाचित सदस्यों (संचालक) में खेम सिंह, राधिका दानू, मीनाक्षी आनंद, अनिता, हरजीत सिंह, गुरनाम सिंह, जगीर सिंह, जगजीत सिंह, अनमोल डोबाल, राकेश कुमार और गुरदीप सिंह शामिल रहे। शपथ के दौरान सभी सदस्यों ने समिति के सुचारू संचालन, पारदर्शिता और किसानों तथा क्षेत्रवासियों के हितों को सर्वोपरि रखने का संकल्प दोहराया। इस मौके पर खीम सिंह दानू, सन्नी आनंद, रामचंद्र, विजय मेहता, अशोक मेहता, दलजीत सिंह, हरपाल सिंह, मनजीत सिंह, रविंद्र पाल, अमर सिंह के साथ ही समिति कर्मचारी अंकिक करन सिंह, सुसीम खान, अगरपाल सिंह, चंदन सिंह, संजीव कुमार, कुंदन सिंह, कुंवर सिंह, हरप्रीत सिंह, अरुण कुमार, बलविंदर कौर, लाखन सिंह आदि मौजूद रहे।

जोनल कोऑर्डिनेटर ने दिलायी संविधान की शपथ

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) एवं पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित नॉर्थ जोन अन्वेषण 2025 का समापन हो गया है। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान दिवस के अवसर पर कुलसचिव एवं जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ.दीपा विनय द्वारा संविधान की शपथ दिलाने से हुई।

गुरुवार को गांधी हॉल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि अन्वेषण युवाओं को खोज, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए एक गतिशील मंच प्रदान करता है। देश के युवा वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं, जिससे 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को मजबूती मिलती है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ.ओपीएस नेगी ने रचनात्मकता और मौलिकता को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर जोर दिया। एआईयू के संयुक्त निदेशक (शोध) डॉ.अमरेंद्र पाणि ने बताया कि 2025 में एआईयू द्वारा अपनायी गयी नयी मूल्यांकन प्रक्रिया के अनुसार प्रतिभागियों की पहचान गोपनीय रखी गयी। सभी टीमों को थीम कोऑर्डिनेटर द्वारा कोड आवंटित किये गये। प्रस्तुति के दौरान केवल कोड के आधार पर ही मूल्यांकन किया गया। प्रत्येक प्रस्ताव का सात मानदंडों पर मूल्यांकन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरणविद् जुगलन विनोद प्रसाद ने छात्रों की विविध भागीदारी की सराहना करते हुए अंतर्विषयक शोध को प्रोत्साहित किया। अन्वेषण जैसे आयोजन जिज्ञासा को बढ़ाते हैं और युवा शोधकर्ताओं को उत्कृष्टता की दिशा में प्रेरित करते हैं। उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता को आज के शोध का अनिवार्य तत्व बताते हुए जलवायु-संवेदनशील तकनीकों और पर्यावरण-हितैषी नवाचारों पर कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया और जल संरक्षण की अपील की।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी और शारदा यूनिवर्सिटी अव्वल

पंतनगर : कृषि विज्ञान एवं संबद्ध विषयों के थीम समन्वयक अधिष्ठाता कृषि डॉ.सुभाष चंद्र ने बताया कि 25 से अधिक प्रतिभागी टीमों ने भाग लिया। इसमें प्रथम पुरस्कार लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, द्वितीय पुरस्कार बैनेट यूनिवर्सिटी एवं दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और तृतीय पुरस्कार शारदा यूनिवर्सिटी ने प्राप्त किया। अधिष्ठात्री सामुदायिक विज्ञान डॉ.अल्का गोयल ने बताया कि लगभग 15 से अधिक टीमों ने भाग लिया। जिसमें प्रथम पुरस्कार शारदा यूनिवर्सिटी, द्वितीय ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी और तृतीय पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय ने प्राप्त किया।

ये अधिकारी रहे मौजूद

अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डॉ.लोकेश वार्ष्णेय, अधिष्ठाता प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डॉ.एसएस गुप्ता, अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुविज्ञान डॉ.एएच अहमद, अधिष्ठाता विज्ञान एवं मानविकी डॉ.आरसी श्रीवास्तव, अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय प्रबंधन एवं जोनल को-कोऑर्डिनेटर डॉ.आरएस जादौन सहित विभिन्न निर्णायक मंडलों के सदस्य, अधिष्ठाता, निदेशक, समन्वयक, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, विद्यार्थी और देशभर के विभिन्न संस्थानों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

सितारगंज महाविद्यालय में आयोजित युवा संसद में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

युवा संसद के सदस्यों ने शिक्षा और स्वास्थ्य पर की बहस

सितारगंज : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. रेनू रानी बंसल की अध्यक्षता में युवा संसद का आयोजन किया गया। स्पीकर के सभी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने के बाद सदन की कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान सदन के नेता सौरभ भट्ट ने सरकार द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य पर किए जा रहें कार्यों से लोगों को अवगत कराया। विपक्ष के भारी हंगामा के बीच सदन की कार्यवाही रोकी गई। फिर, 20 मिनट का प्रश्नकाल रखा गया। जिसमें विपक्ष के नेताओं ने सत्ता पक्ष से कही अहम प्रश्न पूछे। प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार टम्टा ने बताया कि पुष्पा ने स्पीकर, हर्षित आर्य ने डिप्टी स्पीकर, फरीन ने महासचिव, सौरभ भट्ट ने सदन के नेता, जनक पाल ने गृहमंत्री, सुखविंदर ने विदेश मंत्री, अरुण प्रताप ने विपक्ष के नेता, देव और फेज ने मार्शल की भूमिका अदा की। वहां डॉ. प्रकाश चंद्र, डॉ. सोहनी, डॉ. अभिमन्यू, डॉ. कामना, डॉ. दीक्षा खपा, डॉ. राजविंदर कौर, डॉ. कार्तिकेय भट्ट, डॉ. ललित जोशी आदि मौजूद रहे।

जेल से जमानत मिलते ही हुआ था हमला

- पीठ के पीछे घोंप दिया था धारदार चाकू, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गांव भगवानपुर में जिस युवक पर जानलेवा हमला किया था। उसके हमलावर कुछ दिन पहले ही हत्या प्रकरण में जमानत पर रिहा हुए थे और बदला लेने के उद्देश्य से युवक के पीठ पर धारदार चाकू घोंप दिया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार घायल भगवानपुर दानपुर निवासी विशाल नारायण ने बताया कि गांव के कुछ युवकों से उसका विवाद हुआ था और पंचायत के माध्यम से मामला निपट भी चुका था। वे सभी आपराधिक प्रवृति के हैं और कुछ दिन पहले हत्या प्रकरण में जमानत पर रिहा हुए थे। उन्होंने बताया कि 25 नवंबर की शाम को जब वह घर जा रहा था तभी गांव के विशाल, शुभम, शक्ति, मनोज व करन ने घेर लिया और अभद्रता करते हुए हमला बोल दिया।

हमलावर हत्या करने की धमकी दे रहे थे। तभी हमलावर ने धारदार चाकू निकाला और भागते वक्त पीठ के पीछे घोंप दिया। चाकू के वार से पीठ के नीचे एक इंच का घाव बन गया और युवक को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उक्रांद कार्यकर्ताओं ने दी फील्ड मार्शल भट्ट को श्रद्धांजलि

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तराखंड क्रांति दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि दी। साथ ही उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उनके संघर्ष को याद किया।

गुरुवार को उक्रांद के जिलाध्यक्ष जीवन सिंह नेगी के नेतृत्व में पदाधिकारी व कार्यकर्ता गांधी पार्क में एकत्रित हुए और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की1 वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी एवं जिला संरक्षक आनंद सिंह असगोला ने दिवाकर भट्ट के राज्य आंदोलन में भूमिका के विषय में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बताया कि किस प्रकार उत्तराखंड राज्य के लिए उन्होंने अपना जीवन लगाया।

दिवाकर भट्ट हमेशा कहा करते थे कि जिएंगे तो उत्तराखंड के लिए और मरेंगे तो उत्तराखंड के लिए। इस अवसर पर जिला संरक्षक मोहन चंद्र पांडेय, जिला संरक्षक राजेंद्र जोशी, भानू मेहरा, त्रिभुवन कार्की, ठाकुर सिंह बिष्ट, अधिवक्ता राहुल कांडपाल, सुरेंद्र रावत, भूपेंद्र मेहरा,सुरेंद्र चिलवाल, मुकुल रावत, अनिल, संतोष जोशी, महिला जिलाध्यक्ष कांति भाकुनी, महामंत्री इंदु बोरा, पुष्पा जोशी, पूजा कोरंगा, जानकी जोशी, दीपा, सोना, बबीता देवी, तारा देवी, राज्य आंदोलनकारी अवतार सिंह बिष्ट मौजूद रहे।

फील्ड मार्शल दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि देते उक्रांद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

खटीमा में पूर्व कबीना मंत्री दिवाकर भट्ट को श्रद्धासुमन अर्पित करते उक्रांद कार्यकर्ता।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को दी श्रद्धांजलि

खटीमा : उत्तराखंड क्रांति दल के संस्थापक सदस्य, फील्ड मार्शल उक्रांद पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष, पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को उक्रांद कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उक्रांद नेताओं ने स्वर्गीय भट्ट के उत्तराखंड के प्रति किए गए कार्यों के लिए याद किया। शोक सभा में राज्य निर्माण सेनानी परिषद के प्रदेश अध्यक्ष शिव शंकर भाटिया, उक्रांद जिला अध्यक्ष राम सिंह धामी, कैलाश भट्ट, शहाबुद्दीन अंसारी, कमल सिंह बिष्ट, विनीता देवी, कमला देवी, भगवान सिंह, शिवलाल रस्तोगी, राज कपूर, दुर्गा सिंह सामंत, होशियार सिंह जेठी आदि मौजूद थे। इधर उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन की एक बैठक संगठन के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश तिवारी के आवास पर की गई। बैठक में उत्तराखंड के दिग्गज नेता पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि दिवाकर भट्ट उत्तराखंड राज्य आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से रहे हैं और उन्होंने राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संचालन प्रदेश महासचिव आलोक गोयल ने किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रामू जोशी, प्रदेश प्रवक्ता भगवान जोशी, प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश कॉलोनी, पूर्व मंडी अध्यक्ष नंदन सिंह खडायत, भाजपा जिला महामंत्री रमेश जोशी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अमित पांडे, कमल सकलानी, पुष्कर दत्त शकटा, टीकाराम गहतोड़ी आदि उपस्थित रहे।

श्री पुष्कर सिंह धामी
माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड
डॉ. धन सिंह रावत
माननीय स्वास्थ्य मंत्री उत्तराखण्ड
मैंने भी जीवन मे तरक्की का प्लान बनाया है
मैंने एन.एस.वी. अपनाया है
एन.एस.वी.- बिना चीरा, बिना टाँका पुरूष नसबन्दी
मिनटों का काम,
जिन्दगी भर का आराम
जिला चिकित्सालय रूद्रपुर और उप जिला चिकित्सालय काशीपुर में एन.एस.बी. प्रत्येक दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन प्रत्येक जिला चिकित्सालय व उप जिला चिकित्सालय में निःशुल्क एन.एस.बी. कैंप लगाया जाता है।
यह सेहत और समृद्धि वाला प्लान है
स्वस्थ खुशहाल परिवार,
पुरूष सहभागिता से ही होगा यह सपना साकार
परिवार पूरा होते ही
नसबन्दी अपनाइए
गर्भधारण की संभावनाओं को रोकने का स्थाई उपाय
- सुरक्षित एवं आसान
- राजकीय एवं अधिकृत निजी चिकित्सालयों में नि:शुल्क उपलब्ध
- एन.एस.बी. अपनाने पर लाभार्थी को रूपये 2000/- की क्षतिपूर्ति धनराशि प्रदान किये जाने का प्रावधान

एन.एस.वी. के फायदे
1 यह प्रक्रिया चन्द मिनटों की होती है।
2 लाभार्थी एक घण्टे के अन्दर स्वयं चलकर घर जा सकता है।
3 एन.एस.वी. के बाद भी पुरूषों का लिंग उत्तेजन और वीर्य स्खलन पहले जैसा ही होता है।
4 एन.एस.वी. के बाद भी लाभार्थी कोई भी भारी काम पहले जैसे कर सकता है।

अधिक जानकारी के लिए अपनी नजदीकी आशा या एएनएम से सम्पर्क करें।
डॉ. के.के. अग्रवाल
मुख्य चिकित्साधिकारी
ऊधम सिंह नगर
डॉ. नितिन सिंह भदौरिया (IAS)
जिलाधिकारी
ऊधम सिंह नगर
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण समिति, जनपद- ऊधम सिंह नगर
पत्रांक : एन.एच.एम./2025-26/7073 दिनांक : 27.11.2025

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना
मैंने अपने पुत्र रामसेवक निषाद के गलत आचरण व दुर्व्यवहार के चलते संबंध विच्छेद कर चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके किसी भी क्रियाकलाप से मेरा व परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा किसी से पैसे का लेनदेन करते हैं उसकी जिम्मेदारी रामसेवक निषाद उसकी पत्नी की होगी।
अशर्फी देवी पत्नी स्वर्गीय राम विरक्ष निवासी ग्राम गौठा, सितारगंज उधमसिंह नगर।

पहल पेराई सत्र 2025-26 के लिए प्रदेश की चीनी मिलों ने कार्य किया प्रारंभ

मिलों ने किया 3 .63 लाख क्विंटल चीनी का उत्पादन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पेराई सत्र 2025-26 के लिये प्रदेश की चीनी मिलों द्वारा पेराई कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। चीनी मिलों द्वारा कुल 48.40 लाख कुंतल गन्ना पेराई करते हुए 3.63 लाख कुंतल चीनी का उत्पादन किया जा चुका है। बाजपुर चीनी मिल ने अब तक 92 हजार, नादेही ने 2 लाख 4 हजार, किच्छा ने 2 लाख 58 हजार, सितारगंज ने 10 लाख 29 हजार, डोईवाला ने 85 हजार, लिब्बरहेड़ी ने 14 लाख 36 हजार और लक्सर ने 17 लाख 36 हजार गन्ने की पेराई की जा चुकी है।

गुरुवार को आयुक्त, गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, त्रिलोक सिंह मर्तोलिया ने बताया कि गन्ना कृषकों के गन्ने की निर्बाध आपूर्ति और उठान की व्यवस्था को दुरूस्त किये जाने के निर्देश सभी चीनी मिलों को दिये गये हैं। गन्ना किसानों को गन्ना आपूर्ति में असुविधा न होने पाये, इसके लिये प्रत्येक जनपदों के लिए नोडल अधिकारी नामित किये गये है, जिनके द्वारा गन्ना कृषकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जायेगा। सभी विभागीय अधिकारियों द्वारा गन्ना क्रय केन्द्रों की नियमित जांच की जायेगी और किसी प्रकार की अनियमितता पाये जाने और किसानों को गन्ना आपूर्ति में असुविधा की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जायेगी।

उत्तराखंड में गन्ने का मूल्य 450 रुपये होना चाहिए

शांतिपुरी : उत्तराखंड कांग्रेस के प्रवक्ता एवं पूर्व दर्जामंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने कहा कि उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी को ईमेल कर कहा है कि वह बार-बार कहते हैं आने वाले दशक में उत्तराखंड अव्वल होगा। जबकि अभी तक गन्ने का मूल्य निर्धारित नहीं किया गया है। डॉ. उपाध्याय ने कहा कि पंजाब ने गन्ने का मूल्य 416 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित कर दिया है। उन्हें तो गन्ने का मूल्य 450 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करना चाहिए। जब सीएम गन्ना चूसते और पटेला लगाते हुए दिखते हैं, तो लगता है वह वास्तव में किसानों की सच्चे हितैषी हैं। लेकिन कष्ट तब होता है, जब किसानों के गन्ने का मूल्य निर्धारण नहीं किया जाता है।

ब्रीफ न्यूज

बारात घर से बैटरी और जनरेटर चोरी

काशीपुर : मैरिज हॉल परिसर से चोरों ने हजारों की बैटरी पर हाथ साफ कर दिया। प्रबंधक की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। तहरीर में कुंडेश्वरी रोड स्थित कलश मंडप के प्रबंधक नरेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि 22 नवंबर को देर रात के करीब दो-तीन बजे उनके बारात घर कलश मंडप परिसर में रखे 32 केवीए का एक जेनरेटर एवं उनके संबंधी पीपल गांव निवासी नितिन कुमार का ट्रैक्टर जो, मैरिज हॉल की पार्किंग में खड़ा था उसमें से चोरों ने बैटरी चुरा ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। साथ ही मैरिज हॉल के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुट गई है।

लिवर इंफेक्शन से लाइनमैन की मौत

बाजपुर : ग्राम नमूना भट्टपुरी निवासी 37 वर्षीय छत्रपाल सैनी पुत्र शिवचरण सिंह का निधन हो गया। जानकारी के अनुसार वह पिछले कुछ दिनों से लिवर इंफेक्शन (काला पीलिया) से ग्रसित थे। गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर स्वजन उपचार के लिए अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। छत्रपाल ऊर्जा विभाग में संविदा कर्मी के रूप में लाइनमैन पद पर लंबे समय से कार्यरत थे।

छत्रपाल (फाइल)।

आधार कार्ड केंद्र पर पुलिस की हुई व्यवस्था

काशीपुर : आधार कार्ड केंद्र पर पुलिस कर्मियों की व्यवस्था होने के बाद अब अव्यवस्था नहीं फैल रही है। पिछले एक सप्ताह से आधार कार्ड केंद्र पर लोगों की भीड़ ज्यादा हो गई थी। सुबह आधार कार्ड केंद्र पर पहुंचने वाले लोगों का दोपहर तक नंबर आ रहा है। ऐसे में परिसर के अंदर लोगों की भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए सीपीडीओ ने पुलिस को पत्र लिखा था। बृहस्पतिवार सुबह पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को लाइन में खड़े होकर आधार कार्ड अपडेट कराने को कहा गया। इसके बाद से दिन में भी व्यवस्थित ढंग से लोगों ने लाइन में खड़े होकर आधार कार्ड अपडेट कराए।

नानकमत्ता में स्मार्ट मीटर समस्याओं के लिए लगा कैंप

नानकमत्ता : क्षेत्र में स्मार्ट मीटर और अधिक बिजली बिल संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए पावर हाउस में एक दिवसीय कैंप आयोजित किया गया। बिजली विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुना और मौके पर ही निस्तारण की कार्रवाई की।

बाइक पर बैठे युवक को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: सड़क किनारे बाइक पर बैठे युवक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

दानिश (फाइल)।

यूपी के जिला रामपुर की तहसील स्वार के ग्राम लाड़पुर निवासी दानिश (30) अपने भाई तौसीफ के साथ मानपुर रोड स्थित एक राइस मिल में मजदूरी करता था। बीते बुधवार की शाम ड्यूटी खत्म करके दोनों भाई दानिश व तौसीफ बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान शाम लगभग छह बजे दोनों भाई लोहियापुल यूपी बॉर्डर के पास मोड़ पर रुक गए। जहां दानिश बाइक पर बैठा रहा, जबकि तौसीफ बाइक से उतर कर सड़क किनारे बिक रही मूंगफली खरीदने चला गया। इसी दौरान लोहिया पुल मोड़ पर काशीपुर की ओर जा रहे चावल की बोरियों से लदे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक पर बैठे दानिश को रौंद दिया। हादसे में दानिश गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय लेकर आए। जहां डॉक्टर ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से भाग गया।

सरकारी और पट्टे की भूमि के दुरुपयोग, बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण को लेकर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया

अवैध निर्माण और स्टांप ड्यूटी चोरी पर कार्रवाई शुरू

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: सरकारी और पट्टे की भूमि के दुरुपयोग, बिना नक्शा पास कराए भवन निर्माण, तथा स्टांप ड्यूटी की चोरी जैसे गंभीर मामलों पर किच्छा प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला विकास प्राधिकरण, तहसील प्रशासन, खाद्य विभाग और विद्युत विभाग की एक संयुक्त टीम ने गुरुवार से शहर में व्यापक जांच अभियान शुरू कर दिया है, जिससे भवन स्वामियों में भारी हड़कंप मच गया है।

यह अभियान उप जिलाधिकारी गौरव पांडे और तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी के नेतृत्व में शुरू किया गया। पहले दिन टीम इंदिरा नगर, सिरौली कला, और वार्ड नंबर 18 एवं 19 जैसे क्षेत्रों में पहुंची और मौके पर एक दर्जन से अधिक लोगों की जांच की गई। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, तमाम खामियों के तहत लगभग 400 लोगों को चिह्नित किया गया है, जिनकी विस्तृत जांच की जाएगी। टीम ने कब्जा धारकों के भूमि रजिस्ट्री पेपर, पट्टा भूमि के दस्तावेज, राशन कार्ड और भवन मानचित्र दस्तावेजों की गहनता से जांच की। सिरौली कला में, टीम ने वर्ग एक (ख) गवर्मेंट ग्रांट एक्ट के तहत आवंटित की गई पट्टे की भूमि पर बिना मानचित्र स्वीकृति के बने तीन मंजिला विशाल भवन की जांच की। कब्जा धारक के दस्तावेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है।

किच्छा में जांच के दौरान जानकारी हासिल करते अधिकारी। ● अमृत विचार

स्टांप ड्यूटी चोरी का बड़ा खेल

जांच में सबसे बड़ा खुलासा स्टांप ड्यूटी की चोरी का हुआ है। यह बात सामने आई है कि सिरौली कला और वार्ड नंबर 19 व 20 में दर्जनों लोगों ने कई वर्षों पूर्व स्टांप पेपर के आधार पर भूमि खरीदी और बिना रजिस्ट्री तथा बिना नक्शा पास कराए दुकान एवं मकान का निर्माण कर लिया। उप जिलाधिकारी गौरव पांडे ने बताया कि स्टांप पर खरीद-फरोख्त का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, फिर भी लोगों ने 100 रुपये के स्टांप पर जमीन खरीदकर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। विद्युत विभाग ने स्टांप के आधार पर कनेक्शन लेने वाले 400 उपभोक्ताओं की सूची प्रशासन को सौंपी है, जिनके निवास पर पहुंचकर सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि विकास प्राधिकरण की रिपोर्ट के आधार पर ही अन्य विभाग आवश्यक कार्रवाई करेंगे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

गूलरभोज में अतिक्रमण पर कार्रवाई

गूलरभोज/गदरपुर : क्षेत्र में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश पर सिंचाई विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कवायद तेज कर दी गई है। उपजिलाधिकारी ऋचा सिंह के नेतृत्व में ठंडा नाला और हरिपुरा जलाशय की भूमि पर चिन्हित अतिक्रमण को 29 नवंबर को हटाया जाएगा। अतिक्रमणकारियों को स्वयं अपने निर्माण हटाने के लिए 28 नवंबर तक का समय दिया गया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन ने मुनादी करवाई और विद्युत विभाग ने अवैध कनेक्शन काटे। कई अतिक्रमणकारी शांतिपूर्वक अपना सामान हटा रहे हैं।

हाईवे पर 6 महीने से बंद कट खुलवाने को लेकर व्यापारियों ने दिया धरना

भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने एक सप्ताह में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया

- भाजपा नेता संजीव सिंह ने एसडीएम पांडे से मुलाकात कर हाईवे कट को लेकर विस्तार से की वार्ता

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर के बरेली मार्ग पर विगत 6 महीने से बंद हाइवे कट को खोले जाने की मांग को लेकर तमाम व्यापारियों ने हाईवे किनारे धरना दिया। वहीं दूसरी तरफ वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव सिंह ने एसडीएम गौरव पांडे से वार्ता कर कट खुलवाने एवं हाईवे पर हो रही दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में प्रयास करने का आग्रह किया। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के तमाम लोगों ने दरऊ चौक पर विगत 6 महीने से बंद हाईवे कट के निकट दरी बिछाकर धरना शुरू कर दिया। धरना दे रहे लोगों ने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से चौक स्थित कट को बंद कर एनएच प्रशासन द्वारा रुद्रपुर मार्ग पर सिटी पैलेस होटल के सामने तथा बरेली मार्ग पर रिलायंस पंप के निकट खोल दिया गया था लेकिन इसके बावजूद दुर्घटनाओं पर कोई अंकुश नहीं लगा है। रुद्रपुर मार्ग स्थित कट पर लगातार दुर्घटनाएं होने से कई लोगों की मौत हो चुकी है। धरना प्रदर्शन की सूचना पर पहुंचे भाजपा के मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया ने तमाम लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि उनके द्वारा एनएच प्रशासन के अधिकारियों से फोन पर वार्ता की गई है तथा एक सप्ताह के भीतर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष गोल्डी गोराया के आश्वासन पर धरना प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। इस मौके पर कांग्रेसी नेता परमजीत सिंह पम्मी, व्यापारी नेता विजय अरोड़ा एवं नितिन फुटेला, त्रिलोक सिंह, अर्जुन सिंह, अंकुर गर्ग, दिनेश भाटिया आदि मौजूद रहे। इधर वरिष्ठ भाजपा नेता संजीव कुमार सिंह ने उपजिलाधिकारी गौरव पांडे से मुलाकात कर कट खुलवाने को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि चौक स्थित कट को 6 महीने पूर्व प्रशासन द्वारा बंद किए जाने के बाद ग्रामीण क्षेत्र से नगर को आने वाले ग्रामीण, व्यापारियों तथा स्कूली बच्चों को आवाजाही में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है तथा कुछ दिनों बाद कोहरा शुरू होने से दुर्घटनाओं की आशंका और अधिक बढ़ जाएगी। एसडीएम पांडे ने कहा कि तमाम बिंदुओं पर विचार विमर्श तथा चर्चा के बाद चौक स्थित हाईवे कट को बंद किया गया था तथा कट को बंद किए जाने के बाद दुर्घटनाओं में बहुत बड़ी कमी आई है। उन्होंने कहा कि एनएच टोल प्रशासन द्वारा खोले गए दोनों कट वाले स्थान पर सांकेतिक बोर्ड, स्पीड ब्रेकर संकेत सहित पुलिस कर्मियों की तैनाती किए जाने पर समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही पुलिस प्रशासन, हाईवे प्रशासन के साथ बैठक कर अन्य समस्या का समाधान भी निकाल लिया जाएगा। भाजपा नेता संजीव सिंह ने कहा कि हाईवे पर हो रही दुर्घटनाओं पर पूरी तरह लगाम लगाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और हमें अपनी जिम्मेदारी का जनहित में ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए।

किच्छा में एसडीएम गौरव पांडे से वार्ता करते भाजपा नेता संजीव सिंह एवं अन्य लोग।

संदिग्ध परिस्थितियों में ग्रामीण की हुई मौत

शक्तिफार्म : मकान के छज्जा निर्माण को लेकर पांच भाइयों में हुए मारपीट के बाद संदिग्ध परिस्थिति में एक भाई की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है।

बैकुंठपुर निवासी पांच भाइयों में बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बृहस्पतिवार को छोटे भाई का मकान के छज्जे को लेकर बड़े भाई से विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो बड़े भाई और उसके पुत्र ने मिलकर चारों छोटे भाइयों से मारपीट की। वहीं, धक्का-मुक्की और हाथापाई के दौरान सजले भाई सुखरंजन बढ़ई (50) को अचानक सीने में तेज दर्द होने लगा एवं वह बेसुध हो गया। आनन-फानन में परिजनों ने उसे सितारगंज के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुखरंजन हार्ट का मरीज था। खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करता था। जमीनी विवाद को लेकर अक्सर परेशान रहता था।विवाद के दौरान सुखरंजन को अचानक हार्ट-अटैक आया था। इससे उसकी हालत बिगड़ गई। मामले में पुलिस क्षेत्राधिकारी बीएस धौनी ने कहा कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है । रिपोर्ट आने के पश्चात मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

शादी समारोह में विवाद बारातियों पर पथराव

संवाददाता, रुद्रपुर

- दो युवक घायल, देर रात्रि का है मामला, ट्रांजिट कैंप पुलिस ने शुरू की तफ्तीश

अमृत विचार: बुधवार की देर रात्रि शादी समारोह में उस वक्त भगदड़ मच गई। जब मामूली विवाद के बाद नशा माफियाओं ने बारातियों पर ही पथराव शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया। पथराव में वर एवं वधू पक्ष के दो युवक चोटिल भी हो गए। पुलिस ने तहरीर आने के बाद तफ्तीश शुरू कर दी है।

बताते चलें कि आजाद नगर निवासी निशा की शादी थी और बुधवार की देर रात्रि बिलासपुर से दूल्हा बारात लेकर पहुंचा ही था कि बाराती पक्ष के कुछ युवकों ने कार्यक्रम स्थल के नजदीक ही खड़े होकर पेशाब कर दिया। जिसे देखकर कर नशा माफियाओं ने अभद्रता शुरू कर दी और देखते ही देखते दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इसके बाद रात्रि 11 बजे के करीब स्थिति बेकाबू हो गई और नशा माफियाओं ने बाराती हो या फिर घरातियों पर ही जमकर पथराव करना शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि पथराव होते ही शादी समारोह में भगदड़ मच गई और चीख पुकार मचने लगी।

सूचना मिलते ही थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस फोर्स घटनास्थल पहुंची, लेकिन हमलावर फरार हो चुके थे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया।

पथराव में घायल युवक।

पथराव में परवीन विश्वास और संदीप बबली नाम के युवक भी चोटिल हो गए। जिनका प्राथमिक उपचार जिला अस्पताल में कराया गया। गुरुवार की सुबह निरपथ विश्वास ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। दरोगा अकरम अहमद ने बताया कि तहरीर के आधार पर जल्द मुकदमा दर्ज किया जाएगा। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

टीकाकरण से नहीं बल्कि अधिक रक्तस्राव से हुई नवजात की मौत

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार: सीएमओ के नेतृत्व में जांच टीम ने टीकाकरण से हुई नवजात की मौत के मामले की जांच की। जांच टीम ने बताया कि अत्यधिक रक्तस्राव के कारण नवजात की मौत हुई है।

नगर के वार्ड नंबर 6 निवासी राकेश कुमार ने बताया कि 27 सितंबर को उसकी बहू कंचन ने एक पुत्र को जन्म दिया था। 12 नवंबर को उप जिला अस्पताल, सितारगंज में तैनात एएनएम ने उसके पोते को चार टीके लगाए थे। टीके लगाने के दिन से ही पोते की तबीयत खराब हो गई थी। बताया कि टीका लगाने वाली जगह से उसे अधिक रक्तस्राव हो रहा था तो उसे दोबारा उप जिला अस्पताल में दिखाया था। वहां स्वास्थ्यकर्मियों ने महज औपचारिकता निभाने के बाद वापस घर भेज दिया था।

इसके बाद 18 नवंबर को परिजनों ने उसे रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां टीकाकरण के 10 दिन बाद रविवार को नवजात की मौत हो गई। इसके बाद परिवारजनों की शिकायत पर सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल ने जांच कमेटी का गठन किया था।

बृहस्पतिवार को सीएमओ केके अग्रवाल के नेतृत्व में जांच टीम में डब्लूएचओ के अधिकारी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आरडी भट्ट, उप जिला चिकित्सालय के पीएमएस डॉ. केसी पंत ने अस्पताल पहुंचकर नवजात के टीकाकरण के रिकार्ड की जांच की। साथ ही, परिजनों और स्वास्थ्यकर्मियों के बयान दर्ज किए। सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल ने बताया कि टीकाकरण से नहीं बल्कि अधिक रक्तस्राव के कारण नवजात की मौत हुई है। इस बारे में परिजनों को अवगत कराया है। वहीं, राकेश कुमार ने बताया कि जांच समिति की रिपोर्ट व पीएम रिपोर्ट उन्हें नहीं मिली है। दोनों रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई कराई जाएगी।

कबाड़ में विस्फोट चार लोग घायल

सितारगंज : आग सेकने के लिए जलाए कबाड़ में अचानक विस्फोट हो गया। इससे आग सेक रहे चार लोग बुरी तरह घायल हो गए। चारों को इलाज के लिए उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। गांव पंडरी स्थित साईं पेट्रोल पंप के पास साबिर अहमद की कबाड़ की दुकान है। बुधवार को आसपास के लोगों ने आग सेकने के लिए वहां कबाड़ जलाया था। तभी अचानक उसमें विस्फोट हो गया। इससे आग सेक रहे गांव पंडरी निवासी कामिल हुसैन अफसार, जिशान और सुल्तान बुरी तरह घायल हो गए। सभी घायलों को उप जिला अस्पताल सितारगंज में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने कामिल को हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

35 अस्थायी अतिक्रमण हटाए गए

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: हरियावाला से ग्राम बसई को जाने वाले मार्ग पर यातायात में बाधक बन रहे 35 अस्थायी अतिक्रमण को लोक निर्माण विभाग ने पुलिस-प्रशासन के सहयोग से जेसीबी से ध्वस्त करा दिया।

बृहस्पतिवार को तहसीलदार पंकज चंदौला, लोनिवि के एई परवेज आलम, जेई वीरपाल सिंह ने सूर्या पुलिस चौकी की पुलिस टीम के साथ हरियावाला से ग्राम बसई को जाने वाले मार्ग से अस्थायी अतिक्रमण व होर्डिंग को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया। लोनिवि के एई परवेज आलम ने बताया कि इस मार्ग पर अधिकांश दुकानदारों ने दुकानों के आगे अतिक्रमण कर रखा था। इस मार्ग से काफी संख्या में बड़े वाहनों की आवाजाही होती है, ऐसे में दुकानों के आगे बने शेड, खोखे व काउंटर आवागमन में बाधक बन रहे थे। एई ने बताया बीते सोमवार को क्षेत्र में मुनादी कराकर सभी दुकानदारों से अपने अस्थाई अतिक्रमण स्वयं हटाने की चेतावनी दी गई थी। दो दिन का समय गुजरने के बाद लोनिवि ने अपनी भूमि से लगभग 35 अस्थायी अतिक्रमण को जेसीबी के माध्यम से ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

काशीपुर में जेसीबी से अतिक्रमण हटाती टीम। ● अमृत विचार

दुल्हन के मेकअप को लेकर विवाद

शक्तिफार्म : शादी के पश्चात रिसेप्शन पार्टी के दौरान दुल्हन के मेकअप को लेकर हुई कहासुनी हंगामे में तब्दील हो गया। जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग भी चोटिल हुए। इसके पश्चात नाराज दुल्हन पक्ष, नवविवाहित दुल्हन को ही अपने साथ लेकर चलते बने। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक का नानकमत्ता निवासी युवती के साथ विवाह हुआ। बुधवार को दूल्हे के घर पर रिसेप्शन पार्टी का आयोजन किया गया। इसमें नानकमत्ता से दुल्हन पक्ष के लोग भी शामिल हुए। पार्टी के दौरान दुल्हन पक्ष के किसी महिला रिश्तेदार ने दुल्हन के खराब मेकअप करने को लेकर दूल्हे के परिजनों पर टिप्पणी कर दी। इससे दूल्हा पक्ष नाराज हो गया।

मुखर

सरकार से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांग पर हस्तक्षेप करने की उठाई मांग, कार्यकत्रियां बोलीं-मांगों पर सरकार कर रही अनदेखी

पूर्व विधायक ठुकराल ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया समर्थन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: छह सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का क्रमिक अनशन और धरना प्रदर्शन जारी है। वहीं अब आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के धरने को पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने भी अपना समर्थन दे दिया है। इस दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कार्यकत्रियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। साथ ही उनकी मांगों को न्यायसंगत बताते हुए सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की।

गुरुवार को विकास भवन परिसर में धरना प्रदर्शन के दौरान आंदोलनकारी कार्यकत्रियों ने कहा कि पिछले लंबे समय से सरकार और विभाग उनकी मांगों की अनदेखी कर रहे हैं। मार्च 2024 में राज्य सरकार ने मानदेय वृद्धि के लिए कमेटी गठित करने का आश्वासन दिया था, लेकिन यह कमेटी आज तक केवल कागजों में ही सीमित है और व्यावहारिक स्तर पर कोई प्रगति नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि उनकी मांग है राज्य कर्मचारी का दर्जा देने, सुपरवाइजर के रिक्त पदों पर पदोन्नति, सेवानिवृत्ति पर आर्थिक सहायता, सेवानिवृत्ति पर न्यूनतम पांच लाख रुपये दिए जाने, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार ग्रेच्युटी लाभ लागू करने और फेस कैप्चर प्रणाली को समाप्त करने आदि। उन्होंने कहा कि दिन-रात मेहनत करने के बावजूद उन्हें सम्मानजनक मानदेय और मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं।

इस अवसर पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष सुशीला खत्री, अनीता सिंह, हंसा लोहनी, रूचिका घई, माधुरी शर्मा, रचना खुराना, सुरेखा चौहान, अनीता कटारिया, तारा भट्ट, अमृत कौर, अनीता राजकुमारी, शीतल, पूनम यादव, कमला, सारिका, मीरा, शोभा, मीना, भावना, सोमा, गीता रानी, मीरा गुप्ता, प्रियंका, भावना सक्सेना आदि मौजूद रहीं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को समर्थन देने पहुंचे पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल।

बाजपुर में मांगों को लेकर तहसील में धरना-प्रदर्शन करतीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

मानदेय बढ़ाने समेत लंबित मांगों को लेकर प्रदर्शन

बाजपुर : मानदेय बढ़ाने समेत अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर आंदोलनरत उत्तराखंड राज्य आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ से जुड़ी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने 14वें दिन भी तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। उन्होंने साफ कहा है कि यदि सरकार मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर शासनादेश जारी नहीं करती है तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मंजू गोस्वामी, रेखा पांडेय, ललिता भट्ट, सुनीता, मालती, कांति कुमारी, खष्टी देवी, प्रेमा तिवारी, शौकीन जहां, कमला पांडेय, नवनीत कौर, रेखा, अनीता, लज्जा, गीता रानी, कविता भारती आदि मौजूद रहे।

चेक बाउंस प्रकरण में तीन माह का कारावास

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: आठ लाख का चेक बाउंस प्रकरण के दोषी को तीन माह के कारावास की सजा हुई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। साथ ही अदालत ने दोषी महिला को 8.05 लाख रुपये का अर्थदंड देने की भी आदेश दिया।

परिवादी के अधिवक्ता आदेश कुमार ने बताया कि शिमला पिस्तौर निवासी आयुष कालड़ा ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया था कि उसकी माधव इंडस्ट्रीज के नाम से फर्म है। परिवादी कंचन नेगी नालंदा रेजिडेंटल बनखंडी नाथ नगर किच्छा से कारोबारी व परिवार रिश्ता भी है। 30 जुलाई 2019 को कंचन द्वारा आठ लाख रुपये उधार लिए थे और जल्द लौटने का आश्वासन भी दिया था। निर्धारित समयानुसार निकल जाने के बाद भी जब रकम नहीं लौटाए और तगादा किया। बावजूद परिवादी द्वारा दिया गया चेक भी बाउंस हो गया। अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस का जवाब भी नहीं दिया। जिसके बाद पीड़ित ने याचिका दायर की और प्रकरण की सुनवाई न्यायिक मजिस्ट्रेट रिजवान अंसारी की अदालत में हुई। जहां पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता ने साक्ष्य पेश किए। दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद अदालत ने चेक बाउंस की दोषी कंचन नेगी को तीन माह का साधारण कारावास और 8.05 लाख रुपये का अर्थदंड देने का फैसला सुनाया।

ब्रीफ न्यूज

स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर ने सुझाव दिए

काशीपुर : स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर नदीमउद्दीन एडवोकेट ने नगर आयुक्त रविंद्र बिष्ट से मिलकर उन्हें स्वच्छता को लेकर सुझाव दिये। गुरुवार को नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर तथा माकाक्स संस्था के अध्यक्ष नदीमउद्दीन ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर काशीपुर की सफाई व्यवस्था में सुधार करने व उसे राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में अग्रणी स्थान दिलाने को लिखित रूप से सुझाव उपलब्ध कराये। कहा कि इसमें मुख्य रूप से कूड़ा सड़क पर डालने पर रोक, झाड़ू लगाने में कूड़ा नालियों में डालने पर रोक, घरों के दरवाजे से कर्मचारी द्वारा कूड़ा एकत्र करने की व्यवस्था, पर्यावरण मित्रों को दस्ताने आदि की समुचित व्यवस्था आदि सुझाव शामिल हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि सफाई व्यवस्था तथा राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में काशीपुर की रैंकिंग सुधारने को प्रभावी कदम उठाए जाएंगे।

पंजाब, चंडीगढ़ के लिए नई ट्रेनें चलाने की मांग

काशीपुर : ग्राम बेगमाबाद दभौरा काशीपुर निवासी पूर्व उप महाधिवक्ता परनीत सिंह ग्रेवाल ने दिल्ली जाकर रेल भवन में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू से मुलाकात की तथा ज्ञापन देकर पंजाब, चंडीगढ़ और नांदेड़ साहिब के लिए नई ट्रेनें चलाने की मांग की। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में यहां के लोग पीजीआई चंडीगढ़ में इलाज के लिए आते हैं तथा हजारों श्रद्धालु श्री अमृतसर स्वर्ण मंदिर, नांदेड़ साहिब और मां वैष्णो देवी दरबार में जाते हैं। रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे जल्द ही इस बारे में विचार कर उक्त मांगों पर उचित कार्यवाही अमल में लायेंगे। उनके साथ प्रतिनिधिमंडल में हरप्रीत सिंह, हरविंदर सिंह गिल, गगन सिंधु, गुरप्रीत सिंह आदि शामिल थे।

इंडेन गैस उपभोक्ता के लिए सत्यापन अनिवार्य

अल्मोड़ा : इंडियन गैस सर्विस चौघानपाटा अल्मोड़ा ने उज्ज्वला योजना के सभी उपभोक्ताओं को अपना ई-केवाईसी समय पर पूरा कराने की अपील की गई है।गैस सर्विस के प्रबंधक मुकेश जलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी रिफिल उन्हीं उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनकी ई-केवाईसी पूरी हो चुकी होगी। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं करवाई है, वे जल्द से जल्द मालरोड स्थित गैस सर्विस चौघानपाटा के कार्यालय में संपर्क कर इसे पूर्ण करवा लें। उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी प्रक्रिया से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

चम्पावत में विद्यार्थियों ने जानी नशा मुक्ति की राह

सीएम की पत्नी गीता धामी ने किया शुभारंभ, भाषण में गीता गहतोड़ी प्रथम, हार्दिक द्वितीय और मनीषा तृतीय स्थान पर रहीं

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचारः सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन द्वारा फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी की अध्यक्षता में सोबन सिंह जीना कैंपस राजकीय महाविद्यालय, चम्पावत में नशा मुक्ति जनजागरण एवं युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें जागरूक, जिम्मेदार और सकारात्मक समाज निर्माण की दिशा में प्रेरित करना था। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। नशे के प्रभाव को सरल और प्रभावी ढंग से समझाने के लिए सूचना विभाग के कुमाऊ लोक सांस्कृतिक कला दर्पण, लोहाघाट दल द्वारा भावनात्मक एवं प्रेरक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित दर्शकों को गहराई से जोड़ते हुए नशे के पारिवारिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर मार्मिक संदेश दिया। लघु फ़िल्म प्रदर्शन के माध्यम से भी नशामुक्ति संदेश को सशक्त बनाया गया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा "नशा मुक्त उत्तराखंड" विषय पर विचार-संवाद, चर्चा, भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भाषण प्रतियोगिता में गीता गहतोड़ी प्रथम, हार्दिक द्वितीय तथा मनीषा तृतीय रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में गुंजन कार्की ने प्रथम, ऋद्धि ने द्वितीय तथा प्रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने युवाओं को नशीले पदार्थों के कानूनी, सामाजिक और व्यक्तिगत खतरों के प्रति जागरूक करते हुए नशे से दूरी बनाने और सकारात्मक संगति अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष बहुगुणा द्वारा विशेष काउंसलिंग सत्र आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। साथ ही तनाव प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने "नो टू ड्रग्स" सेल्फी अभियान में भाग लिया और नशामुक्त समाज के प्रति अपने संकल्प को दोहराया। समाज में नशे के विरुद्ध लड़ाई और जागरूकता के लिए उत्कृष्ट योगदान देने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की धर्मपत्नी एवं सेवा संकल्प (धारिणी) फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी द्वारा श्याम श्रवा आर्य और जनक चन्द को सम्मानित किया गया।

फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा सामूहिक नशामुक्ति शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा किसी एक व्यक्ति की समस्या नहीं, बल्कि पूरे परिवार के सपनों, स्वास्थ्य और खुशियों को प्रभावित करने वाली एक सामाजिक चुनौती है। यदि हमारी पहल किसी युवा को नशे से दूर रख सके, किसी मां के मन की चिंता कम कर दे, किसी विद्यार्थी का भविष्य सुरक्षित कर दे तो यही हमारे मिशन की सच्ची सफलता है।

चम्पावत में छात्राओं का उत्साह बढ़ातीं सेवा संकल्प फाउंडेशन की फाउंडर ट्रस्टी गीता धामी। ● अमृत विचार

क्लस्टर आउटलेट के अवलोकन के दौरान महिला उद्यमियों के साथ गीता धामी। ● अमृत विचार

हाउस ऑफ हिमालयाज ने मजबूत प्लेटफार्म दिया

चम्पावत : सेवा संकल्प फाउंडेशन की फाउंडेशन ट्रस्टी गीता धामी ने अमोड़ी में स्थित नारी शक्ति महिला क्लस्टर आउटलेट का अवलोकन किया। कहा कि, यहां प्रदर्शित स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री, सिलाई-कढ़ाई तथा अन्य स्वरोजगार आधारित गतिविधियां न केवल पहाड़ की पारंपरिक समृद्धि का प्रतीक हैं बल्कि महिलाओं की आत्मविश्वासपूर्ण प्रगति का सशक्त प्रमाण भी हैं। महिलाओं ने जिस लगन, कौशल और नवाचार के साथ अपने उद्यमों को विकसित किया है, वह वास्तव में सराहनीय है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में स्थापित 'हाउस ऑफ़ हिमालयाज' अंब्रेला ब्रांड ने उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों के लिए एक मजबूत और एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रदान किया है। इस पहल ने पर्वतीय उत्पादों को उच्च गुणवत्ता वाले बाजारों से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। वहीं, विकासखंड परिसर, चम्पावत में मातृशक्ति के साथ मिलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर में चल रहे अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के अंतर्गत पौधारोपण किया। साथ ही, ब्लॉक सभागार में महिला विकास संकुल संघ खर्ककार्की के अंतर्गत आयोजित जेंडर संवेदीकरण कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए महिला स्वयं सहायता समूहों की बहनों के साथ संवाद किया।

आशा बनीं महतगांव हाईस्कूल की एसएमसी अध्यक्ष

बैरती (अल्मोड़ा): क्षेत्र के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महतगांव में सत्र 2025-26 के लिए आशा देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष मनोनीत कर लिया गया है। विद्यालय में आयोजित शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी में नयी प्रबंधन समिति गठित की गई। इसमें अध्यक्ष आशा देवी, सचिव प्रधानाध्यापक अनिल कुमार (पदेन) के अलावा अन्य सदस्य पूर्ववत रखते हुए गठन किया गया।

आयोजित गोष्ठी में प्रधानाध्यापक अनिल कुमार ने आगन्तुकों का आभार जताते हुए समग्र शिक्षा के अन्तर्गत प्राप्त मदों व गत सत्र का आय- व्यय विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में सत्र 2024-25 की गतिविधियों, परीक्षाफल, शैक्षिक उन्नयन, नवाचारों एवं भौतिक संसाधन उपलब्धता आदि पर चर्चा की गई। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक कैलाश चंद्र पांडेय ने इस अवसर पर अपने संबोधन में अभिभावकों की सहभागिता व जागरूकता का शैक्षिक उन्नयन से सीधा संबंध होने की बात कही। संचालन संजय सिंह फर्त्याल ने किया। नव गठित प्रबंधन समिति ने विद्यालय हित में पूर्ण मनोयोग से कार्य करने का संकल्प इस अवसर पर व्यक्त किया।

अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा करें

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचारः जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला गंगा समिति मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला सभागार में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय गंगा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों की अनुपालन स्थिति की गहन समीक्षा की गई तथा सीवरेज प्रबंधन, ठोस एवं जैव-चिकित्सा अपशिष्ट निस्तारण, नदी तटों पर अतिक्रमण, जल गुणवत्ता सुधार और जनजागरूकता गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

डीएम ने सभी विभागों को लंबित एवं अधूरे कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा विभागीय समन्वय को और मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नदियों में ठोस अपशिष्ट के निपटान पर सख्त रोक लगाने और नदी तटों से सटे नगर निकायों को प्लास्टिक एवं ठोस कचरे के प्रभावी निस्तारण की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

स्वच्छता व्यवस्था को लेकर डीएम ने नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगर क्षेत्रों में कूड़ा कलेक्शन वाहन नियमित रूप से संचालित हों और किसी भी स्थान पर गंदगी न फैले।

उन्होंने सभी विभागों से कहा कि गंगा संरक्षण सामूहिक दायित्व है। उन्होंने सभी विभागों से जल संरक्षण, जल संचयन तथा अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों की कार्यशीलता का संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीओ वन सुनील कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका चम्पावत भरत त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लोहाघाट सौरभ नेगी, ईई लोनिवि एम.सी. पलड़िया, अधिशासी अभियंता जल संस्थान आदि मौजूद रहे।

चम्पावत में बैठक लेते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

संकल्प का राष्ट्रीय फुटबॉल के लिए चयन

अल्मोड़ा : 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए जिले के होनहार खिलाड़ी संकल्प कनवाल का चयन हुआ है।

जिला फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश कनवाल ने बताया कि विवेकानंद इंटर कॉलेज रानीधारा अल्मोड़ा के कक्षा सावतीं के छात्र संकल्प ने बीते दिनों चयन प्रक्रिया प्रतिभाग किया था। इस दौरान शानदार प्रदर्शन पर उनका अंडर-14 राष्ट्रीय विद्यालयी फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ है। बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन आगामी एक दिसंबर से उमरिया मध्य प्रदेश में होगा। संकल्प के चयन पर जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, अरूण बग्याल ने खुशी जताई है।

कोसी बैराज को पर्यटन स्थल के रूप किया जाएगा विकसित

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने गुरुवार को राम प्रसाद टम्टा कोसी बैराज का किया स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां इको-टूरिज्म, वाटर एक्टिविटीज, पिकनिक स्पॉट विकास, ट्रैकिंग ट्रेल्स, व्यू प्वाइंट और स्थानीय उत्पादों के विपणन जैसे कई संभावित क्षेत्रों को विकसित किया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने बैराज क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की संभावनाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन विकास से जुड़े बुनियादी ढांचे का सर्वे तैयार किया जाए। इसके अलावा उन्होंने मुख्य मार्ग से बैराज तक आकर्षक रंग वाले फूलों के पेड़ लगाने, पूरे मार्ग पर हेरिटेज पोल और द्वार बनाए जाने समेत सोलर लाइट लगाने के निर्देश संबंधित को दिए गए। डीएम ने कहा कि इस पूरे बैराज क्षेत्र की भूमि का सीमांकन भी किया जाए। जिससे पर्यटन गतिविधियों को लेकर विस्तृत प्लान तैयार किया जा सके। वहीं, उन्होंने बैराज में बोटिंग, जिपलाइन पर्यटन, कैफे एरिया, पार्क और कैंटीन के संचालन के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश भी दिए। यहां उप निदेशक पर्यटन प्रकाश सिंह खत्री, ईई सिंचाई मोहन सिंह रावत आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा कोसी बैराज का निरीक्षण करते जिलाधिकारी अंशुल सिंह। ● अमृत विचार

अल्मोड़ा में एनएचएम की ओर से टॉक शो का आयोजन किया गया। ● अमृत विचार

अधिकारों और सुरक्षा के बारे में किया जागरूक

अल्मोड़ा, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर टॉक शो का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों को डिजिटल धोखाधड़ी और ऑनलाइन हिंसा से निपटने के तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए लघु वीडियो और रील साझा किए गए। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। मां अम्बे इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज अल्मोड़ा में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों और सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाना हैं। लैंगिक समानता को बढ़ावा देना और महिलाओं को सशक्त बनाना है। वहीं, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम भी आयोजित किए गया। जिसमे इंस्टिट्यूट के छात्र छात्राओं को तम्बाकू व नशे से बचने के लिए प्रेरित किया व नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। यहां परामर्शदाता भगवत मनराल, सामाजिक कार्यकर्ता सुचिता भट्ट, जिला समन्वयक पीसीपीएनडीटी धीरज साह, चंपा भट्ट, संदीप सिंह, डॉ. प्रीति पाल समेत संस्थान के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

जन समस्याओं का होगा निराकरण

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः विकासखंड लमगड़ा के ग्राम पंचायत दोघोड़िया के तोक गोड़िया में गुरुवार को सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सीडीओ ने जनता की समस्याओं को सुनी और हर संभव निराकरण का आश्वासन दिया।

मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा ने गांव पहुंचकर लोगों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने बताया कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं वाला कार्यक्रम है। इसका उद्देश्य है कि लोगों तक अधिकारियों की सुलभ पहुंच स्थापित हो। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा मुख्य समस्या के रूप में ग्रामीण क्षेत्र की सुरक्षा दीवार, सिंचाई एवं रोड बनाने समेत कई समस्याओं को रखा। जिसके निराकरण को सीडीओ ने ग्रामीणों का आश्वासन दिया।

लमगड़ा के तोक गोड़िया में सीडीओ ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ● अमृत विचार

दस सूत्रीय समस्याओं के निराकरण की उठाई मांग

अल्मोड़ा : राजकीय संग्रहालय सभागार में गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन का वार्षिक समारोह हुआ। कार्यक्रम में पेंशनर्स कोष बंद न करने समेत दस सूत्रीय समस्याओं के निदान की मांग की। वार्षिक समारोह के दौरान गिरीश चंद्र मल्होत्रा, आनंदी वर्मा, सुनयना मेहरा को सम्मानित किया। पेंशनर्स ने मांगों को पूरा करने के लिए मुख्य कोषाधिकारी वीरेंद्र रावत को मांग पत्र सौंपा। आठवें वेतन आयोग से पेंशनर्स के लिए जारी टीओआर में से अनफंडेड नॉन कंट्रिब्यूटरी शब्द हटाने, वित्त विधेयक से विवादित धाराएं रद्द करने की सिफारिश करने, गोल्डन कार्ड योजना में ओपीडी में निशुल्क इलाज की सुविधा, राज्य सलाहकार समिति के गठन आदि की मांग की। महामंत्री चंद्रमणी भट्ट मौजूद रहीं।

चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

अल्मोड़ा : धौलछीना पुलिस ने 302 ग्राम चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

थानाध्यक्ष धौलछीना सुनील सिंह बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस जनसहायता केन्द्र बाड़ेछीना के पास एक व्यक्ति संदिग्ध प्रतीत हुआ। पुलिस ने व्यक्ति को रोका और तलाशी ली। इस दौरान आरोपी हरीश राम पुत्र लछम राम, निवासी मनीआगर, धौलछीना जिला अल्मोड़ा के कब्जे से 302 ग्राम चरस बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने चरस को सीज कर आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार बरामद चरस की कीमत करीब 60 हजार से अधिक आंकी गई।

रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे : अग्रवाल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः कुमायूं गढ़वाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केजीसीसीआई) के अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने कहा कि केजीसीसीआई द्वारा पिछले लंबे समय से उठाई जा रही महत्वपूर्ण मांग के क्रम में राज्य कैबिनेट द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

पवन अग्रवाल।

गुरुवार को केजीसीसीआई अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि इस व्यवस्था से महिला कर्मचारियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा राज्य की जीडीपी में वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि इससे महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता बढ़ेगी, महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी और उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी को एक सुरक्षित ढांचा प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि केजीसीसीआई द्वारा पूर्व में भी शासन स्तर पर यह मांग उठाई गई थी कि श्रम विभाग के अंतर्गत औद्योगिक प्रतिष्ठानों में पंजीकरण के लिये कर्मचारियों की संख्या 10 से बढ़ाकर 20 की जानी चाहिए, ताकि अधिक से अधिक छोटे उद्योग इस श्रेणी में सम्मिलित हो सकें। औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए राज्य कैबिनेट द्वारा इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए पंजीकरण के लिये कर्मचारियों की संख्या 10 से बढ़ाकर 20 कर दी गई है।

निगम में 35 नए सफाई वाहन मिले

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः नगर निगम की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। नगर निगम को मिले 35 नये कूड़ा वाहनों के साथ क्षेत्र में स्वच्छ काशीपुर-सुंदर काशीपुर के तहत रैली निकाली गई। जिसमें पार्षद, अधिकारी, नगर निगम कर्मचारी, एसएसजी समूह की महिलाएं, पर्यावरण मित्र, भाजपा पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

गुरुवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मेयर दीपक बाली ने लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत संकल्प और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में काशीपुर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर बनाना निगम का लक्ष्य है। कहा कि वाहनों में वार्डवार वाहन नंबर, कंप्लेंट नंबर, तथा सुपरवाइजर का मोबाइल नंबर अंकित है। इससे किसी भी वार्ड का नागरिक सीधे सुपरवाइजर से संपर्क कर सकता है।

सभी वाहनों में जीपीएस सिस्टम और जन-जागरूकता ऑडियो सिस्टम लगाया गया है। जल्द ही निगम में एक अत्याधुनिक कंट्रोल रूम शुरू होगा, जिसके माध्यम से यह पता चल सकेगा कि कौन सा वाहन किस रूट पर है।

कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को तीन चरणों में सुधारने की योजना बनाई गई। पहला चरण घर-घर से कचरा संग्रहण और रूट मैप आधारित वाहन संचालन पर केंद्रित है। मेयर ने कचरा प्रबंधन कंपनी को वाहनों की चाबी सौंपी। इसके बाद स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई।

काशीपुर में कचरा प्रबंधन कंपनी को वाहनों की चाबी सौंपी मेयर व पार्षद।

जीएसटी पद पर कार्यरत पूर्व छात्र का स्वागत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज में आगरा में सेंट्रल सुपरिटेंडेंट जीएसटी एवं कस्टम पद पर कार्यरत उदयराज हिंदू इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र आलोक कुमार सक्सेना के विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्य बृजेश कुमार गुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका बुके भेंट कर स्वागत किया।

गुरुवार को स्वागत कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र सक्सेना ने विद्यालय के अपने बीते दिनों की याद ताजा करते हुए छात्रों से अपने गुरुओं का सम्मान करने तथा उन्हें अनुशासन और समर्पण भाव के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने छात्रों के साथ सेल्फी, फोटो लेकर उनका उत्साहवर्धन किया। प्रधानाचार्य गुप्ता ने कहा कि विद्यालय का एक इतिहास रहा, जहां से हजारों की संख्या में छात्र पढ़कर देश-विदेश में बड़े-बड़े उच्च पदों तथा व्यावसायिक क्षेत्रों में आसीन होकर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ा रहे हैं। इस दौरान आर्य कन्या इंटर कॉलेज प्रधानाचार्या रिंकू सक्सेना, विशिष्ट अतिथि पंकज सक्सेना, मेजर मुनीशकांत शर्मा, रोशन लाल वर्मा, महेश चंद्र आर्या, पंकज अग्रवाल, मनोज शर्मा, दीपक शर्मा, कौशलेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

कोच व खिलाड़ी किए सम्मानित

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचारः जिलाधिकारी मनीष कुमार ने फुटबॉल खिलाड़ी नैतिक करायत को अंडर-14 फुटबॉल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। नैतिक का चयन राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता (स्कूल नेशनल अंडर-14) में उत्तराखंड टीम के लिए हुआ है, जो उनके समर्पण, कठिन परिश्रम और निरंतर उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन का परिणाम है।

कोच नीतीश ढेक ने बताया कि नैतिक करायत ने पूरे सीज़न में बेहतरीन खेल कौशल दिखाया है और उनका राष्ट्रीय टीम के लिए चयन चम्पावत जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह न केवल नैतिक के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक क्षण है। राष्ट्रीय फुटबॉल ट्रायल्स 1 से 6 दिसंबर तक मध्य प्रदेश में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें देशभर से चुने गए प्रतिभाशाली खिलाड़ी भाग लेंगे। नैतिक ने कहा कि वह आगामी ट्रायल्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपनी जगह पक्की करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे। डीएम ने इस उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरक बताते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी जनपद का नाम रोशन कर रहे हैं और इससे खेलों को बढ़ावा देने में नई ऊर्जा मिलती है। उन्होंने कोच को भी उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए शुभकामनाएं दीं।

चम्पावत में फुटबॉल खिलाड़ी नैतिक करायत को सम्मानित करते डीएम मनीष कुमार।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अपनी अलग पहचान बना रहे बरेली के किसान

सिंदूर की फली

बरेली, जो कभी मुख्य रूप से गन्ना उत्पादक क्षेत्र के रूप में जाना जाता था, अब एक महत्वपूर्ण कृषि क्रांति का साक्षी बन रहा है। यहां के किसान अब केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार की प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली नीतियों के साथ-साथ खुद भी इनोवेशन को अपना रहे हैं। बरेली के किसानों ने ड्रोन तकनीक, आधुनिक सिंचाई प्रणालियों और जैविक खेती को अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। सबसे बड़ा बदलाव 'विविधीकरण' के क्षेत्र में आया है। अब यहां विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट', वाइन ग्रेप्स और अन्य विदेशी प्रजाति की सब्जियाँ सफलतापूर्वक उगाई जा रही हैं। इस परिवर्तन में एक प्रेरक पहलू बड़े शहरों की बडे.पैकेज की नौकरी छोड़कर गांव लौटे शिक्षित युवाओं की भूमिका है। इन युवाओं ने आधुनिक कृषि तकनीकों और विदेशी फसलों की खेती से कृषि वैज्ञानिकों तक को चकित कर दिया है, युवाओं ने साबित कर दिया कि कृषि एक लाभदायक और सम्मानजनक कॅरियर विकल्प है। फसल उत्पादन के अलावा, कृषि से जुड़े अन्य क्षेत्रों में भी प्रगति हो रही है। गुजरात की देसी 'गिर' गायों का दुग्ध कारोबार यहां आगे बढ़ रहा है। बरेली की अर्थव्यवस्था कृषि के क्षेत्र में एक नया रूप ले रही है।

अंगूर के साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं

प्राचीन काल में पांचाल राज्य का हिस्सा रही वर्तमान बरेली विदेशी प्रजाति के अंगूर व इससे बनने वाले वाइन कारोबार में विदेशी बाजारों का प्रभुत्व तोड़ेगी। यहां अंगूर के उत्पादन साथ अन्य 'सब ट्रॉपिकल' फसलें उगाने की अपार संभावनाएं हैं। प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी ने इसे सिद्ध कर दिया है। वर्तमान में महाराष्ट्र के नासिक में अंगूर की खेती होती है, जबकि अमेरिका समेत कई यूरोपीय देशों में अंगूर की खेती होती है। जलवायू अनुकूल होने के कारण एक ओर जहां इन देशों में अंगूर का उत्पादन खूब होता है, वहीं इससे खुशबूदार वाइन भी खूब बनती है। यही वजह है कि वैश्विक बाजार में अंगूर के साथ विदेशी वाइन छायी हुई है। विश्व में ८०-९० प्रतिशत अंगूर वाइन, जूस व किशमिश बनाने में इस्तेमाल होता है। अब बरेली में भी विदेशी प्रजाति के अंगूर व वाइन का उत्पादन बढ़ सकेगा और बरेली की अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बन सकेगी। सरकारी सहयोग मिला तो यह शहर अंगूर की खेती का 'अन्तर्राष्ट्रीय हब' बन जाएगा। बरेली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने में 'जिद', 'जज्बा' व 'जुनून' के साथ लगे यहां के टिगरी गांव निवासी प्रगतिशील किसान अनिल कुमार साहनी का कहना है कि आजकल के युवा किसान 'खेती-किसानी' को घाटे का सौदा मानकर इससे मुंह मोड़ रहे हैं। वे अपने पूर्वजों की पुश्तैनी जमीन पर खेती करने के बजाय उसे बेचकर शहरी जीवन के चकाचौंध में जाने को आतुर हैं, पर इसमें उन्हें वास्तविक सफलता नहीं मिलनी वाली है।

विभिन्न किस्में लगा सकते हैं खेत में

किसान अपने खेतों में विभिन्न विदेशी किस्मों की फसलें लगा सकते हैं। प्रगतिशील किसान साहनी ने तो अपने फार्म हाउस में विदेशी अंगूर व अन्य विदेशी पौधे लगाये गए। यहां आम लोगों के खाने में इस्तेमाल होने वाले विदेशी अंगूर के साथ वाइन बनाने वाले विदेशी अंगूर 'वाइन ग्रेप्स' भी लगाये गए हैं। इसमें फ्रांस, इटली, आस्ट्रेलिया, ग्रीस आदि देशों की 35 किस्में शामिल हैं। साहनी ने सिंदूर (कमीला जतन) का पेड़ भी यहां लगाया है जो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

सफल खेती के लिए खेतों में उन्नत विदेशी तकनीक जरूरी

साहनी ने अपने फार्म हाउस में खेतों को व्यवस्थित करने के लिए इंग्लैंड से आयातित तार लगाए गए हैं जिसमें अंगूर की लतायें फैली हैं। विदेशी तकनीक से एकीकृत प्रणाली के तहत बागान में सिंचाई की व्यवस्था है। इजराइल की तकनीक के उपकरण से पौधों की मांग के अनुसार सिंचाई होती है, जबकि पारंपरिक तौर पर सिंचाई में मांग के अनुसार सिंचाई की व्यवस्था नहीं होती है।

ये भी है फार्म हाउस में

- 82 प्रजातियों की चिड़ियां
- 38 प्रकार की तितलियां
- तराई में पैदा होने वाला सिंदूर का पौधा
- फालसे का बाग
- अंजीर का बाग
- कचनार के पेड़
- देसी मेंहदी के पेड़ व आंड़ू का बाग आदि

पौधों को पिलाया जाता है नीम का तेल

विदेशी तकनीक के तहत पौधों में नीम की तेल की सिंचाई होती है, ताकि कीट प्रबंधन हो सके। फार्म हाउस में लगे अंगूर के पौधों को नीम का तेल पिलाया जाता है। किस पौधे को कितनी जरूरत है, इसका भी अध्ययन किया जाता है। इजराइल की सिंचाई तकनीक इस्तेमाल कर पाइप लाइन बिछाई गई है। यहां हर पौधे को नंबर आवंटित किये गए हैं। साथ ही, इंग्लैंड से आयातित तार लगाये गए हैं। यह तकनीक भी बरेली के किसानों के लिए लाभप्रद सिद्ध होगी।

'ड्रैगन फ्रूट' के उत्पादन से निकले बरेली के किसानों के लिए नये रास्ते

गहरा गुलाबी-लाल रंग, खाने में मक्खन जैसा मुलायम व मीठा। गजब का स्वाद। हम बात रहे हैं वियतनाम मूल के विदेशी 'ड्रैगन फ्रूट' की। अब यह फल बरेली की धरती पर खूब उग रहा है। यहां के बहगुलपुर गांव के प्रगतिशील किसान यशपाल ने अपने 10 एकड़ खेत में इस 'सुपरफूड' का उत्पादन कर बाकी किसानों के लिए भी नये रास्ते खोल दिये हैं। जिले के किसान अन्य पारंपरिक खेती के साथ इस फल की खेती कर सकते हैं, क्योंकि इस खेती बहुत आसान है। उद्यान विभाग इसकी खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण के साथ निशुल्क पौध भी उपलब्ध करा रहा है। लगभग डेढ़ साल में इसकी फसल तैयार हो जाती है, जबकि तीन साल के बाद भारी मात्रा में फल आते हैं। अगले तीस सालों तक किसान इससे फसल लगातार ले सकते हैं। ऐसे में यह किसानों की आय बढ़ाने का अच्छा सौदा साबित हो सकता है। गुजरात व मुंबई से जाकर इसकी खेती से प्रेरित हुए यशपाल व उनकी टीम के साथी प्रवीण कुमार गुप्ता अपने अनुभव साझा करते हुए कहते हैं कि इसकी खेती पर एक एकड़ चार-पांच लाख रुपये खर्च होते हैं। एक एकड़ में प्रति साल 10-15 लाख का फायदा होता है। इसकी फसल जुलाई से नवंबर तक चलती है। इसकी खेती में जैविक व प्राकृतिक उर्वरक इस्तेमाल होता है। किसान वर्मी कम्पोस्ट खुद बनाकर खेतों में इसका उपयोग कर सकते हैं। यह खाद साल में तीन बार देनी होती है। हर पन्द्रह दिन में सिंचाई ड्रिप तकनीक प्रणाली से की जाती है। सिंचाई के लिए बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है। इसके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 90 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है।

बाजार में है बहुत संभावनाएं

यशपाल का कहना है कि बरेली समेत अन्य जिलों में इस फल की बहुत मांग है। वजह यह है कि यह स्वादिष्ट होने के साथ ही कीवी फल से 10 गुना पौष्टिक होता है। स्वादिष्ट होने के कारण इसकी मांग निरंतर बढ़ती जा रही है।

जलभराव वाली जमीन पर नहीं पैदा होता यह फल

प्रगतिशील किसान का कहना है कि यह फल जलभराव वाली जगह पर नहीं पैदा होता, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं होती हैं। यह बंजर जमीन पर भी उग सकता है। जमीन तो केवल नीचे सपोर्ट के लिए होती है, जबकि यह फल अलग से जैविक खादयुक्त मिट्टी पर उग जाता है।

डेयरी क्रांति की कहानी, बीएल एग्रो की कामधेनु परियोजना

बीएल एग्रो कामधेनु परियोजना से गांवों और किसानों का समृद्ध करने की दिशा में काम कर रहा है। परियोजना का उद्देश्य डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए यहां गिर और साहिवाल गायों की नस्ल तैयार करना है, जो उच्च गुणवत्ता वाले दूध का उत्पादन करेंगी। बीएल एग्रो ने इस परियोजना के लिए शुरुआत में 1,000 करोड़ का निवेश किया है, जिसके पूरी क्षमता से चालू होने पर कुल 3,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है।

बीएल एग्रो के प्रबंध निदेशक आशीष खंडेलवाल बताते हैं कि वर्तमान में 350 से अधिक साहिवाल, गिर, पुंगुर नस्ल की गाय डेयरी में हैं। ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर इस नस्ल की गायों में अनुवांशिक सुधार कर उनकी संख्या बढ़ाने की दिशा में काम कर रहे हैं। ब्राजील ने गिर नस्ल में अनुवांशिक सुधार करके प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 किलो प्रतिदिन प्राप्त किया है। भारत में प्रतिपशु दूध का उत्पादन उन देशों के मुकाबले काफी कम है। इसका कारण हमारे पास उच्च गुणवत्ता वाले गायों और सांडों की कमी है। जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता को ध्यान में रखकर बीएल कामधेनु परियोजना में सम्मिलित किया है। योजना के प्रयास से उच्च नस्ल वाली भारतीय साहिवाल और गिर गाय पैदा होने के बाद सीमेन और भ्रूण लाने के लिए दूसरे देशों पर निर्भर रहने की भी आवश्यकता नहीं होगी।

- **परियोजना को एक हजार करोड़ का निवेश, पूरी क्षमता से चालू होने पर तीन हजार करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद**
- **ब्राजील से सीमेन और भ्रूण लाकर गिर और साहिवाल गायों में होगा अनुवांशिक सुधार**
- **प्रति पशु दूध उत्पादन 30 से 40 लीटर प्रतिदिन लाने का लक्ष्य**

साहिवाल नस्ल की 5000 गायों को रखने की योजना

भविष्य में गिर, साहिवाल नस्ल की पांच हजार हजार देसी गायों को रखे जाने की योजना है। जो एक दिन में 30 से 35 लीटर तक दूध दे सके। इन गायों के माध्यम से बीएल एग्रो स्थानीय समुदाय को जहां उच्च दूध देने वाली गायों की उपलब्धता बढ़ाएगा, वहीं बेहतरीन गुणवत्ता वाला चारा-दाना के माध्यम से जुड़कर पशुधन का विकास करेगा। साथ ही किसानों के लिए दूध की मार्केटिंग में भी सहयोग करेंगे। इसके लिए एक फील्ड प्रोसेसिंग यूनिट भी होगी, जो किसानों से दूध जैसे कच्चे माल की प्राप्ति के लिए उनके साथ काम करेगी। आईसीएआर- सीआईआरजी के पूर्व निदेशक एवं बीएल कामधेनु योजना के उपाध्यक्ष डा. एसके अग्रवाल बताते हैं कि भ्रूण प्रत्यारोपण एक ऐसी विधि है, जिसके माध्यम से गाय की किसी भी नस्ल की एक गाय से साल भर में 40 से 50 भ्रूण विकसित करके दूसरी गायों में प्रत्यारोपित कर 15 से 16 बछिया को जन्म दिलाया जा सकता है, जबकि सामान्य तौर पर साल भर में एक गाय से एक ही बछिया प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत नस्ल के विकास से किसानों को होगा फायदा

आशीष खंडेलवाल के मुताबिक, अगर किसान या पशुपलाकों के पास उन्नत नस्ल का पशु है तो उसका भ्रूण लैब में तैयार करेंगे। जिसे उनके सेरोगेट मदर में ट्रांसफर करेंगे। वहीं, उनकी मांग पर लैब में संरक्षित भ्रूण को भी प्रत्यारोपित कर देंगे। इससे उन्नत नस्ल के पशु का जन्म होगा। टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) से जन्मे गाय के बच्चों में ज्यादा दूध देने की क्षमता होगी।

चारा उत्पादन के लिए किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग

चारा उत्पादन के लिए कांट्रेक्ट फार्मिंग करने का फैसला किया है। इसके तहत, डेयरी आसपास के किसानों के साथ कांट्रेक्ट फार्मिंग करेगी, जिसमें किसानों को चारा उत्पादन के लिए बीज, उर्वरक और अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान की जाएगी। डेयरी किसानों से निर्धारित दर पर चारा खरीदेगी, जिससे किसानों को भी लाभ होगा और डेयरी को भी चारा की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

योजना के अंतर्गत कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीपी) भी लगाया गया है इसके माध्यम से बायोगैस बनाकर उसी से जेनरेटर के द्वारा बिजली का उत्पादन होगा। जो वेस्ट निकलेगा उसमें पानी उलग करके पैकेजिंग करके पाउडर के रूप में बायो फर्टीलाइजर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। इससे केमिकल का इस्तेमाल तो कम होगा ही, खेतों की उर्वरकता भी बढेग़ी।

खेत से आसमान तक 'ड्रोन दीदी' की सफलता की उड़ान

नवाबगंज की रहने वाली किरन गंगवार ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से एक नई ऊंचाई हासिल की है। एमए की पढ़ाई करने वाली किरन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर ड्रोन पायलट बनने का फैसला किया और आज वह 'ड्रोन दीदी' के नाम से जानी जाती हैं। किरन बताती हैं कि उन्होंने नवंबर 2023 में खुद को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने का फैसला लिया। इसके बाद, उन्हें इफको की ओर से फ्री में ड्रोन दिए जाने के साथ चलाने की ट्रेनिंग दी गई। दिसंबर 2023 में प्रयागराज के फूलपुर स्थित इफको कोरडेट में ट्रेनिंग मिली और मार्च 2024 को उन्हें 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत कृषि ड्रोन मिला। आज किरन 500 हेक्टेयर में 'स्प्रे' कर चुकी हैं और अच्छी कमाई भी कर रही हैं। वह बताती हैं कि पहली बार जब गांव में ड्रोन उड़ाया, तो लोग देखने के लिए आए। तब लोगों को विश्वास ही नहीं हुआ था कि ड्रोन से फसलों पर कीटनाशक और पानी का छिड़काव भी संभव है। किरन कहती हैं, अगर महिलाएं ठान लें, तो कुछ भी असंभव नहीं है।

अच्छा परिणाम दे रही हैं विदेशी फसलें

बरेली में पारंपरिक फसलों से हटकर विदेशी व उन्नत खेती की अपार संभावनाएं हैं। भले ही यहां की जलवायु इन फसलों के अनुकूल नहीं है, फिर भी यहां की धरती पर जिस तरह से विदेशी फसलें अच्छा परिणाम दे रही हैं। इससे खेती में लगे किसानों का उत्साह बढ़ गया है। इसी तरह, दूसरे राज्यों की देसी गिर गाय भी अनुकूल जलवायु न होने के बाद भी बरेली की जमीन पर बेहतर नतीजे दे रही हैं। बरेली के और किसान भी इससे प्रेरणा लेकर इस क्षेत्र में सफलता की ऊंचाई छू सकते हैं। इन अच्छे नतीजों से कृषि व उद्यान के विशेषज्ञ चकित हैं। कुछ का कहना है कि सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन के कारण अच्छे नतीजे आ रहे हैं, तो कुछ इस पर अनुसंधान किये जाने पर जोर दे रहे हैं।भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के उद्यान विभाग के विषय विशेषज्ञ डॉ रंजीत सिंह का कहना है कि विज्ञान के अनुसार तो विदेशी औद्यानिक फसलें बरेली की जलवायु के अनुकूल नहीं हैं। यहां जाड़े में बहुत ठंड तो गर्मी में बहुत गर्म पड़ती है। यहां सामान्य तौर पर दिन में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस व रात में 12 डिग्री सेल्सियस रहता है। विदेशी नस्ल के उत्पादन पर उनका कहना है कि कुछ किस्में ही यहां उग पाई हैं। उनका कहना है कि कृषि वैज्ञानिक कई 'राउंड' में जलवायु व फसल उत्पादन का अध्ययन करते हैं। औसतन 10 साल का डाटा लिया जाता है। इसमें सफलता मिलने पर ही उसे सफल कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विदेशी तकनीक के अंगूर, ड्रैगन फ्रूट आदि पैदा हो रहे हैं।

पहले की खेती और आज की खेती में फर्क समझें: डा. अंजनी

कृषि क्षेत्र में बदलाव की कहानी अब आम हो गई है। पहले खेती भले ही कम की जाती थी, लेकिन फसल की गुणवत्ता और बीजों के चुनाव में पहले की खेती और आज की खेती में बहुत फर्क आ चुका है। आयुर्वेदाचार्य और कृषि विशेषज्ञ डा. अंजनी सिंह उदाहरण के तौर पर बताते हैं कि आज की लौकी खाने के बाद कई बार पेट दर्द की शिकायत रहती है, जबकि पहले की लौकी खाने पर ऐसी दिक्कत नहीं होती थी। क्योंकि आज की लौकी का आकार बड़ा करने के लिए लोग 'इंजेक्शन' का इस्तेमाल करने लगे हैं। डा. अंजनी कहते हैं पहले खेती में गोबर और अन्य प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल होता था, जिससे फसल की गुणवत्ता अच्छी होती थी और मिट्टी की उर्वरता भी बढ़ती थी। लेकिन आज खेती में रसायनों का इस्तेमाल बढ़ गया है, जिससे फसल की गुणवत्ता घट रही है और मिट्टी की उर्वरता भी कम हो रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

देसी गाय के दूध का बड़ा बाजार

यूं तो राज्य सरकार की योजनाओं के बल पर गोवंश का संरक्षण करने के लिए हर जिले में गौशालाएं खोली जा रही हैं। विभिन्न योजनाओं के जरिये सरकार खूब रकम सब्सिडी के रूप में लोगों को उपलब्ध करा रही है और योजनाओं से पोषित गौशालाएं खुल भी रही हैं, पर बिना सरकारी सहयोग के ही बरेली में गुजरात की देसी गाय गिर अपने दूध व दुग्ध उत्पाद से नई पहचान बना रही है। इसके दूध की इतनी मांग है कि पूरी नहीं पड़ रही है। इससे संभावना जताई जा रही है कि आने वाले समय में अगर बरेली में और गौशालाएं खुलेंगी, तो दुग्ध व इसके उत्पाद के बाजार में छा जाएंगी।

बरेली के भैरपुरा खजुरिया निवासी ज्ञानेंद्र सिंह ने गिर गाय का गौशाला का संचालन कर यह सिद्ध कर दिया है कि यहां के अन्य लोग खासकर युवा भी इस क्षेत्र में अपना अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। मर्चेंट नैवी में चीफ ऑफीसर की 48 लाख सालाना वेतन की नौकरी छोड़कर वर्ष 2023 में गांव में गौशाला संचालन व प्राकृतिक खेती कर रहे ज्ञानेंद्र के पास छोटी-बड़ी मिलाकर कुल 65 गाय हो गई हैं। अपने अनुभव को साझा करते हुए ज्ञानेंद्र कहते हैं कि बरेली में शुद्ध दूध की बहुत मांग है। मांग के अनुसार अभी आपूर्ति पूरी नहीं हो पा रही है। देसी गिर पर ही विशेष जोर देने के सवाल पर उनका कहना है कि वैसे तो साहिवाल समेत अन्य गायों का दूध भी विदेशी गायों से अच्छा रहता है, पर गिर नस्ल की गाय का दूध मां के दूध के समान होता है। इसमें प्रोटीन ए टू होता है, जो स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। गिर गाय मौसम के अनुकूल होती हैं, इसलिए बीमार भी बहुत कम पड़ती हैं। यह गाय 7-8 लीटर प्रतिदिन दूध देती हैं। ऐसे में इस गाय के दूध के बाजार में बहुत संभावनाएं हैं। ऐसे में इस क्षेत्र में गांव के अन्य किसान व युवा अपना कैरियर बना सकते हैं।

अन्य राज्यों को भा रहा बरेली का दुग्ध उत्पाद

गिर गाय का दुग्ध उत्पाद बरेली के साथ ही अन्य राज्यों महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब के साथ ही राजधानी लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि के लोगों को भा रहा है। तीन एकड़ पुश्तैनी जमीन पर में प्राकृतिक खेती व गांव में मकान के सामने गौशाला चला रहे ज्ञानेंद्र का कहना है कि वह 250 परिवारों को दूध व अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। इनमें केवल दूध के 50 ग्राहक बरेली के हैं। दूध की आपूर्ति केवल जिले में है, जबकि दुग्ध उत्पाद मुम्बई, पंजाब, दिल्ली, लखनऊ, रामपुर, पीलीभीत, रुद्रपुर आदि में आपूर्ति हो रहा है। मिलावटी दूध से परेशान लोग अब शुद्ध दूध की मांग कर रहे हैं। ऐसे में बरेली में और गौशालाएं खोली जाएं, तो इसका लाभ किसानों के साथ यहां के लोगों को मिल सकेगा।

शुद्ध देसी घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी

दूध से शुद्ध घी बनाने में प्राचीन ज्ञान जरूरी है। घी बनाने में बिलौना विधि का प्रयोग होता है, जो पूरी तरह मैनुअल होता है। ज्ञानेंद्र की गौशाला में इस विधि का ज्ञान रखने वाली उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग मां शकुंतला देवी घी बनाने का कार्य करती हैं। वजह यह है कि इस विधि से बनने वाला घी अधिक स्वादिष्ट होता है। शाहजहांपुर में आबकारी निरीक्षक पद पर तैनात सविता चौधरी भी घर आने के दौरान गौशाला व प्राकृतिक खेती में सहयोग करती हैं। यानी सफलता के लिए खुद के साथ ही अगर पारिवारिक सहयोग मिल जाय, तो यह सोने पर सुहागा साबित होगा।

जवान न बन सके सर्वेश बन गए प्रगतिशील किसान

जब दिल में कुछ कर गुजरने का जज्बा हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। हाफिजगंज के ग्रेम गांव के सर्वेश की कहानी कुछ इसी तरह की है। सर्वेश का सपना था कि फौज में भर्ती होकर देश की सेवा करना। चार बार फौज की भर्ती में शामिल हुए। शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण की, पर सफल नहीं हुए। निराश होने के बजाय उन्होंने गांव में खेती को रोजगार का जरिया बनाने की ठानी। जैविक खेती का तरीका सीखा। फसल लहलहाई तो उनकी किस्मत चमक गई। 28 साल की आयु में सर्वेश को कृषि विज्ञान केंद्र ने प्रगतिशील किसान का दर्जा प्रदान किया है। सर्वेश गन्ने के साथ मेंथा, सरसों, मेंथा आदि कि वर्तमान में वह करीब 15 बीघे में जैविक खेती कर रहे हैं। सालाना आय करीब पांच लाख रुपये से ज्यादा है। सर्वेश बताते हैं कि उन्होंने एक फर्म भी बनाई है। इसके जरिए वह जैविक खेती को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उनकी फर्म से अब तक एक, दो बीघे वाले 300 से अधिक किसान जुड़ चुके हैं। उनका उद्देश्य खेती को सिंथेटिक रसायन से मुक्त करना है। इसके अलावा वह कृषि कॉलेजों, केंद्र और प्रदेश सरकार के कार्यक्रमों में व्याख्यान देने भी पहुंचते हैं। सर्वेश बताते हैं कि उत्पादित फसलों की गुणवत्ता के आधार पर बिक्री अधिक होने की वजह से अब व्यापारियों की मांग के अनुसार माल की कमी हो जाती है।

अमेरिका-जर्मनी तक बरेली का मेंथा पहुंचा रहे निहाल

जैविक खेती के फायदे जानने हैं तो बरेली के उन्नतशील कृषक निहाल सिंह के बारे में जानिए, जो ऑर्गेनिक मेंथा, सगंध फसलों और जड़ी-बूटियों की खेती करते हैं। वर्तमान में उनसे पांच हजार किसान जुड़े हैं। निहाल का दो एकड़ से शुरू हुआ खेती का सफर आज दस हजार एकड़ में फैल चुका है। वह कहते हैं वर्ष 2002 में बेहद छोटे पैमाने पर ऑर्गेनिक मेंथा की खेती शुरू की थी। आज उनकी कंपनी ऑर्गेनिक सर्टिफाइड मेंथा उत्पादन करती है। यहां उपजा जैविक मेंथा जर्मनी और यूएसए (अमेरिका) तक भेजा जा रहा है। इसकी बहुत मांग है। तुलसी की सूखी पत्ती की भी अमेरिका में खूब मांग है। जैविक खाद से पैदा हुए धान, गेंहू और आलू की सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में मांग होती है। वह अपनी सफलता का सीक्रेट शुद्धता, प्रतिबद्धता और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते बताते हैं। वह कहते हैं कि 2003 में कॉलेज के एक 'लेक्चर' में सुना था कि रसायनिक खाद जमीन को कितना नुकसान पहुंचा रही हैं। शरीर में बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके बाद जैविक खाद से उड़द की खेती से शुरुआत की थी। पांच साल तक व्यवसायिक फायदा नहीं मिला। इन्हीं चुनौतियों से सीखते हुए 2008 में जैविक उत्पाद के लिए बाजार खड़ा कर लिया। आज पांच हजार किसानों के साथ मिलकर जैविक खेती कर रहे हैं। ऑर्गेनिक मेंथा ही नहीं वह जड़ी-बूटियों और लेमनग्रास व कैमोमाइल जैसी दस से अधिक सगंध फसलें उगाते हैं। राइस मिल और गुड़ बनाने की यूनिट भी लगाई जो किसानों की आय बढ़ाने में मदद करती है। उनका कहना है कि युवा खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाएं, क्योंकि यही भारत को अग्रणी बना सकती है।

प्रस्तुति : रमेश चंद्र व महिपाल गंगवार

अमृत विचार

शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

आप खुश होते हैं या दुखी, यह इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आपके पास क्या है, या आप कौन हैं, या आप कहां हैं, या आप क्या कर रहे हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप क्या सोचते हैं।
-डेल कार्नेगी, अमेरिकी लेखक

ऐतिहासिक खेल उपलब्धि

कॉमनवेल्थ गेम्स का बीस बरस बाद भारत लौटना देश के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा। राष्ट्रमंडलीय खेलों के दौरान दुनिया का स्वागत करने के लिए भारत जितना उत्सुक है, उतना ही आत्मविश्वासी भी। बड़ी बात यह कि पूरा आयोजन पहली बार वास्तविक तौर पर किसी एक ही शहर में संपन्न होगा। हाल के वर्षों में भारत में खेलों को लेकर जो अवसंरचनात्मक विकास और जनसमर्थन बढ़ा है, उससे निस्संदेह यह अवसर अत्यंत उल्लेखनीय बनेगा। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस दीर्घकालिक विज़न को भी पुष्ट करती है, जिसके तहत भारत को ग्लोबल स्पोर्ट्स हॉटस्पॉट के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य है।

ओलंपिक बोली की तैयारी, खेलों में निजी एवं सार्वजनिक निवेश की वृद्धि, खेल विज्ञान व उच्च-स्तरीय अवसंरचना के विस्तार ने इस क्षेत्र में देश की वैश्विक छवि को उल्लेखनीय मजबूती दी है। कॉमनवेल्थ जैसे विशाल आयोजन की मेजबानी इसी का प्रतिफल है। सवाल है कि क्या अहमदाबाद इतनी स्तरीय, विविध और व्यापक खेल अवसंरचना 2030 तक विकसित कर पाएगा कि सभी राष्ट्रमंडलीय खेल, जिनमें इस बार 17 नए खेल भी जोड़े गए हैं, एक ही शहर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकेंगे? वर्तमान में अहमदाबाद और उसके आसपास खेल परिसरों, स्टेडियमों, प्रशिक्षण केंद्रों, मेडिकल, स्पोर्ट्स साइंस जैसी सुविधाओं और हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का तीव्र विस्तार हो रहा है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम, सरदार पटेल स्पोर्ट्स एन्क्लेव और आगामी मल्टी-डिसिप्लिन स्पोर्ट्स हब, ये सभी इस बात का संकेत देते हैं कि शहर 2030 तक विश्व-स्तरीय आयोजन की आवश्यकताओं को पूरा करने में अवश्य सक्षम हो जाएगा। इसी मजबूत अवसंरचना और बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता के आधार पर ही अहमदाबाद को 2028 वर्ल्ड अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 वर्ल्ड सीनियर एथलेटिक्स और 2033 वर्ल्ड एथलेटिक्स की मेजबानी मिलने की संभावनाएं बनी हैं। भारत को कॉमनवेल्थ की मेजबानी मिलने के पीछे दो महत्वपूर्ण कारण हैं- पहला, तेजी से मजबूत होती अवसंरचना और उसमें बढ़ता सार्वजनिक निवेश, दूसरा, भारत की आर्थिक स्थिरता और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाएं। किसी भी बड़े बहुराष्ट्रीय आयोजन के लिए आर्थिक क्षमता और शहर-स्तरीय आधारभूत विकास निर्णायक होते हैं और भारत ने दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है।

ठीक है कि कॉमनवेल्थ गेम्स बहुधा आर्थिक लाभ के बजाय व्यय-प्रधान आयोजन सिद्ध हुए हैं। यह आयोजन केवल खर्च का विषय नहीं, बल्कि दीर्घकालिक शहरी-विकास, पर्यटन वृद्धि, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिष्ठा का मामला है। दिल्ली ने 2010 में परिवहन, सड़कों, एयरपोर्ट, मेट्रो और शहरी ढांचे में बड़ा रूपांतरण देखा था। अहमदाबाद में भी 2030 तक परिवहन, शहरी नियोजन, स्मार्ट-सुविधाएं, हॉस्पिटैलिटी सेक्टर, रिवरफ्रंट और स्पोर्ट्स-इकोनॉमी के कई क्षेत्र नए स्तर पर विकसित होंगे। घरेलू आयोजन खिलाड़ियों के लिए अवसर और प्रेरणा दोनों बढ़ाता है। आज हमारी खेल व्यवस्था अधिक वैज्ञानिक, संगठित और प्रतिस्पर्धात्मक है। घर में खेल होगा तो हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन और पदक संख्या दोनों में वृद्धि दिखेगी।

प्रसंगवश

लोग लावारिस छोड़ जाते हैं मासूम जिंदगियां

हाल ही में राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक नवजात बालिका सड़क किनारे कपड़े में लिपटी हुई लावारिस हालत में मिली। चांदपोल श्मशान घाट के बाहर रोती हुई इस बच्ची की आवाज सुनकर स्थानीय लोग वहां पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बच्ची महज आठ से दस दिन की थी। उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदेश के भीलवाड़ा जिले से भी दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आईं। गुलाबपुरा थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में जन्म के कुछ ही देर बाद एक नवजात बालिका को झाड़ियों में फेंक दिया गया था। ग्रामीणों ने समय रहते उसे देखा, जिसके बाद बच्ची को अस्पताल ले जाकर बचाया गया। ठीक इसी तरह बिजौलिया उपखंड के सीताकुंड जंगल में एक दस से बारह दिन की नवजात को फेवीक्विक से होठ चिपकाकर पत्थरों के नीचे दबा दिया गया। यह दृश्य इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला था।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

इसी तरह बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में भी एक दिन की बच्ची कूड़ेदान में पड़ी मिली। उसकी चीख सुनकर वहां से गुजर रही महिला ने पुलिस को सूचना दी और बच्ची को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं जालोर जिले में भी एक मकान की छत पर गुलाबी चुनरी में लिपटी एक नवजात बच्ची मिली, जिसका जन्म फेंके जाने से मात्र 30 मिनट पहले हुआ था। हर घटना एक नए दर्द, एक नई पीड़ा और एक नए सवाल को जन्म देती है कि आखिर क्यों मासूम बेटियों को इस तरह से दुनिया में आने के तुरंत बाद मौत के हवाले किया जा रहा है?

समाज में बदलाव की बातें होती हैं, योजनाएं बनती हैं, जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं, पर हालिया घटनाएं बताती हैं कि इन सबका प्रभाव जमीनी स्तर तक नहीं पहुंच पा रहा। सड़क किनारे, कूड़ेदानों और जंगलों में लावारिस हालत में बच्चियों के मिलने की बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि समाज की सोच अब भी वहीं अटकी हुई है, जहां बेटी का जन्म लेना बोझ समझा जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में हर महीने औसतन 20 मासूम बेटियों को या तो अस्पतालों और पालनागृहों में छोड़ दिया जाता है या फिर सुनसान स्थानों पर मरने के लिए फेंक दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि इन परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत बेटियां होती हैं। पिछले पांच वर्षों में 1,332 बच्चों को फेंकने के मामले सामने आए, जिनमें से 376 में माता-पिता की पहचान हुई। इनमें से 200 मामलों में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के तहत कार्रवाई की गई। चाइल्ड लाइन इंडिया और यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने आश्रय पालना योजना के तहत 67 पालना केंद्र स्थापित किए, लेकिन इनमें से सिर्फ 20 प्रतिशत ही प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं। इससे साफ है कि सरकारी प्रयास कमजोर हैं और समाज में जागरूकता का स्तर बेहद कम।

रिपोर्ट बताती है कि 90 प्रतिशत मामलों के पीछे या तो अवैध संबंधों का भय होता है या फिर लिंग आधारित भेदभाव। अविवाहित माताएं, विधवाएं, परित्यक्ता महिलाएं और आर्थिक तंगी से जूझ रही महिलाएं बदनामी से बचने के लिए बच्चियों को जन्म के तुरंत बाद फेंक देती हैं। थार के रेगिस्तान और आदिवासी अंचलों में ऐसे प्रकरण अधिक हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की कमी इस समस्या को और गंभीर बनाती है, जबकि शहरी क्षेत्रों में अवैध संबंध और पारिवारिक दबाव प्रमुख कारण हैं। खास बात यह है कि परित्यक्त बच्चों में 90 प्रतिशत यानी 1,199 बच्चियां हैं। पिछले पांच वर्ष में परित्यक्त लड़कियां कोई कमी नहीं आई है, बल्कि 2021 और 2024 में इनमें वृद्धि हुई है।

धर्म ध्वजा की स्थापना के अर्थ व संदेश

गोलेश स्वामी
राजनीतिक विश्लेषक

अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जन्म भूमि मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा की स्थापना ने एक बार फिर से त्रेता युग और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अहसास कराया। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद राम-सीता के विवाह पंचमी के शुभ मुहूर्त के मौके पर हुए इस ध्वजारोहण ने देश-दुनिया को जहां गहरे अर्थ दिए हैं, वहीं एक नहीं अनेक अहम संदेश दिए हैं। पहला संदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और संतों व राम भक्तों की एकजुटता का है। यह धर्म और सियासत के समन्वय और राम मंदिर की पूर्णता का भी संदेश है। धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है।

दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे। कोई गरीब न रहे। समाज में कोई वर्ग भेद न हो। शबरी की ममता से लेकर निषाद राज की मित्रता और जटायु-गिलहरी के सहयोग का। खासकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राम मंदिर को राष्ट्र मंदिर घोषित करना और मैकाले की अंग्रेजी शिक्षा पद्धति पर जबर्दस्त प्रहार। साथ ही इसे गुलामी का प्रतीक बताना भर नहीं, बल्कि अगले दस साल में इससे मुक्ति पाकर अपनी संस्कृति की ओर लौटना। इसमें यह भी जोडना कि देश को 1947 में आजादी तो मिली, लेकिन स्वदेशी को दरकिनार कर विदेशी के महत्व को मन मस्तिष्क में भरा गया। कोई शक नहीं कि राम मंदिर के निर्माण के लिए पांच सदियों के संघर्ष और सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद यह अहम दिन था। यह सनातन की बहुत बड़ी विजय है। सनातन की वेदना की समाप्ति और कार्य सिद्धि के महायज्ञ की पूर्णाहुति है।

> धर्म ध्वजा, धर्म के पुनर्जागरण और विकसित भारत के संकल्प का भी संदेश है। दूसरा संदेश गुलामी की भावना को त्यागकर राम राज्य की स्थापना का है, क्योंकि राम राज्य का मतलब होता है, जिसमें कोई दीन-दुखी न रहे।

ध्वजारोहण समारोह का सबसे खास पहलू यह भी रहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन केवल भगवान राम के मंदिर, धर्म ध्वजा, रामत्व, राम राज्य और राष्ट्र मंदिर तक सीमित नहीं रहा। बल्कि उन्होंने एक ओर जहां अपने विरोधियों पर निशाना साधा, तो रामभक्तों को भी नसीहत देना नहीं भूले। इशारों-इशारों में अपने विरोधियों, खासकर कांग्रेस की पूर्व सरकारों को भगवान राम को काल्पनिक मानने के लिए कठघरे में खड़ा किया। यहां तक कि कांग्रेस सहित विरोधी दलों की सरकारों के आर्थिक विकास पर भी यह कहकर सवाल दागे कि 70 साल में देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था ही बन सकी, जबकि उनके मात्र 11 साल के कार्यकाल में ही देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी अर्थव्यवस्था बन चुकी है।

इसके साथ ही भविष्य में स्वदेशी के बल पर भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने और 2047 तक विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, लेकिन प्रधानमंत्री देशवासियों खासकर रामभक्तों को यह कहकर नसीहत देना नहीं भूले कि वे अपने अंदर राम के व्यक्तित्व के मूल्यों को अपने जीवन में उतारें, क्योंकि राम अयोध्या से वन जाते समय एक राजामात्र थे, लेकिन 14 साल वन में काटने के बाद अपने आचरण से मर्यादा पुरुषोत्तम बनकर लौटे।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद ध्वजारोहण समारोह में भी प्रधानमंत्री मोदी, संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, मंत्रियों व भाजपा पदाधिकारियों की उपस्थिति से एकजुटता और समन्वय से निकले इस खास संदेश को नकारा नहीं जा सकता है, क्योंकि बीच में इनके संबंधों को लेकर सियासी गलियारों में तरह-तरह की चर्चाओं ने जन्म ले लिया था। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने, जहां राम मंदिर आंदोलन के अगुवा अशोक सिंघल, डालमिया और राम चंद्रदास परमहंस सहित ऐसी शख्सियतों को याद किया, जिन्होंने यह सपना देखा और आज इस दुनिया में नहीं हैं। ऐसा कहने के पीछे उनका मंतव्य स्पष्ट था कि आजीवन संघर्ष करने वालों को नहीं भूलना चाहिए।

वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे बढ़कर यहां तक कह दिया कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि एक नए युग की शुरुआत है। यानी भविष्य में अभी बहुत कुछ होना स्वाभाविक है। शायद उनका इशारा राम मंदिर के बाद श्रीकृष्ण जन्म भूमि और काशी विश्वनाथ की पूर्णता की ओर है, क्योंकि अभी दोनों के मामले कोर्ट में लंबित हैं। इस बार सेलेब्रेटी के बजाए ज्यादातर समर्पित पार्टी, संघ और विहिप कार्यकर्ताओं और संतों को बुलाया गया था। इस बार कोई बिलेनियर उद्योगपति या सुपर स्टार नजर नहीं आया।

बिहार की हार से चिंतित विपक्षी दलों के नेताओं के स्वर आज कुछ बदले-बदले नजर आए। ऐसे में इन विपक्षी नेताओं ने किसी न किसी बहाने से सनातन और राम के प्रति अपनी आस्था प्रदर्शित की। जैसे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इटावा के केदारेश्वर मंदिर की स्थापना और भगवान के बुलाने पर आस्था के आधार पर दर्शन की बात कही, तो उनके अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद यहां तक कहने लगे कि यदि न्योता मिलता तो वे नंगे पांव चलकर भगवान राम के दर्शन करने जाते, जबकि प्राण प्रतिष्ठा के समय विपक्षियों ने न्योता मिलने पर भी कार्यक्रम का बहिष्कार किया था।

पूर्व में बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में मुकदमा लड़ने वाले इकबाल अंसारी ने समारोह में पहुंचकर प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के नारे पर मुहर लगाई, वहीं मुस्लिमों को यह भी संदेश दिया कि वे हिंदुस्तान के मुस्लिम हैं और अयोध्या में मंदिर की पूर्णता से खुश हैं। वे यह कहने से भी नहीं चूके कि मुस्लिम धर्म सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाता है। इस समारोह के प्रति मिथिला का जिक्र कैसे छूटता। खासकर मिथिला के लोग अपने दामाद भगवान राम की एक झलक पाने के लिए खासी संख्या में उमड़े।

आमने सामने

बीजेपी अपने पन्ना प्रमुखों से चुनाव में शराब और पैसा बंटवाने का काम कराती है, जबकि कांग्रेस में ऐसा कोई प्रचलन नहीं है। बीजेपी के कुछ लोग तो इससे ज्यादा भी कुछ बंटवाते हैं और जनमत को प्रभावित करते हैं।
-हरीश रावत
पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

हरीश रावत के कार्यकर्ता निचले स्तर पर शराब पिलाकर और पैसे देकर चुनाव लड़ते होंगे। मुझे पता है कि कौन क्या-क्या करता है, लेकिन ये चीज सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे हरीश रावत का फजीता हो जाएगा।
-विनोद चमोली
विधायक, बीजेपी

विपक्ष का काम कर रहे प्रधान पद के उम्मीदवार

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

यूपी में एसआईआर को लेकर उदासीन व लापरवाह विपक्ष के लिए पंचायत चुनाव की सरगर्मी राहत भरी है। चुनाव आयोग के गाइड लाइन के अनुसार राजनीतिक दलों को भी अपनी तरफ से बीएलओ-2 मनोनीत करने का अधिकार है। यूपी में ज्यादातर विपक्षी दल इसमें फिसड्डी दिख रहे हैं, लेकिन पंचायत चुनाव में प्रधान पद के दावेदार एसआईआर को लेकर खूब सक्रीय हैं। वे एक तरह से विपक्षी दलों का काम आसान कर रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि बिना किसी तैयारी के मात्र एक महीने में 25 करोड़ आबादी वाले उत्तर प्रदेश में एसआईआर कंप्लीट कर पाना बड़ी चुनौती है। इसमें विसंगतियों की जो भरमार है वह अलग।

खेती किसानी और शादी विवाह के सीजन में सब कुछ भूलकर शहरी लोग हों या ग्रामीण किसान, केवल अपना वोट बचाने के जतन में जुट गए हैं। चुनाव आयोग के इस अभियान में गांव के लोग जो अपेक्षाकृत जागरूक नहीं होते, एसआईआर का हिस्सा बन पाते हैं या नहीं, चुनाव आयोग का इससे कुछ लेना देना नहीं। चुनाव आयोग को यदि सचमुच इमानदारी से एसआईआर करानी होती तो वह समय, सीमा और लोगों की दिक्कतें जरूर ध्यान में रखता।

चुनाव आयोग के इस अभियान में बीएलओ से लेकर मतदाताओं को कितनी दिक्कतें हो रही हैं, यह बस्ती जिले के एक एसडीएम की झुंझलाहट से जाना जा सकता है, जो बीएलओ की लापरवाही पर गुस्सा हो रहे थे। चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर की तय समय सीमा, चंद रोज ही बची है। इस बीच पूरे यूपी में 50 प्रतिशत भी फार्म-6 और 7 लोगों तक नहीं पहुंच पाए हैं। नोएडा जहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बिटिया डीएम हैं, वहां की स्थिति तो और खराब है। खराब प्रगति से नाराज ज्ञानेश कुमार की डीएम बिटिया ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम बीएलओ और अन्य संबंधित जनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया है।

फार्म-7 जो वोट विच्छेदन का जरूरी फार्म है, अधिकांश बीएलओ इसे जानते तक नहीं और न उन्हें ऐसा कोई प्रशिक्षण ही दिया गया। फार्म-7 के माध्यम से आप यदि दो जगह से वोटर हैं, तो इच्छित एक जगह से कटवा सकते हैं। हालत ऐसी हो गई कि हर व्यक्ति अपना वोट बचाने के लिए बीएलओ को ढूंढता फिर रहा है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि बिना किसी प्रशिक्षण के बीएलओ नामित कर उसे एसआईआर फार्म थमा दिया गया है। चुनाव आयोग इस अभियान की जितनी गंभीरता समझता है, बीएलओ उससे एक दम अनजान हैं।

विपक्ष को इस अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है। ऐसे में वे लोग जिन्हें अपना वोट काटे जाने का डर है, खुद ही अपने वोट की रखवाली करें। सवाल उठता है कि एसआईआर अभियान में गैर भाजपा राजनीतिक दलों की उदासीनता क्यों है? फिलहाल यूपी के लिए इसका जवाब है, 'मैं क्यों और मैं ही क्यों?'

> विपक्ष को एसआईआर अभियान में सत्ता पक्ष से दो कदम आगे होना चाहिए, क्योंकि वोट काटने या वोट चोरी को लेकर वही सबसे ज्यादा मुखर है। यूपी में इस अभियान में विपक्ष गायब है।

गौरतलब है कि सभी राजनीतिक दलों में विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा चुनाव टिकट और प्रत्याशी दोनों उहापोह में रहते हैं। गैर भाजपा दलों के पास आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल सहित अन्य तमाम हिंदू संगठनों जैसा कोई संगठन नहीं है, जो निस्वार्थ भाव से अपना काम कर सके। भाजपा समर्थक इन तमाम हिंदू संगठनों को न तो चुनाव की चिंता रहती है और न ही टिकट की, सो उन्हें जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी जाती है, उसे वे पूरी इमानदारी और निष्ठापूर्वक करते हैं। गैर भाजपा दल चाहे कांग्रेस हो सपा, बसपा या अन्य पार्टियां, उनके पास कहां है ऐसा निष्ठावान व ईमानदार संगठन?

इसके इतर सपा और कांग्रेस खानापूरी में लगे हैं। गठबंधन की राजनीति इसमें सबसे बड़ी बाधा है। चुनाव के दरमियान किस सीट पर गठबंधन का कौन उम्मीदवार टपक पड़ता है कोई ठिकाना नहीं। ऐसे में बड़ा पेंच 'हम क्यों और हम ही क्यों' को लेकर ही फंसा हुआ है। गैर भाजपा राजनीतिक दलों के कई नेताओं से बात हुई, तो यही मसला सामने आया। खासकर सपा और कांग्रेस खेमे से। यूपी में सपा और कांग्रेस अभी गठबंधन में हैं। विधानसभा चुनाव में भी यह रहेगा, इसकी संभावना ज्यादा है। जिन सीटों पर सपा के विधायक हैं वहां तो ठीक है। वे एसआईआर को लेकर सक्रीय हैं, लेकिन जिन सीटों पर सपा नहीं है वहां हालात ठीक नहीं है। ऐसी सीटों पर न तो कांग्रेस सक्रिय है और न ही सपा, इसलिए कि मेहनत हम करें और टिकट फलां को मिल जाए!

लोकसभा की कई सीटों पर सपा हारी है, वहां दूर दराज से उम्मीदवार थोप दिए गए थे, इस अभियान में वे लापता हैं। 2027 में विधानसभा चुनाव है। जिन तमाम सीटों पर सपा या कांग्रेस नहीं है, वहां का हाल बुरा है। एसआईआर को लेकर कांग्रेस के जिला अध्यक्षों पर खासा दबाव है। केंद्रीय कार्यालय से रोज कोई न कोई निर्देश प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिदिन कोई न कोई कांग्रेस का पदाधिकारी जिला अध्यक्षों से जूम मीटिंग कर रहा है, लेकिन वे बेचारे करें क्या, उनका संगठन ही कमजोर है। सांगठनिक तौर पर यूपी में कांग्रेस की स्थिति यही है।

सोशल फोरम

देने वाले ने देने में कुछ कमी न की

अरब में एक औरत रहती थी, जिसका नाम उम्मे जाफ़र था। वह बेहद सख़ी (बड़े दिल वाली) और दानवीर थी। वह जरूरतमंद लोगों की मदद दिल खोलकर करती थी। अपनी दानवीरता की वजह से वह पूरे इलाके में जानी जाती थी। लोग उससे मदद मांगने के लिए आया करते। वह खुद भी राह चलते लोगों को दान दिया करती। वह इस तरह दान करती थी कि दाहिना हाथ भी नहीं जान पाता था कि बायां हाथ क्या दे रहा है।

कश्मीरा शाह चतुर्वेदी
ब्लॉगर

कुछ दिनों से वह एक ख़ास रास्ते से गुज़रने लगी थी। उस रास्ते पर दो अंधे बैठे रहते थे। दोनों आवाज़ें लगाते थे।

एक की आवाज़ होती, "ऐ अल्लाह! मुझे अपने फ़ज़्ल करम से रोज़ी अता फ़रमा।"

दूसरा अंधा कहता, "ऐ रब! मुझे उम्मे जाफ़र का बचा-खुचा अता कर दे।"

उम्मे जाफ़र दोनों की आवाज़ें सुनतीं और दोनों को ही कुछ न कुछ दे देतीं।

जो अल्लाह का फ़ज़्ल मांगता था, उसे दो दरहम देतीं और जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगता था, उसे एक भुनी हुई मुर्ग़ी दे देतीं।

मज़े की बात यह थी कि जिसे मुर्ग़ी मिलती थी, वह अपनी मुर्ग़ी दूसरे अंधे को सिर्फ़ दो दरहम में बेच देता था। यह सिलसिला कई दिनों तक चलता रहा।

एक दिन उम्मे जाफ़र उस अंधे के पास आईं जो 'उम्मे जाफ़र का फ़ज़्ल' मांगा करता था और उससे पूछा, "क्या तुम्हें सौ दीनार मिले हैं?"

अंधा हैरान रह गया। बोला, "नहीं! मुझे तो बस एक भुनी हुई मुर्ग़ी मिलती थी, जिसे मैं दो दरहम में बेच देता था।"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "जिसने अल्लाह का फ़ज़्ल मांगा, मैं उसे दो दरहम देती थी, और तुम्हें जो भुनी हुई मुर्ग़ी देती थी, उसके पेट में दस दीनार छिपाकर देती थी।"

यह सुनते ही अंधा अपना सिर पीटने लगा। वह चीखने-चिल्लाने लगा, "हाय मेरी बदक़िस्मती! काश मैंने ऐसा न किया होता। मैं बर्बाद हो गया!"

उम्मे जाफ़र ने कहा, "बेशक जो ईश्वर का फ़ज़्ल मांगता है, वही कामयाब होता है और जो सिर्फ इंसानों का फ़ज़्ल मांगता है, वह हमेशा महरूम ही रह जाता है।"

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

सड़क हादसे: सबसे अधिक मौतों वाले देशों में भारत

सड़क सुरक्षा पर जारी हाल ही में एक रिपोर्ट कहती है कि दुनिया में भारत सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतों वाले देशों में शामिल है। यहां हर वर्ष लाखों लोग घायल होते हैं और लगभग डेढ़ लाख लोग जान गंवा देते हैं। ये आंकड़े किसी सूखे तथ्य की तरह नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया का बयान हैं, जिन्हें एक पल की गलती उम्र भर का दर्द दे जाती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में 70 फीसदी से अधिक मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र के युवाओं की होती है। यानी समाज की सबसे उत्पादक, सपनों से भरी और भविष्य गढ़ने वाली पीढ़ी सड़क पर अपनी ही गलतियों के कारण मर रही है। यह एक ऐसी राष्ट्रीय त्रासदी है, जिसकी जड़ कहीं बाहर नहीं बल्कि हमारे बीच ही है।

डॉ. नीलू तिवारी
शिक्षिका

देश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति 2024–2025 में और गंभीर हो गई है। सड़क परिवहन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में देशभर में लगभग 4.73 लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं और करीब 1.70 लाख लोगों की मौत दर्ज की गई। वहीं 2025 की पहली छमाही में ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर 29,018 लोगों की जान गई और 67,933 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि मात्र 2 प्रतिशत लंबाई वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पूरे देश में सड़क मौतों का अत्यधिक बड़ा हिस्सा वहन करते हैं। 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर कुल 1,25,873 दुर्घटनाएं और 53,090 मौतें हुई थीं, जो बताती हैं कि हाई-स्पीड कॉरिडोर देश के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्षेत्र बने हुए हैं। कई शहरों में रैश ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण बना है।

इन सभी आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि भारत में सड़क हादसों के पीछे सड़क इंजीनियरिंग की समस्याएं, कानूनों का कमजोर प्रवर्तन और सबसे अधिक लोगों का गैरजिम्मेदाराना व्यवहार- जैसे तेज रफ्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, ओवरटेकिंग, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनदेखी, नशे में ड्राइविंग और मोबाइल फोन का इस्तेमाल दुर्घटनाओं की जड़ में हैं। 2024–2025 के ये डाटा सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि यह चेतावनी हैं कि सड़कें तभी सुरक्षित होंगी, जब लोग स्वयं नियमों का पालन करेंगे। सरकार सड़क सुधार और प्रवर्तन को प्रभावी बनाएगी और समाज मिलकर इस राष्ट्रीय संकट को कम करने की दिशा में कदम उठाएगा।

देश में सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण लोगों की लापरवाही और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति है, जो हमारी सड़क संस्कृति का एक दुखद हिस्सा बन चुकी है। आज भी तेज रफ्तार सड़क दुर्घटनाओं की जड़ों में छिपा एक मौन हत्यारा मोबाइल फोन का बढ़ता उपयोग है। यह ड्राइविंग के दौरान ध्यान को विभाजित कर देता है, जिससे डिस्ट्रेक्टेड ड्राइविंग एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रहा है। एक पल की अनदेखी न केवल चालक, बल्कि सड़क पर मौजूद हर अन्य व्यक्ति के लिए खतरा बन जाती है। वहीं नशे में वाहन चलाना भी दुर्घटनाओं का एक अत्यंत चिंताजनक कारण है। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक नियमों के प्रति लोगों की उदासीनता भी सड़क हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है।

दुर्घटनाओं में इजाफे का बड़ा कारण ट्रैफिक पुलिस की सीमित क्षमता और नियमों के ढीला पालन भी है। जब लोग यह महसूस करते हैं कि उन पर नजर रखने वाला कोई नहीं है, तो वे नियम तोड़ने में संकोच नहीं करते। इसके अलावा लाइसेंस प्रक्रिया में कमियों के कारण कई लोग पर्याप्त ड्राइविंग कौशल के बिना वाहन सड़क पर ले आते हैं, जिससे वे स्वयं और दूसरों दोनों के लिए जोखिम पैदा करते हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

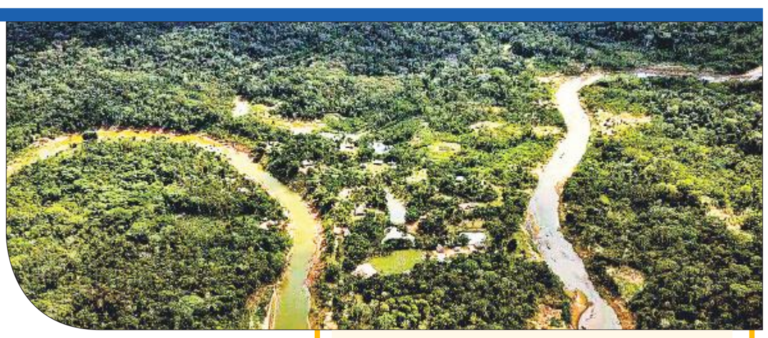

खतरनाक है अमेजन टिपिंग पॉइंट

हम जानते हैं कि धरती और इसके पर्यावरण से ही हमारा अस्तित्व जुड़ा है। आज बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन से पृथ्वी का जो हिस्सा सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है वह है दुनिया का सबसे बड़ा उष्णकटिबंधीय वर्षावन अमेजन। अमेजन के जंगल खतरे में हैं और यह खतरा एक और बड़े खतरे को जन्म दे रहा है, वह है कार्बन उत्सर्जन के विस्फोट का खतरा। हो सकता है कि तब धरती का तापमान इतना बढ़ जाए कि धरती पर हमारा या अन्य जीव-जंतुओं का रहना ही मुश्किल हो जाए। अमेजन का जंगल वैश्विक जलवायु को नियंत्रित करने, जैव विविधता को बनाए रखने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन आज वहां वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन, अवैध खनन और आग जैसी समस्याओं से यह गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, अमेजन अब टिपिंग पॉइंट अर्थात वह बिंदु जहां से वापसी असंभव हो जाए, के बहुत करीब पहुंच चुका है, जहां सत्तर प्रतिशत तक जंगल खोने का खतरा है।

डॉ. इरफान ह्यूमन
विज्ञान लेखक

1985 से 2022 तक 11 प्रतिशत जंगल, फ्रांस के आकार के बराबर, नष्ट हो चुका है। 2025 में, जबकि आग में कमी आई है, लेकिन कटाई बढ़ रही है, विशेषकर मवेशी पालन, कृषि, खनन और सड़कों के लिए। यहां अवैध गतिविधियों की चर्चा की जाना जरूरी है, जहां भूमि हड़पना, सोने की अवैध खदानों और अपराधियों द्वारा लगाई जाने वाली आग है। इस कारण वर्षा में कमी और सूखा, जो जंगल को और कमजोर कर रहा है। कुछ हिस्सों में अब जंगल कार्बन उत्सर्जन अधिक कर रहे हैं, जितना अवशोषित, यह पर्यावरणविदों के लिए चिंता का विषय है। हालांकि ब्राजील में कुछ प्रगति हुई है, अगस्त 2024 से जुलाई 2025 तक वनों की कटाई 11 प्रतिशत घटी, जो 11 साल के न्यूनतम स्तर पर है। यह कॉप 30 से पहले एक सकारात्मक संकेत है, जहां अमेजन की सुरक्षा पर फोकस होगा। फिर भी, समग्र खतरा बना हुआ है और वैश्विक सहयोग की ज़रूरत है। कॉप 30, वास्तव में अमेज़न के जंगलों को बचाने की उम्मीद की एक किरण है। कॉप 30 संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क कन्वेंशन की 30 वीं सम्मेलन ऑफ द पार्टिज है, जो दुनिया के प्रमुख वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है।

टिपिंग पॉइंट

अमेजन वर्षावन का टिपिंग पॉइंट एक ऐसा महत्वपूर्ण बिंदु है, जहां जंगल अपनी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता खो देगा और अपरिवर्तनीय रूप से सूखी सवाना (घासभूमि) में बदल जाएगा। यह बिंदु पार होने पर जंगल का बड़ा हिस्सा नष्ट हो सकता है, जो वैश्विक जलवायु, जैव विविधता और मानव जीवन को गंभीर खतरे में डाल देगा। वैज्ञानिकों के अनुसार हम इस बिंदु के बहुत करीब पहुंच चुके हैं, वर्तमान में अमेजन का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा कट चुका है और वैश्विक तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। यदि वनों की कटाई 20-25 प्रतिशत तक पहुंच जाती है या तापमान 2-2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाता है (जो 2050 तक संभव है), तो यह टिपिंग पॉइंट पार हो सकता है। अब सवाल है कि इसका जोखिम क्या है? तो इसका जवाब हमें चिंता में डाल सकता है, क्योंकि यह टिपिंग पॉइंट न केवल अमेजन के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए विनाशकारी होगा। सबसे पहले बात करेंगे जंगल के अपूर्णीय नुकसान की। यदि टिपिंग पॉइंट पार होता है, तो 50-70 प्रतिशत जंगल, जो लगभग 3-4 लाख वर्ग किमी है, खो सकता है, जो इसे कम आर्द्र, आग-संवेदनशील सवाना में बदल देगा। दक्षिण-पूर्वी अमेजन पहले ही कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां पेड़ों की मृत्यु बढ़ रही है और अगले 100 वर्षों में पूरा जंगल गायब हो सकता है।

जूनोटिक रोग

जूनोटिक रोग वे बीमारियां हैं, जो जानवरों से इंसानों में फैलती हैं (या कभी-कभी उल्टा भी होता है)। ये विषाणु यानी वायरस, बैक्टीरिया, परजीवी या कवक के कारण होती हैं और अक्सर जंगली जानवरों (जैसे चमगादड़, कृंतक या कीट) से शुरू होकर इंसानों तक पहुंचती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, सभी मानव संक्रामक रोगों में से 60 प्रतिशत से अधिक जूनोटिक हैं, और ये महामारियों (जैसे कोविड-19, एबोला या सार्स) का प्रमुख कारण बनते हैं। अमेजन जैसे वर्षावनों में जैव विविधता अधिक होने से ज़ूनोटिक रोगों का खतरा स्वाभाविक रूप से ज्यादा है, लेकिन वनों की कटाई, जलवायु परिवर्तन और मानवीय हस्तक्षेप (जैसे खनन, कृषि विस्तार) से ये खतरे और गंभीर हो जाते हैं। जानवरों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, जिससे संक्रामक जीव इंसानों के करीब पहुंचते हैं। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, 2001-2019 के बीच अमेजन में आग, वेक्टर-जनित और ज़ूनोटिक रोगों से लगभग 3 करोड़ मामले सामने आए। स्वदेशी भूमियों पर जंगलों की रक्षा से इनमें से 27 रोगों (जैसे चागास, मलेरिया आदि) के फैलाव को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। आज अमेजन के जंगलों को बचाने के लिए ज़ीरो डिफॉरेस्टेशन, पुनर्वनीकरण और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था की ज़रूरी है। ये अवधारणाएं एक-दूसरे को पूरक बनाती हैं, जीरो डिफॉरेस्टेशन रोकथाम है, पुनर्वनीकरण बहाली है और जैव-आधारित अर्थव्यवस्था टिकाऊ उपयोग प्रदान करती हैं। कॉप 30 जैसे मंचों पर इन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन वैश्विक फेफड़े कहलाने वाले अमेजन के जंगलों पर अभी खतरा मंडरा रहा है।

कार्बन उत्सर्जन विस्फोट

कार्बन उत्सर्जन का विस्फोट से तात्पर्य वैश्विक स्तर पर कार्बन डाईऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों के रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ने से है, जो जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहा है। 2023-2024 के बीच कार्बन डाईऑक्साइड स्तर में रिकॉर्ड 4.7 भाग प्रति मिलियन (पीपीएम) की वृद्धि हुई, जो मानव इतिहास में सबसे अधिक है। 2024 में जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) का उपयोग बढ़ने से उत्सर्जन चरम पर पहुंच गया और 2025 में जंगलों की आगों से कार्बन डाईऑक्साइड 9 प्रतिशत अधिक निकली। यह क्लाइमेट कैओस की ओर ले जा रहा है, जहां 1.5 डिग्री सेल्सियस तापमान सीमा पार होने पर अपरिवर्तनीय क्षति हो सकती है। अमेजन जैसे टिपिंग पॉइंट्स पार होने पर यह विस्फोट और भयावह हो जाएगा, जो 200-250 अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड रिलीज कर सकता है, जो वैश्विक उत्सर्जन का 26 प्रतिशत के बराबर है। यह मानव जाति के लिए अस्तित्वगत खतरा है, क्योंकि यह जीवन के हर पहलू को प्रभावित करेगा, जैसे स्वास्थ्य, भोजन, पानी, आवास और शांति। वैज्ञानिकों के अनुसार, 2025 में हम 'डूम्सडे क्लॉक' (मानव-निर्मित आपदाओं का संकेतक) के करीब हैं, जहां जलवायु संकट परमाणु युद्ध जितना खतरनाक है।

कार्बन स्रोत

2025 तक अमेजन का दक्षिण-पूर्वी हिस्सा (ब्राजील का मुख्य भाग) पूरी तरह नेट कार्बन स्रोत बन चुका है, जहां सूखा मौसम लंबा हो गया है। एक अध्ययन के अनुसार पिछले 40 वर्षों में यहां की वनभूमि अब कुल कार्बन फ्लक्स (अवशोषण माइनस उत्सर्जन) से अधिक कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जित कर रही है। समग्र अमेजन में सिंग की भूमिका घट रही है, 2001-2024 के बीच स्वदेशी क्षेत्रों में कार्बन अवशोषण फ्रांस के वार्षिक जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन के बराबर था, लेकिन 2025 में आगे और कटाई से यह संतुलन बिगड़ गया। इसका कारण वनों की कटाई है। इसके अलावा 2025 में ब्राजील के अमेजन में 1.1 मिलियन हेक्टेयर जला, जो 2024 से 70 प्रतिशत कम है, लेकिन फिर भी दक्षिणी क्षेत्रों में कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जंगलों की आग अब फीडबैक लूप बना रही है, गर्मी से आग बढ़ती है, जो और गर्मी पैदा करती है।

क्या है डूम्सडे क्लॉक

डूम्सडे क्लॉक एक प्रतीकात्मक घड़ी है, जो मानवता को वैश्विक आपदा, जैसे परमाणु युद्ध, जलवायु परिवर्तन या अन्य विनाशकारी घटनाओं, से कितनी निकटता पर दर्शाती है। डूम्सडे क्लॉक के खतरों के अंतर्गत सबसे पहले पहले चरम मौसम घटनाओं की चर्चा करते हैं। इसके चलते तूफान, बाढ़, सूखा और गर्मी की लहरें तेज हो रही हैं। 2024 में 1.5 डिग्री सेल्सियस सीमा पार हो चुकी है, जो हरिकेन और बाढ़ की तीव्रता बढ़ा रही है। इसके प्रभाव से दक्षिणी यूरोप और एशिया में 2025 की गर्मी की लहरों से हजारों मौतें और वैश्विक आपदाओं से 10 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। इसके चलते समुद्र स्तर वृद्धि पर नजर डालें तो पाएंगे कि ग्लेशियर पिघलने से 2100 तक 1 मीटर तक समुद्र ऊंचा हो सकता है, लेकिन विस्फोट से यह और तेज होगा। इसके प्रभाव से तटीय शहर (जैसे मुंबई, न्यूयॉर्क) डूबने का खतरा है, इससे 10 करोड़ लोग प्रभावित होने के साथ, कृषि भूमि खराब होने का अनुमान है।

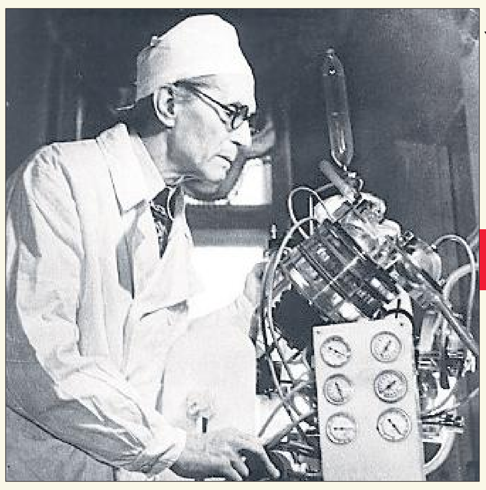

सर्गेई ब्रुखोनेंको

रोचक किस्सा

सोवियत वैज्ञानिक सर्गेई ब्रुखोनेंको को रूसी ओपन-हार्ट सर्जरी में महत्वपूर्ण प्रगति लाने में मदद करने का श्रेय दिया जाता है, लेकिन जानवरों पर उनके भयानक प्रयोग कहीं अधिक परेशान करने वाले थे। ब्रुखोनेंको इंतजार करने वालों में से नहीं थे, वे मरने के बाद जानवरों को काटने से संतुष्ट नहीं थे। अधिक सटीक रूप से, न केवल उन्हें इंतजार करना पसंद था, बल्कि वे जानवरों को मरते हुए भी नहीं देखना चाहते थे, उनके सिर काटने के बाद भी नहीं। 1930 के दशक के उत्तरार्ध में, ब्रुखोनेंको और उनकी टीम ने प्रयोगों की एक श्रृंखला शुरू की, जिसके एक भाग के रूप में उन्होंने एक कुत्ते का सिर काट दिया और उसे हवा और रक्त की आपूर्ति करने वाले उपकरण से जोड़कर उसके शरीर से दूर जीवित रखा। ब्रुखोनेंको द्वारा रची गई यही एकमात्र भयावहता नहीं थी। एक अन्य शिकारी कुत्ते के शरीर से सारा खून निकाल लिया गया, जिसे बाद में इस सोवियत फ्रेंकस्टीन द्वारा वापस जीवित कर दिया गया। ब्रुखोनेंको के भीषण काम को 1940 की फिल्म ' एक्सपेरिमेंट्स इन द रिवाइवल ऑफ ऑर्गेनिज्म्स' में कैमरे में कैद किया गया था।

जंगल की दुनिया

लायन-टेल्ड मैकाक

लायन-टेल्ड मैकाक, जिसे हिंदी में सिंह पूंछ बंदर भी कहा जाता है, भारत के पश्चिमी घाटों की जैव-विविधता का अनमोल हिस्सा है। लगभग 60-65 सेंटीमीटर लंबे इन बंदरों का शरीर चमकीले काले फर से ढका होता है, जबकि गर्दन के चारों ओर फैला सिल्वर-व्हाइट अयाल इन्हें एक विशिष्ट और राजसी रूप देता है। पूंछ के सिरे पर मौजूद बाल इन्हें शेर जैसी छवि प्रदान करते हैं, इसी कारण इनका यह नाम पड़ा। ये प्रजाति अत्यंत आर्बोरियल है अर्थात् यह अपना जीवन लगभग पूरी तरह पेड़ों पर बिताती है। वर्षावन की ऊंची छतरी में छलांग लगाते हुए ये बंदर अपने समूह के साथ भोजन की तलाश में घूमते हैं। इनके भोजन में मुख्य रूप से फल, बीज, पत्ते, फूल और छोटे-मोटे कीड़े शामिल होते हैं। इनके सामाजिक समूह आमतौर पर छोटे होते हैं, जिसमें एक प्रमुख नर, कई मादाएं और उनके शावक शामिल होते हैं।

इनका व्यवहार अत्यंत शांत और सतर्क होता है। मानव गतिविधियों से ये दूरी बनाए रखते हैं, इसलिए जंगलों में भी इनका देख जाना बहुत दुर्लभ माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में तेजी से हो रही वनों की कटाई, सड़क निर्माण और मानव बस्तियों के विस्तार ने इनके प्राकृतिक आवास को गहराई से प्रभावित किया है। International Union for Conservation of Nature (IUCN) ने इन्हें लुप्तप्राय श्रेणी में रखा है, जो बताता है कि इनका अस्तित्व गंभीर खतरे में है। पश्चिमी घाट- दुनिया के आठ "हॉटस्पॉट्स ऑफ बायोडायवर्सिटी" में से एक इनका अंतिम सुरक्षित आश्रय बन चुका है। केरल के साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक के कुद्रेमुख और तमिलनाडु के अनामलाई क्षेत्रों में इनके संरक्षण के लिए कई योजनाएं चल रही हैं। स्थानीय जनजातियों, वन विभाग और शोध संस्थानों के संयुक्त प्रयासों से इस प्रजाति को बचाने की कोशिश जारी है। लायन-टेल्ड मैकाक केवल एक बंदर नहीं, बल्कि पश्चिमी घाट की समृद्ध प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है। यह एक ऐसी प्रजाति, जिसे बचाना हमारे पारिस्थितिक संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है।

टैक जानकारी

वोटर-लिस्ट अपडेट का नया दौर

ऑनलाइन सुविधाओं से प्रक्रिया हुई सरल

भारतीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का अगला चरण शुरू किया है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य वोटर-लिस्ट को अपडेट करना, डुप्लीकेट और दिवंगत मतदाताओं के नाम हटाना है। आयोग ने सुविधा बढ़ाने के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी दी है, जिससे घर बैठे जानकारी में सुधार, नई एंट्री, वोटर-आईडी डाउनलोड और वोटर-लिस्ट में नाम की जांच आसानी से की जा सकती है।

ऐसे डाउनलोड करें वोटर लिस्ट

इसके लिए आप चुनाव आयोग की वेबसाइट (www.eci.gov.in) पर जाना होगा। साइट पर PDF E-Roll का ऑप्शन चुने। फिर अपने राज्य, जिला व निर्वाचन क्षेत्र चुनें और मतदान केंद्र के पास Final Roll ऑप्शन पर क्लिक करें। इसी से आप पूरी वोटर-लिस्ट डाउनलोड कर सकते हैं।

ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नाम

यदि आप सीधे अपना नाम देखना चाहें, तो वेबसाइट पर Search your name in E-roll ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां आपको अपना वोटर-कार्ड पर लिखा संख्या या अन्य जानकारी भरनी होगी। इसके बाद Search पर क्लिक करके पता कर लें कि आपका नाम सूची में शामिल है या नहीं।

ऐसे करें वोटर-आईडी डाउनलोड

NVSP या वोटर सर्विसेज पोर्टल पर मोबाइल नंबर, पासवर्ड और कैप्चा दर्ज करके लॉग-इन करें और OTP वेरिफाई करें। लॉगइन के बाद E-EPIC Download विकल्प चुनें और EPIC नंबर या फॉर्म रेफरेंस नंबर से खोजें। विवरण दिखने पर OTP वेरिफिकेशन पूरा करें और अपना डिजिटल वोटर-आईडी (e-EPIC) डाउनलोड कर लें।

बिजनेस ब्रीफ

68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने नवीनीकरण शुल्क का भुगतान करने में विफल रहने पर 68 निवेश सलाहकारों का पंजीकरण रद्द कर दिया। सेबी की नामित प्राधिकारी सोमा मजूमदार ने आदेश में कहा, मध्यवर्ती विनियम, 2008 के तहत, नोटिस संख्या 1 से 68 तक के निवेश सलाहकारों के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जाता है। रद्द की गई संस्थाओं की सूची में ट्रू नॉर्थ लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, इक्विटी मंत्रा, सौरभ मुंद्रा, शीतल अग्रवाल, अतीत हेमंत वाघ, गेटबासिस सिक्योरिटीज एंड टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ल्यूसिड टेक्नोलॉजीज और एवेन्यू वेंचर पार्टनर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर एलएलपी शामिल हैं।

निवेशक सुरक्षा को करेंगे मजबूत : सेबी प्रमुख

नई दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने गुरुवार को निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने आगाह किया कि गैर-पंजीकृत सलाहकार समूह, लोगों को असुरक्षित कारोबारी माध्यमों की ओर आकर्षित कर रहे हैं और इसलिए अवैध कारोबार के मामले नए डिजिटल प्रारूपों में फिर से सामने आ रहे हैं। कोयंबटूर में बीएसई द्वारा आयोजित एक क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी में पांडेय ने कहा कि इस दौर में जहां गलत सूचनाएं तथ्यों से अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। यह चुनौती और भी बढ़ गई है। कारोबार संबंधी धोखाधड़ी वाले एप विश्वसनीय लगते हैं, डिजिटल खाते वैधता का दिखावा करते हैं और पक्के रिटर्न का वादा करने वाली ऐसा योजनाएं पेश करते हैं जो कोई भी विनियमित बाजार नहीं दे सकता।

वायदा बाजार में कच्चे तेल के भाव में तेजी

नई दिल्ली। मजबूत मांग के बीच कारोबारियों के अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चे तेल का भाव बृहस्पतिवार को 28 रुपये चढ़कर 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंधों का भाव 28 रुपये यानी 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,221 रुपये प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसमें 15,793 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

जीएसटी युक्तिसंगत बनाने से खपत में तेजी

वित्त मंत्रालय ने कहा- आर्थिक वृद्धि की गति रहेगी बरकरार, खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की दरों को युक्तिसंगत बनाने से खपत को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है और भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान जोखिमों से निपटने तथा वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए मजबूत स्थिति में है। वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

वित्त मंत्रालय की अक्टूबर माह की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया कि मुद्रास्फीति के दबाव में कमी आने तथा हाल के कर सुधारों से खर्च योग्य घरेलू आय में वृद्धि से निकट भविष्य में उपभोग का परिदृश्य सकारात्मक लग रहा है। खुदरा मुद्रास्फीति अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। यह अक्टूबर 2025 में 0.25 प्रतिशत रह गई है जबकि सितंबर 2025 में यह 1.44 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने कहा कि इस गिरावट का मुख्य कारण जीएसटी दरों में कमी, अनुकूल तुलनात्मक आधार प्रभाव और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट है। अक्टूबर की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया, जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से उपभोग को उल्लेखनीय बढ़ावा मिला है। यह उच्च आवृत्ति संकेतकों (पीएमआई, जीएसटी सग्रह, ई-वे बिल आदि) में मजबूती से पता चलता है।

बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए एकीकृत पोर्टल जल्द

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय बैंक जमा, पेंशन, शेयर, लाभांश और अन्य वित्तीय साधनों में फंसी बिना दावे वाली संपत्तियों के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए आरबीआई के साथ मिलकर एक एकीकृत पोर्टल लाने की प्रक्रिया में है। वित्तीय सेवाओं के सचिव एन. नागराजू ने गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक के एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्द ही पेश किए जाने वाले इस पोर्टल के जरिये सभी नियामकों के डेटा को आरबीआई द्वारा समन्वित किया जाएगा।

मुद्रा योजना के तहत 55 करोड़ लोगों को 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत : चौधरी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि बैंकों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के 34 लाख करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अप्रैल 2015 में की थी। इसका उद्देश्य वंचितों को वित्तपोषित करना है। शुरुआत में इस योजना के तहत अधिकतम ऋण सीमा 10 लाख रुपये थी जिसे 2024-25 के बजट में बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया। चौधरी ने यहां पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 'आपकी पूंजी आपका अधिकार' विषय पर आयोजित शिविर में कहा कि पीएमएमवाई ने अब तक 55 करोड़ लाभार्थियों को बिना किसी गारंटी के ऋण उपलब्ध कराया है। उन्होंने 'आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान' के बारे में बात करते हुए कहा कि सरकार ने निष्क्रिय संपत्तियों पर दावा करने से जुड़े कुछ मुद्दों के समाधान के लिए पहले ही पहल की है, जिसमें दावे की बेहतर संभावना के लिए प्रति बैंक खाते में नामांकित लोगों की संख्या बढ़ाकर चार करना शामिल है। उन्होंने कहा कि इन उपायों के बावजूद अभी और काम किया जाना बाकी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र में बिना दावे वाली संपत्तियों पर तीन महीने का राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान चार अक्टूबर को शुरू किया था। अभियान का शीर्षक 'आपकी पूंजी, आपका अधिकार' है।

भारत व यूएई ने बाजार पहुंच एफटीए प्रगति पर की चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

- व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता के तहत की बैठक

भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए बाजार पहुंच, डेटा साझाकरण, डंपिंग रोधी मामलों एवं सेवाओं आदि से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। भारत-यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई।

सीईपीए एक प्रकार का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने सीईपीए के तहत प्रगति की व्यापक समीक्षा की। साथ ही बाजार पहुंच के मुद्दों, डेटा साझाकरण, स्वर्ण टीआरक्यू (निश्चित मात्रा तक कम शुल्क पर) आवंटन , डंपिंग रोधी मामलों, सेवाओं, उत्पत्ति के नियमों, बीआईएस लाइसेंसिंग पर विस्तृत चर्चा की। भारतीय पक्ष ने यूएई को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से स्वर्ण टीआरक्यू आवंटन पर अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने औषधि क्षेत्र में विनियामक सहयोग बढ़ाने, उत्पत्ति प्रमाण पत्र से संबंधित मुद्दों के समाधान पर चर्चा की। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारत तथा संयुक्त अरब अमीरात के जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा तथा तकनीकी आवश्यकताओं पर समझौता ज्ञापन पर शीघ्र हस्ताक्षर करने पर भी विचार-विमर्श किया।

एसबीआई को पांच-छह साल तक इक्विटी पूंजी की जरूरत नहीं : शेट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि इस साल की शुरुआत में पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये जुटाई गई 25,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी से 12 लाख करोड़ रुपये की ऋण वृद्धि को समर्थन मिलेगा। साथ ही पांच से छह साल तक पूंजी पर्याप्तता अनुपात 15 प्रतिशत बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऋण पूंजी के संबंध में बैंक आवधिक प्रक्रिया के तहत बॉन्ड के माध्यम से 12,500 करोड़ रुपये जुटाएगा।

शेट्टी ने कहा, इस क्यूआईपी के शुरू होने से पहले भी, ऋण वृद्धि को वित्तपोषित करने की हमारी क्षमता कभी समस्या नहीं रही। हम पूंजी अनुपात को मजबूत करना चाहते थे, इसलिए हमने ऐसा किया। हमारी दीर्घकालिक रणनीति सीआरएआर को 15 प्रतिशत और 'कॉमन इक्विट टियर-1' को 12 प्रतिशत पर बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि इस तरह का पूंजी-जोखिम परिसंपत्ति अनुपात (सीआरएआर) बैंक को 12000 अरब रुपये से अधिक के अग्रिमों को वित्तपोषित करने की क्षमता प्रदान करता है।

- एसबीआई के चेयरमैन बोले- क्यूआईपी के जरिये जुटाई पूंजी से ऋण वृद्धि को मिलेगा समर्थन

एसबीआई के चेयरमैन ने कहा, आज की लाभ दर के साथ, अगर यही लाभप्रदता अगले पांच से छह वर्ष तक बनी रहती है, तो हमें कम से कम सीईटी-1 पर कोई भी पूंजी जुटाने की आवश्यकता नहीं होगी। एसबीआई ने इस साल जुलाई में अपने इक्विटी शेयर के पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये 25,000 करोड़ रुपये जुटाए। इससे यह भारतीय पूंजी बाजारों में अब तक का सबसे बड़ा क्यूआईपी बन गया। इससे पहले बैंक ने जून 2017 में क्यूआईपी के जरिये 15,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई थी।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें, वरना कार्रवाई होगी : गडकरी

अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गांधीनगर में एनएचएआई के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और ठेकेदारों को चेतावनी दी कि सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

- गडकरी ने ठेकेदारों को चेताया

बुधवार को हुई समीक्षा बैठक के दौरान सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने ठेकेदारों से राजमार्गों के निर्माण के साथ-साथ पुनर्निर्माण में लोगों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को भी कहा। राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति में बृहस्पतिवार को कहा गया कि गडकरी ने आश्वासन दिया कि केंद्र गुजरात में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण, पुनर्निर्माण तथा संबंधित परियोजनाओं के लिए 20,000 करोड़ रुपये आवंटित करेगा। गडकरी ने बुधवार को गुजरात के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग -48 के निर्माणाधीन खंड का निरीक्षण किया और मोतीपुर फ्लाईओवर तथा राजमार्ग पर एक अंडरपास पर किए जा रहे काम की प्रगति की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों से कहा, सड़क निर्माण में उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करें, अन्यथा कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें।

विदेशी संपत्तियों का खुलासा नहीं करने वालों को संदेश भेजेगा आयकर विभाग

नई दिल्ली, एजेंसी

- 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना करेगा शुरू, 31 दिसंबर तक आईटीआर दाखिल करने की सलाह

आयकर विभाग ने गुरुवार को कहा कि लगभग 25,000 करदाताओं के अधिक-जोखिम वाले मामलों को चिन्हित किया गया है जिनमें उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में विदेशी परिसंपत्तियों का विवरण नहीं दिया है।

विभाग ने कहा कि इन चिह्नित लोगों को 28 नवंबर से एसएमएस एवं ईमेल भेजना शुरू किया जाएगा और उन्हें दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक संशोधित आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की सलाह दी जाएगी। दिसंबर मध्य से शुरू होने वाले अभियान के दूसरे चरण में दूसरे मामलों को भी शामिल करने के लिए इसका दायरा बढ़ाया जाएगा। पिछले साल भी आयकर विभाग ने स्वचालित सूचना आदान-प्रदान (एईओआई) व्यवस्था के तहत विदेशी क्षेत्राधिकारों द्वारा सूचित ऐसे करदाताओं को संदेश भेजे थे, जिन्होंने अपने विदेशी निवेश और खातों का विवरण आईटीआर में नहीं दिया था। इस पहल का परिणाम यह हुआ था कि कुल 24,678 करदाताओं ने अपने रिटर्न में संशोधन किया और 29,208 करोड़ की विदेशी परिसंपत्तियों एवं 1,089.88 करोड़ रुपये की विदेशी आय की जानकारी भी दी।

सूत्रों ने कहा कि बड़ी कंपनियों, जिनके कर्मचारियों के पास विदेशी संपत्ति है और उन्होंने इसका खुलासा नहीं किया है, को भी इस पहल का हिस्सा बनाया गया है।

राष्ट्रीय

ऑनलाइन अश्लीलता से निपटने को बने तटस्थ नियामक

सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर किया असंतोष व्यक्त

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाए गए मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरुवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो इंडियाज गॉट लैटेंट से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है।

इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायालय को बताया कि केंद्र सरकार नए दिशानिर्देश तैयार कर रही है और हितधारकों से परामर्श कर रही है। मेहता ने कहा कि यह मामला केवल अश्लीलता से नहीं, बल्कि यूट्यूब और समान प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित उपयोगकर्ता-जनित सामग्री में मौजूद विकृति से भी संबंधित है। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए! उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे विकृति को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

इंडियन ब्रॉडकास्ट एंड डिजिटल फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अमित सिब्बल ने कहा कि आईटी नियम, 2021 पहले से ही एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। उन्होंने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) गीता मित्तल की अध्यक्षता वाले निकाय के माध्यम से स्वेच्छा से कंटेंट लेबलिंग, आयु वर्गीकरण और शिकायत निवारण लागू करते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने हालांकि इस मॉडल पर गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा, स्व-घोषित निकाय मदद नहीं करेंगे। एक तटस्थ स्वायत्त निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने सवाल किया कि अगर स्व-नियमन प्रभावी है, तो उल्लंघन क्यों जारी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने भी चिंता को दोहराते हुए हानिकारक कंटेंट के तेजी से फैलने की चेतावनी दी। उन्होंने पूछा, एक बार निंदनीय सामग्री अपलोड हो जाने के बाद, जब तक अधिकारी प्रतिक्रिया करते हैं, तब तक वह लाखों लोगों तक वायरल हो चुकी होती है। आप उसे कैसे नियंत्रित करेंगे? मुख्य न्यायाधीश ने हाशिए पर रहनेवाले समुदायों पर आपत्तिजनक सामग्री के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला।

प्रदूषण पर कहा- एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगातार खराब होती वायु गुणवत्ता से संबंधित एक याचिका पर तीन दिसंबर को सुनवाई करने पर गुरुवार को सहमति जताई। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे की नियमित रूप से निगरानी की आवश्यकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह के उस अभ्यावेदन पर गौर किया कि दिल्ली-एनसीआर में चिंताजनक स्थिति है और यह एक स्वास्थ्य आपातकाल है। अधिवक्ता अपराजिता सिंह वायु प्रदूषण मामले में पीठ के लिए न्यायमित्र की भूमिका निभा रही हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, एक न्यायिक मंच कौन-सी जादुई छड़ी घुमा सकता है? मुझे पता है कि यह दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक स्थिति है। हम सब समस्या जानते हैं। मुद्दा यह है कि समाधान क्या है? हमें कारणों की पहचान करनी होगी और समाधान तो केवल विशेषज्ञ ही दे सकते हैं। हमें उम्मीद है और अपेक्षा भी कि दीर्घकालिक समाधान खोजे जाएंगे। उन्होंने कहा, मुझे बताइए कि हम क्या निर्देश दे सकते हैं? हम कुछ दिशानिर्देश जारी करें और तुरंत साफ हवा में सांस लेने लगें। हमें यह भी देखना होगा कि प्रत्येक क्षेत्र में क्या समाधान हो सकते हैं। आइए देखें कि सरकार ने क्या समिति गठित की है। न्यायालय ने 19 नवंबर को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा था कि वह दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर-दिसंबर में निर्धारित, खुले में होने वाले खेल आयोजनों को जहरीली हवा को देखते हुए स्थगित करने का निर्देश देने पर विचार करे। न्यायालय ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के तहत सालभर पाबंदियां लगाने से इनकार कर दिया था। ग्रैप एक आपातकालीन ढांचा है जिसके तहत प्रदूषण के गंभीर स्तर पर कुछ गतिविधियों पर रोक लगाई जाती है।

कांग्रेस ने आंतरिक कलह और सीट बंटवारे में देरी को बताया हार का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी

- खरगे और राहुल ने प्रत्याशियों को दिल्ली बुलाकर जानी हार के पीछे की कहानी
- सरकार द्वारा महिलाओं को 10 हजार रुपये दिए जाने को भी बताया वजह

कांग्रेस नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को बिहार विधानसभा में निर्वाचित अपने विधायकों तथा हारे उम्मीदवारों के साथ चुनाव नतीजों पर समीक्षा बैठक की, जिसमें कई नेताओं यह कहा कि महागठबंधन में समय पर सीट बंटवारा नहीं होने, 'आंतरिक कलह' और नीतीश कुमार सरकार द्वारा महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिया जाना करारी हार के मुख्य कारण रहे।

कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नेताओं के साथ 10-10 के समूह में बातचीत की तथा उनसे हार के कारणों के बारे में जाना। इस बैठक में कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी थे। बैठक के दौरान कांग्रेस के एक उम्मीदवार और सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के एक समर्थक नेता के बीच पर कहासुनी की भी खबर है। बैठक के बाद अररिया से कांग्रेस के विधायक आबिदुर रहमान ने बताया कि हार के कई कारण थे। पहला कारण है कि आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए 10-10 हजार रुपये दिए गए। गठबंधन में सीट बंटवारा सही समय पर नहीं हो सका। 10-11 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हुआ, जिससे जनता में अलग संदेश गया।

बिलाल वानी सात दिन के लिए एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में लाल किले के नजदीक हुए विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को बृहस्पतिवार को सात दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया। वानी को एनआईए ने इसलिए पेश किया क्योंकि प्रधान सत्र एवं जिला न्यायाधीश अंजू बजाज चंदना द्वारा 18 नवंबर को दी गई 10-दिवसीय हिरासत गुरुवार समाप्त हो रही थी। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को 17 नवंबर को एनआईए ने श्रीनगर में गिरफ्तार किया था। उस पर 10 नवंबर के धमाके से पहले ड्रोन को संशोधित करके आतंकी हमले करने और रॉकेट बनाने का प्रयास करने में तकनीकी सहायता प्रदान करने का आरोप है।

खेती के नए तरीके अपनाने के लिए 7 किसानों को पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी

खेती में नवाचर और उद्यमशीलता के लिए सात किसानों को पुरस्कार दिया गया है। किसान ऑफ इंडिया सम्मान के अंतर्गत जैविक/प्राकृतिक खेती, संरक्षित खेती, खाद्य प्रसंस्करएण, कृषि स्टार्ट-अप, डेयरी फार्मिंग, मत्स्यपालन और खेती में नई प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले किसानों को सम्मानित किया गया।

राजस्थान के जोधपुर के एक उद्यमी, अमित सोनी ने बताया कि कैसे संसद में उनके बाजरे से बने चॉकलेट ट्रफल केक को काटा गया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उसकी तारीफ की। सना खान को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मन की बात' प्रोग्राम में वर्मीकम्पोस्ट में उनके प्रयासों की तारीफ किए जाने के बाद ख्याति मिली। उन्हें युवाओं से खेती अपनाने की अपील की।

इन किसानों को किया गया सम्मानित

पुरस्कार पाने वालों में जैविक-प्राकृतिक खेती के लिए नरेंद्र सिंह मेहरा, संरक्षित खेती के लिए खेमा राम चौधरी, कृषि स्टार्ट-अप के लिए गुरप्रीत सिंह शेरगिल, रवींद्र मानिकराव मेटकर, डेयरी फार्मिंग के लिए सुरेंद्र अवाना, मत्स्यपालन के लिए शिव प्रसाद साहनी और कृषि में नई प्रौद्योगिकी के लिए अभिषेक धामा हैं।

बंगाल में अवैध सुनवाई के दौरान टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

बंगाल। मालदा जिले में कंगारू कोर्ट (अवैध अदालत) में हिंसा हो जाने के बाद बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की कथित तौर पर हत्या कर दी गई और पांच अन्य घायल हो गए। कालियाचक थाना क्षेत्र के राजनगर में खेत में ट्रैक्टर चलाने को लेकर विवाद को सुलझाने के लिए हो रही कंगारू कोर्ट के दौरान यह घटना हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान इकरामुल शेख (45) के रूप में हुई है। इकरामुल और टीएमसी बूथ अध्यक्ष समसुल शेख के बीच कई दिनों से विवाद था तथा दोनों ने पहले पुलिस से संपर्क किया था, लेकिन उनके परिवारों का दावा है कि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई।

निर्णायक क्षण था ऑपरेशन सिंदूर की सफलता

- चाणक्य डिफेंस डायलॉग के तीसरे संस्करण सत्र को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता देश की आतंकवाद निरोधक और रोकथाम रणनीति के लिए निर्णायक क्षण थी। उन्होंने कहा कि इससे दुनिया ने न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता पर, बल्कि शांति की तलाश में मजबूती से, लेकिन जिम्मेदारी से काम करने की उसकी नैतिक स्पष्टता पर भी ध्यान दिया।

यहां सेना की मेजबानी में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' के तीसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में अपने भाषण में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सभ्यतागत लोकाचारों से निर्देशित होकर हमने दिखाया है कि वैश्विक जिम्मेदारी के साथ रणनीतिक स्वायत्तता अस्तित्व में रह सकती है। मुर्मू ने कहा, 'हमारी कूटनीति, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे सशस्त्र बल मिलकर ऐसा भारत प्रस्तुत करते हैं जो शांति चाहता है, लेकिन अपनी सीमाओं और अपने नागरिकों की मजबूती और दृढ़संकल्प के साथ रक्षा करने के लिए तैयार है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने भारत की संप्रभुता की रक्षा में पेशेवर तरीके और देशभक्ति की मिसाल पेश की है। मुर्मू ने कहा, हर सुरक्षा चुनौती के दौरान, चाहे वह परंपरागत हो, उग्रवाद रोधी हो या मानवीयता से जुड़ी हो, हमारी सेनाओं ने उल्लेखनीय तरीके से अनुकूलनशीलता और संकल्प प्रदर्शित किया है। मंचासीन सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस मौके पर संबोधन दिया।

राहुल विदेशी सोशल मीडिया से भारत विरोधी विमर्श गढ़ रहे : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, सिंगापुर और अन्य देशों में स्थित 'सोशल मीडिया अकाउंट' राहुल गांधी और वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र के इशारे पर भारत विरोधी माहौल बना रहे हैं। भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा का 'एक्स' अकाउंट भी अमेरिका में स्थित है। राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने विभिन्न 'एक्स' खाते दिखाए, जिन्हें विदेश में बनाया गया उन्होंने इन खातों के माध्यम से निर्वाचन आयोग, भाजपा-आरएसएस, पीएम मोदी के खिलाफ विभिन्न मुद्दों पर सोशल मीडिया अभियान चलाए जाने का उल्लेख किया, जिसमें वोट चोरी के आरोप भी शामिल हैं।

नेपाल ने 100 रुपये के जारी नए नोट में भारतीय क्षेत्रों को अपना बताया

- **भारत ने जताया विरोध, मानचित्र में विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख व लिंपियाधुरा क्षेत्र शामिल**

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को 100 रुपये के नए नोट जारी किए, जिन पर देश का संशोधित मानचित्र छपा है, जिसमें विवादास्पद कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्र भी शामिल हैं। भारत ने इस कदम को कृत्रिम विस्तार करार दिया है।

नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) के नए नोट पर पूर्व गवर्नर महाप्रसाद अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। बैंक नोट पर जारी करने की तिथि 2081 बीएस अंकित है, जो गत वर्ष 2024 को दर्शाती है। तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, नेपाल ने मई 2020 में संसद के अनुमोदन के माध्यम से कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए मानचित्र को अद्यतन किया था। मानचित्र के अद्यतन संस्करण के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए, एनआरबी के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह मानचित्र पुराने 100 रुपये के बैंक नोट में पहले से ही मौजूद है और सरकार के निर्णय के अनुसार इसे संशोधित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 10 रुपये, 50 रुपये, 500 रुपये और 1,000 रुपये जैसे विभिन्न नोटों में से केवल 100 रुपये के बैंक नोट पर ही नेपाल का मानचित्र अंकित है।

भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके क्षेत्र हैं। नेपाल पांच भारतीय राज्यों - सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के साथ 1850 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा साझा करता है।

कमजोर प्रवासन नीतियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुए हमले के बाद की टिप्पणी

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि बुधवार को व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो कर्मियों पर हुआ 'जघन्य हमला' यह साबित करता है कि कमजोर प्रवासन नीतियां हमारे राष्ट्र के समक्ष सबसे बड़ा राष्ट्रीय सुरक्षा खतरा हैं। ट्रंप ने कहा कि कोई भी देश अपनी अस्तित्व के लिए ऐसे खतरे को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में ट्रंप ने यह बात कही। ट्रंप की यह टिप्पणी इस बात को रेखांकित करती है कि वह देश की आव्रजन प्रणाली में बदलाव लाने और यहां पहले से मौजूद प्रवासियों की जांच-पड़ताल को और सख्त करने का इरादा रखते हैं। अमेरिका में पहले ही आक्रामक निर्वासन कार्रवाइयां

जारी हैं और गोलीबारी की घटना पर उनकी इस कड़ी प्रतिक्रिया से माना जा रहा है कि इस मुद्दे से उनका ध्यान नहीं हटेगा। ट्रंप और दो कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार गोलीबारी का संदिग्ध एक अफगान नागरिक माना जा रहा है। वह 2021 में 'ऑपरेशन अलाइज वेलकम' के तहत अमेरिका पहुंचा था। यह बाइडन प्रशासन का कार्यक्रम था जिसके तहत अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी के बाद वहां से निकाले गए हजारों अफगान नागरिकों को यहां बसाया गया था। इस पहल के तहत करीब 76,000 लोग अमेरिका लाए गए।

कहा- हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं जो बाहरी

राष्ट्रपति ने कहा कि वह हर उस व्यक्ति को हटाना चाहते हैं 'जो यहां का नहीं है या जो हमारे देश के लिए लाभकारी नहीं है। ट्रंप ने कहा, अगर वे हमारे देश से प्यार नहीं कर सकते, तो हमें उनकी जरूरत नहीं है।

मियामी में 2026 के जी20 शिखर सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका को नहीं किया जाएगा आमंत्रित

न्यूयॉर्क। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका कहीं भी सदस्यता के लिए योग्य नहीं है। अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीकी सरकार अफ्रीकी लोगों और पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के वंशजों द्वारा झेले गए भयावह मानवाधिकार हनन को स्वीकार करने या उस पर ध्यान देने से इनकार करती है। उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने दुनिया को दिखा दिया है कि वे इस योग्य नहीं हैं कि उन्हें कहीं भी सदस्यता दी जाए और हम तुरंत प्रभाव से उन्हें दिए जाने वाले सभी भुगतान और रियायत बंद कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा, दक्षिण अफ्रीका ने शिखर सम्मेलन के समाप्त होने पर जी-20 की अध्यक्षता हमारे अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि को सौंपने से इनकार कर दिया था। इसलिए मेरे निर्देश पर दक्षिण अफ्रीका को 2026 जी-20 के लिए निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसकी मेजबानी अगले साल फ्लोरिडा के बड़े शहर मियामी में की जाएगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

चीन में ट्रेन दुर्घटना में 11 की मौत, दो घायल

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी शहर कुनमिंग में बृहस्पतिवार तड़के रेल पटरी पर काम कर रहे कर्मचारी एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। रेलवे अधिकारियों ने यह जानकारी दी। चीन रेलवे कुनमिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार, यह दुर्घटना युन्नान प्रांत की राजधानी कुनमिंग के लुयांगझेन स्टेशन पर हुई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और रेलवे स्टेशन पर परिचालन बहाल हो गया है।

बारिश, भूस्खलन से श्रीलंका में 31 की मौत

कोलंबो। श्रीलंका में बीते 11 दिन में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 31 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 4,000 लोग प्रभावित हुए हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र ने बृहस्पतिवार को कहा कि अकेले मध्य पर्वतीय जिलों में 18 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। डेली मिरर ऑनलाइन की खबर के अनुसार एक भयावह घटना में, कुंबुक्कना में बढ़ते जलस्तर के बीच एक यात्री बस फंस गई, जिसके बाद आपात दलों ने 23 यात्रियों को सफलतापूर्वक बचा लिया।

गिनी बिसाऊ को सैन्य शासक किया घोषित

बिसाऊ। गिनी-बिसाऊ के सैनिकों ने राष्ट्रपति चुनाव के बाद सत्ता पर अपने जबरन कब्जे को मजबूत करते हुए बृहस्पतिवार को देश के नए सैन्य शासक की घोषणा की। सेना के शीर्ष नेतृत्व ने जनरल होर्ता एनटा को सैन्य शासन का प्रमुख घोषित किया।

भारत-इंडोनेशिया मुक्त, शांतिपूर्ण व समृद्ध हिन्द प्रशांत के लिए प्रतिबद्ध

रक्षा मंत्री राजनाथ ने इंडोनेशिया के समकक्ष संग की बैठक, दोनों देशों ने रक्षा संबंधों पर सहमति जताई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और इंडोनेशिया ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के अधिकार पर आधारित मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिन्द प्रशांत के महत्व को दोहराते हुए इसके लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। दोनों देशों ने रक्षा संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को यहां इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री सजाफरी सजामसोएद्दीन के साथ तीसरे भारत-इंडोनेशिया रक्षा मंत्री संवाद की सह-अध्यक्षता की। बैठक में दोनों देशों ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी और द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की पुष्टि की।

रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि दोनों पक्षों ने हिंद-प्रशांत में शांति और सुरक्षा पर रणनीतिक दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया ऐसे मुक्त, खुले, शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध हिंद-प्रशांत के पक्षधर हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सम्मान पर आधारित हो। इंडोनेशिया ने 'हिन्द प्रशांत पर आसियान के दृष्टिकोण' और भारत के 'हिन्द प्रशांत महासागर पहल' के साझा सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में भारत को एक प्रमुख भागीदार बताया। दोनों पक्षों ने 'इंडियन ओसियन रिम एसोसिएशन' सहित बहुपक्षीय ढांचों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र जागरूकता, साइबर और संयुक्त संचालन तैयारी में व्यवहारिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प जताया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की मजबूत नींव, रक्षा सहयोग समझौता और संयुक्त रक्षा सहयोग समिति के प्रति वचनबद्धता को दोहराया। इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग सहयोग समिति बनाने के भारत के प्रस्ताव का स्वागत किया, जिसका उद्देश्य तकनीक हस्तांतरण, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, समन्वयन और आपूर्ति श्रृंखला संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने सुपर गरुड़ शील्ड, गरुड़ शक्ति, समुद्र शक्ति, मिलन और एयर मैन्यूवर जैसे अभ्यासों की सराहना की।

नई दिल्ली में इंडोनेशिया के समकक्ष के साथ बैठक करते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। एजेंसी

दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

दोनों पक्षों ने अधिकारी आदान-प्रदान, संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रक्षा शिक्षा संस्थानों के दौरे जारी रखने पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने हिंद महासागर में समन्वय सहित समुद्री सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने फिलिस्तीन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और मानवीय सहायता, संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण और बहुपक्षीय शांति प्रयासों में सहयोग की संभावनाओं पर विचार किया। इंडोनेशिया ने संयुक्त राष्ट्र के कानूनों के तहत गाजा में शांति सैनिक भेजने की अपनी तत्परता व्यक्त की। भारत ने सेना की रिमाउंट वेटरनरी कोर द्वारा इंडोनेशिया को घोड़े और एक पारंपरिक बग्गी भी भेंट करने की घोषणा की। दोनों मंत्रियों ने कहा कि उनके बीच उच्च स्तरीय संवाद से हिंद-प्रशांत क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि में योगदान मिलेगा।

भ्रष्टाचार के 3 मामलों में हसीना को 21 साल सजा

ढाका, एजेंसी

- **बांग्लादेश की एक अदालत ने भूमि आवंटन में गड़बड़ी से जुड़े मामले में सुनाई सजा**
- **हसीना के बेटे जॉय और बेटी साइमा को भी पांच-पांच साल कैद की सजा**

बांग्लादेश की एक अदालत ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को एक सरकारी आवास परियोजना के लिए भूमि आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के तीन मामलों में गुरुवार को 21 साल की जेल की सजा सुनाई। ढाका विशेष न्यायाधीश न्यायालय-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने हसीना (78) को पूर्वाचल स्थित राजुक न्यू टाउन परियोजना में भ्रष्टाचार के तीन मामलों में सात-सात साल की सजा सुनाई। न्यायाधीश ने कहा कि हसीना को ये सजाएं एक के बाद एक काटनी होंगी और कुल सजा 21 साल की होगी। न्यायाधीश ने हसीना पर प्रत्येक मामले में एक लाख टका का जुर्माना भी लगाया और राशि जमा न करने पर 18 महीने अतिरिक्त जेल में रहने की सजा सुनाई। न्यायाधीश मामून ने हसीना के बेटे साजिब वाजेद जॉय और बेटी साइमा वाजेद पुतुल को भी राजधानी के पास स्थित आवासीय परियोजना में उनके खिलाफ दर्ज मामलों में पांच-पांच साल कैद की सजा सुनाई। जॉय और पुतुल पर एक-एक लाख टका का जुर्माना लगाया गया और इसका भुगतान न करने पर एक महीने अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा, भूखंड शेख हसीना को बिना किसी आवेदन के और गैरकानूनी तरीके से आवंटित किया गया था। दस दिन पहले एक विशेष न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों पर हसीना सरकार की क्रूर कार्रवाई को लेकर 'मानवता के विरुद्ध अपराध' के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने आरोपों को पक्षपातपूर्ण और राजनीति से प्रेरित बताया था। हसीना पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों के चलते अपनी पार्टी की सरकार गिरने के बाद अगस्त में भारत चली गई थीं।

वहीं, भारत ने कहा था कि वह हसीना के प्रत्यर्पण के अंतरिम सरकार के अनुरोध पर गौर कर रहा है। वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

19 अन्य को भी सुनाई सजा

हसीना परिवार के अलावा, पूर्व आवास राज्य मंत्री शरीफ अहमद तथा आवास मंत्रालय और राजधानी उन्नयन कर्त्रीपक्का के अधिकारियों सहित कुल 20 अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा चलाया गया। इनमें से एक को छोड़कर सभी को विभिन्न अवधि के कारावास की सजा सुनाई गई। इस मामले में मंत्रालय के एक कनिष्ठ अधिकारी को बरी किया गया। केवल एक आरोपी ने अदालत में व्यक्तिगत रूप से मुकदमे का सामना किया और उसे तीन वर्ष की सजा सुनाई गई।

हांगकांग: इमारत में आग से मरने वालों की संख्या 65 हुई

हांगकांग, एजेंसी

- **279 अब भी लापता, शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयावह घटनाओं में से एक**

हांगकांग के एक बहुमंजिला आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 65 हो गई है। दमकलकर्मी दूसरे दिन भी बहुमंजिला आवासीय परिसर लगी आग को बुझाने में जुटे रहे। इस अग्निकांड को शहर के आधुनिक इतिहास की सबसे भयानक आग की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है।

ताई पो जिले में हांगकांग की सीमा से सटे उत्तरी उपनगर में स्थित वांग फुक कोर्ट परिसर के कुछ फ्लैट से गुरुवार शाम तक घना धुआं उठता देखा गया। इमारतों के अंदर आग की लपटें भी दिखाई दे रही थीं। इस परिसर में कई बहुमंजिला इमारतें हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। हांगकांग के नेता जॉन ली ने बताया कि गुरुवार सुबह तक 279 लोगों के लापता होने की सूचना थी। कुछ इमारतों में बचाव कार्य जारी है, लेकिन संवाददाता सम्मेलन में अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि कितने लोग अभी भी लापता हैं या कितने अंदर फंसे हुए हैं। दमकलकर्मी बुधवार दोपहर से ही आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। आग सबसे पहले बांस की मचान और निर्माण जालियों में लगी जिसके बाद परिसर की आठ में से सात इमारतों में तेजी से फैल गई। चार इमारतों में आग लगभग बुझाई जा चुकी है।

शंघाई में भारतीय राजदूत ने चीनी प्रोफेसर के साथ की बैठक

बीजिंग। शंघाई में भारतीय राजदूत प्रतीक माथुर ने संस्कृत, पाली और भारतीय संस्कृति में विशेषज्ञता रखने वाले चीनी शिक्षाविदों से मुलाकात की तथा सहयोग के अवसरों पर चर्चा की। वाणिज्य दूतावास ने बताया कि माथुर ने बीजिंग फॉरेन स्टडीज विवि में संस्कृत और पाली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. झोउ लीकुन तथा नरसिंह वर्कशॉप के संस्थापक ली हांसी के साथ बैठक की। बैठक में संस्कृत अध्ययन, बौद्ध साहित्य और नवीन सांस्कृतिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने में सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। डॉ. झोउ ने भारतीय खगोल विज्ञान, कैलेंडर और साहित्य पर अपने शोध से प्राप्त अंतर्दृष्टि साझा की।

रूस से भ्रामक झंडों वाले 30 जहाजों के जरिये भारत को 2.1 अरब यूरो का तेल हुआ निर्यात

नई दिल्ली, एजेंसी

- **यूरोपीय शोध संस्थान सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयरने दी जानकारी**

भारत ने वर्ष 2025 के पहले नौ महीनों में रूस से 54 लाख टन कच्चे तेल का आयात किया, जिसका मूल्य 2.1 अरब यूरो रहा। यह तेल पहचान छुपाने के मकसद से भ्रामक झंडों के तहत संचालित 30 जहाजों के जरिये भेजा गया था। यूरोपीय शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (सीआरईए) ने बृहस्पतिवार को अपनी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

भ्रामक झंडे का मतलब है कि जहाज अपने असली देश का झंडा न लगाकर किसी दूसरे देश का झंडा लगाकर चलता है, ताकि उसकी पहचान एवं स्वामित्व का पता न चल सके। रिपोर्ट के मुताबिक, रूस का लगातार बढ़ता हुआ 'छद्म जहाजी बेड़ा' अब उसके तेल निर्यात का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। हेलसिंकी स्थित सीआरईए ने कहा कि जनवरी-सितंबर, 2025 के दौरान 113 रूसी जहाजों ने इन गलत झंडों का इस्तेमाल किया।

सितंबर में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत हुए संचालित

सितंबर 2025 के अंत में 90 रूसी छद्म जहाज नकली झंडों के तहत संचालित हो रहे थे। यह संख्या दिसंबर 2024 के मुकाबले छह गुना है। सीआरईए ने कच्चा तेल लेकर भारत आने वाले जहाजों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इनमें से 30 जहाज भारत तेल लेकर आए। भारत को 2.1 अरब यूरो मूल्य का तेल भेजा गया, जो इस श्रेणी में सबसे बड़ा आयात है। फरवरी, 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस पर लगे प्रतिबंधों और यूरोपीय मांग कम होने से भारतीय कंपनियों को तेल काफी रियायती दरों पर मिलने लगा।

आज का भविष्यफल -पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, अष्टमी 29 नवंबर 00 .15 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-शतभिषा 29 नवंबर 02 .49 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दांपत्य संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

वृष — आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। आय के नए स्रोत विकसित होंगे। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा।

मिथुन — आज बड़े बुजुर्ग लोगों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं।

कर्क — आज आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। नया कार्य आरंभ करने में जल्दबाजी न करें। मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न होंगे। बच्चे पढ़ाई को लेकर लापरवाही कर सकते हैं।

सिंह — आज विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है। दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यम से आपको धन लाभ हो सकता है।

कन्या — आज काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं। आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी।

तुला — आज पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। धर्म-कर्म में आपका विश्वास बढ़ेगा। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

वृश्चिक — आज अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास रखें। माता की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। छात्र पढ़ाई को लेकर थोड़ी लापरवाही कर सकते हैं।

धनु — आज जॉब कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप काफी मेहनत करेंगे। धार्मिक विषयों पर आप विशेष रुचि लेंगे। आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। ऑनलाइन शॉपिंग में धन खर्च कर सकते हैं।

मकर — आज खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा। मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ पर्यटन की योजना बनाएंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है।

कुंभ — आज नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे। रुकी हुई धनराशि आपको वापस मिल सकती है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीन — आज बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे।

सुडोकू-174

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			2					
							5	
3								
		7		3				
				1				
					5			
								4
	2				8			

सुडोकू - 173 का हल

1	2	3	9	8	7	6	4	5
8	6	7	4	5	1	3	2	9
5	9	4	6	3	2	1	7	8
2	3	5	8	1	4	7	9	6
9	8	6	3	7	5	2	1	4
4	7	1	2	9	6	5	8	3
7	1	8	5	6	9	4	3	2
6	4	9	1	2	3	8	5	7
3	5	2	7	4	8	9	6	1

“मुख्य कोच केवल टीम को तैयार कर सकता है। कोच टीम को तैयार कर सकता है और वह अपने अनुभव से खिलाड़ियों को बता सकता है। लेकिन मैदान में जाकर प्रदर्शन करना खिलाड़ियों का ही काम है।
–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 28 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में भारतीय महिला बधिर क्रिकेट टीम की सदस्यों को मिठाई खिलाई, जिन्होंने हाल ही में पहला टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। एजेंसी

गृहमंत्री ने बधिर टीम को बधाई दी

नई दिल्ली : गृहमंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को भारतीय टीम को तोक्यो में 25वें ग्रीष्मकालीन बधिर ओलंपिक 2025 में नौ स्वर्ण समेत 20 पदक जीतने पर बधाई दी है । शाह ने एक्स पर लिखा हमारे बधिर ओलंपियनों का शानदार प्रदर्शन। भारतीय टीम को तोक्यो में 25वें ग्रीष्मकालीन बधिर ओलंपिक 2025 में नौ स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य समेत 20 पदक जीतने पर बधाई। उन्होंने लिखा आपकी अप्रतिम सफलता से हमारे खिलाड़ियों में नये उत्साह का संचार होगा। भविष्य के लिये मेरी शुभकामनायें।

भव्या ने तैराकी में जीता सातवां स्वर्ण पदक

जयपुर : जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत व एक रिले स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में महिलाओं के 800 मी फ्रीस्टाइल वर्ग में 9 :37 .41 सेकेंड के समय से स्वर्ण जीतने की शुरुआत की।

घरेलू स्तर के सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में मिल सकती है जगह

दक्षिण अफ्रीका से दोनों मैचों में करारी हार के बाद चल रहा मंथन, तीसरे नंबर की बल्लेबाजी पर सबसे ज्यादा चिंता

रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज़ से पहले मैच के लिए अभ्यास करते विराट कोहली। एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

पीटीआई ने इसके बारे में जानकारी रखने वाले एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे। लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा ‘एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की ज़रूरत है। रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है। जहां तक नंबर तीन का सवाल है तो रुतुराज गायकवाड इस स्थान के लिए अच्छे विकल्प हो सकते हैं। उन्होंने अभी तक 43 प्रथम श्रेणी मैच में 45 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। वह इस सत्र में पहले ही दो शतक और रणजी ट्रॉफी में 90 से अधिक की औसत से रन बना चुके हैं। वह तीसरे स्थान के लिए सही मानसिकता वाले खिलाड़ी नजर आते हैं। दूसरा नाम रजत पाटीदार का है, जिनका टेस्ट मैचों में पहला प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका औसत भी 45 से अधिक है और वह भारतीय मध्य क्रम को मजबूती प्रदान कर सकते हैं। एक और खिलाड़ी रिंकू सिंह है जिन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगभग 60 की औसत से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद भारतीय टेस्ट टीम में काफी बदलाव की संभावना है और यह देखना दिलचस्प होगा की टीम प्रबंधन किन खिलाड़ियों पर अपना भरोसा जताता है।

पंत ने दक्षिण अफ्रीका से हार के लिए माफी मांगी

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के लिए माफी मांगी और वादा किया कि टीम मजबूत वापसी के लिए फिर से संगठित होगी, अपना ध्यान केंद्रित करेगी और खुद को फिर से व्यवस्थित करेगी। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त हुई सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पंत ने भारतीय टीम की अगुवाई की क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण इस मैच में नहीं खेल पाए थे। भारत यह मैच रिकॉर्ड 408 रन से हार गया था जिससे उसकी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावना को भी करारा झटका लगा है। पंत को इस सीरीज के दौरान शॉट चयन में लापरवाही बरतने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पंत ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले दो सप्ताह में हमने अच्छी क्रिकेट नहीं खेली। एक टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ी के रूप में हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और करोड़ों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा माफी चाहता हूं कि हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको एक टीम और खिलाड़ी के तौर पर सीख देता है, परिस्थितियों से सामंजस्य से बिठाना और आगे बढ़ना सिखाता है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है। हम एक टीम और एक खिलाड़ी के रूप में मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और फिर से तैयार होंगे। पंत ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना खिलाड़ियों के जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। भारत को अब अगले साल तक कोई टेस्ट मैच नहीं खेलना है।

गंभीर के बचाव में उतरे अश्विन, कहा- कोच क्या कर सकता है?

नई दिल्ली : पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में 0-2 से मिली हार के बाद आलोचनाओं से घिरे भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा कि ऐसे समय में उन्हें बर्खास्त करने की मांग करना सही नहीं है, जब खिलाड़ियों ने पर्याप्त जिम्मेदारी नहीं उठाई है। भारत को मंगलवार को गुवाहाटी में समाप्त हुए दूसरे टेस्ट मैच में रिकॉर्ड 408 रन से हार का सामना करना पड़ा। गंभीर की आलोचना टीम में अधिक से अधिक ऑलराउंडर को शामिल करने को लेकर हो रही है जिससे टीम का संतुलन प्रभावित हो रहा है। अश्विन ने हालांकि इस पूर्व सलामी बल्लेबाज का समर्थन करते हुए कहा कि उन्हें हटाया नहीं जाना चाहिए। गंभीर का कार्यकाल 2027 तक है। अश्विन ने अपने यूट्यूब कार्यक्रम ‘ऐश की बात’ में कहा हम ऐसा क्यों कर रहे हैं। यह एक खेल है। टीम का प्रबंधन करना इतना आसान नहीं होता है और उन्हें भी इस परिणाम से निराशा है। हमें यह समझना होगा। किसी को बर्खास्त करना अच्छा लग सकता है, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए।

श्रीकांत और उन्नति अंतिम आठ में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

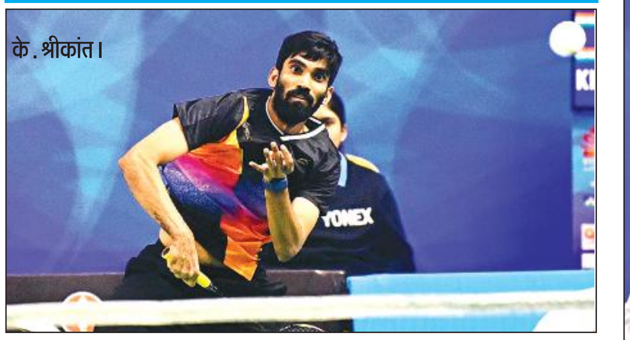

के. श्रीकांत।

- तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने किया बड़ा उलटफेर
- प्रियांशु ने भी क्वार्टर फाइनल में स्थान पक्का किया

अमृत विचार : सैयद मोदी बैडमिंटन चैंपियनशिप में गुरुवार भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। पूर्व चैंपियन के. श्रीकांत, प्रियांशु राजावत और शीर्ष वरीय उन्नति हुड्डा जहां क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए वहीं तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने बड़ा उलटफेर कर दिया। तन्वी ने जापान की नोजोमी ओकुहारा और मनराज ने हमवतन एचएस प्रणय पराजित कर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त के. श्रीकांत ने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हमवतन सनीथ दयानंद को एकतरफा मुकाबले में 21-6, 21-16 से हराया। 2016 के चैंपियन श्रीकांत ने नेट पर बेहतरीन नियंत्रण और आक्रामक खेल दिखाया। क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला प्रियांशु राजावत से होगा। प्रियांशु ने कड़े संघर्ष में बीएम राहुल भारद्वाज को 21-16, 10-21, 21-12 से मात दी। दिन का सबसे बड़ा उलटफेर उभरते भारतीय खिलाड़ी मनराज सिंह ने किया। युगांडा इंटरनेशनल चैलेंज के विजेता मनराज ने तीसरी वरीयता प्राप्त 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

इसी तरह भारतीय युवा स्टार तन्वी शर्मा ने रोमांचक मुकाबले में 2023 की चैंपियन दूसरी वरीयता प्राप्त जापान की नोजोमी ओकुहारा को 13-21, 21-16, 21-19 से शिकस्त दी। जूनियर विश्व चैंपियनशिप 2025 और यूएस ओपन की उपविजेता तन्वी ने आक्रामक सर्विस और सटीक शॉट्स से ओकुहारा को लगातार दबाव में रखा। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भारत की तस्नीम मीर को आसानी से 21-15, 21-10 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। हांगकांग की लो सिन यान हैप्पी ने भारत की अनुपमा उपाध्याय को हराया।

उन्नति हुड्डा। अमृत विचार

नवी मुंबई व वडोदरा में नौ जनवरी से आयोजित होगा डब्ल्यूपीएल

नई दिल्ली : महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का चौथा चरण नौ जनवरी से नवी मुंबई और वडोदरा में आयोजित किया जाएगा। आमतौर पर फरवरी-मार्च की विंडो में होने वाली इस लीग को सात फरवरी से शुरू होने वाले पुरुषों के टी-20 विश्व कप के कारण इस साल आगे बढ़ा दिया गया है। डब्ल्यूपीएल अध्यक्ष जयेश जॉर्ज ने यहां नीलामी के पहले भाषण में घोषणा की आगामी डब्ल्यूपीएल नवी मुंबई में खेली जाएगी और फाइनल वडोदरा में आयोजित होगा। लीग एक बार फिर कारवां मॉडल में खेली जाएगी। टूर्नामेंट का पहला चरण डी वाई पाटिल स्टेडियम में होगा जहां इस महीने की शुरुआत में भारत ने महिला वनडे विश्व कप जीता था। उसके बाद मुकाबले वडोदरा में होंगे और पांच फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। डब्ल्यूपीएल के अभी तक तीन चरण खेले गए हैं जिसमें मुंबई इंडियंस मौजूदा चैंपियन है।

दीप्ति तीन करोड़ 20 लाख रुपये में यूपी वारियर्स में लौटीं

नई दिल्ली, एजेंसी

डब्ल्यूपीएल नीलामी

- चरणी, एमेलिया केर और लैनिंग को भी अच्छे दाम मिले

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनी जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले।

यूपी वारियर्स ने ‘राइट टू मैच’ कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रुपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रूपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला एमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी। यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रूपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा। दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रूपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रूपये में खरीदा। आस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रूपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रूपये में खरीदा । वारियर्स के पास नीलामी के लिये 14 करोड़ 50 लाख रूपये का पर्स था। उन्होंने एक बार फिर ‘राइट टू मैच’ कार्ड का इस्तेमाल करके इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन को 85 लाख और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 50 लाख में खरीदा।

एमबाप्पे के चार गोलों से रियल मैड्रिड जीता

पेरिस, एजेंसी

चैंपियंस लीग

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियल मैड्रिड को जीत दिलाई। जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे। एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है।

वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं। आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

डब्ल्यूबीबीएल के बचे सत्र में नहीं खेलेंगी जेमिमा

ब्रिसबेन। भारत की महिला विश्व कप विजेता स्टार जेमिमा रोड्रिग्स ने अपनी साथी खिलाड़ी स्मृति मंधाना के साथ रहने के लिए ऑस्ट्रेलिया में चल रही डब्ल्यूबीबीएल (महिला बिग बैश लीग) के बचे हुए सत्र में नहीं खेलने का फैसला किया है। मंधाना की शादी टल गई है।

जेमिमा कुछ दिन पहले मंधाना की शादी में शामिल होने के लिए भारत लौटी थीं। उन्हें शादी में शामिल होने के बाद ब्रिसबेन हीट के साथ अपना सत्र पूरा करने के लिए वापस जाना था। लेकिन शादी से ठीक पहले मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई जिसके कारण शादी को टालना पड़ा। इसके बाद जेमिमा ने उनके साथ रुकने का फैसला किया। ब्रिसबेन हीट ने एक बयान में कहा ब्रिसबेन हीट ने जेमिमा रोड्रिग्स के डब्ल्यूबीबीएल के बचे हुए सत्र से रिलीज करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

जूनियर हॉकी विश्व कप

दो बार की चैंपियन भारतीय टीम पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ आज बड़ी जीत दर्ज करना चाहेगी

नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

चेन्नई, एजेंसी

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है।

भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था।

भारत ने 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में खिताब जीता था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था। पाकिस्तान ने 1979 में वर्सेल्स (फ्रांस) में खेला गया पहला विश्व कप अपने नाम किया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 1997 में मिल्टन कीन्स में भारत को हराकर यह खिताब जीता था। भारत 2023 में कुआलालंपुर में खेले गए पिछले जूनियर विश्व कप में चौथे स्थान पर रहा था। वह कांस्य पदक के मैच में स्पेन से 1-3 से हार गया था। जर्मनी तब चैंपियन बना था।

इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा जिसमें रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। जर्मनी अंडर-21 वर्ग में दुनिया की शीर्ष रैंकिंग वाली टीम है। श्रीजेश टीम की इस कमजोरी से वाकिफ हैं और उन्होंने इसके लिए उचित कदम भी उठाए हैं। श्रीजेश ने मलेशिया से लौटने पर कहा था, ‘‘मलेशिया में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना चिंता का विषय था, लेकिन हमने इस समस्या का समाधान कर लिया है। हमने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस, दोनों पर विशेष ध्यान दिया है। हमारे पास अच्छे ड्रैग-फ्लिकर हैं, जो दिन में 200-300 बार फ़्लिक करते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से अनुभव हासिल किया है और अब बेहतर तरीके से तैयार हैं।’’ भारतीय कप्तान रोहित को पेनल्टी कॉर्नर पर अतिरिक्त जिम्मेदारी लेनी होगी, क्योंकि सबसे अनुभवी ड्रैग फ्लिकर अरिजीत सिंह हुंडल कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। लंबे कद के फारवर्ड हुंडल ने सीनियर स्तर पर 21 मैच खेले हैं और पांच गोल किए हैं। वह जूनियर स्तर पर भी गोल करने वाले खिलाड़ी रहे हैं।

हमें अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा : श्रीजेश

चेन्नई : भारत के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर पुरूष हॉकी विश्व कप से पहले अपनी टीम की कमियों को स्वीकार किया, लेकिन कहा कि नौ साल बाद अपनी धरती पर खिताब जीतने के लिये टीम को अपना स्वाभाविक खेल दिखाना होगा । अर्जेंटीना के साथ टूर्नामेंट की दूसरी सबसे कामयाब टीम भारत ने होबर्ट में 2001 के बाद लखनऊ में 2016 में खिताब जीता था। भारत को पूल बी के पहले मैच में शुक्रवार को चिली से खेलना है। अंडर 21 वर्ग में भारत दूसरी रैंकिंग वाली टीम है जबकि सात बार की और पिछली चैम्पियन जर्मनी शीर्ष पर है। चिली विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर है। उन्होंने कहा रैंकिंग से कुछ पता नहीं चलता और मैच के दिन प्रदर्शन ही मायने रखता है।